Postal Regn No./C.G./RYP DN/48/2022-24

website- www.dvpnews.in

रायपुर (छ.ग.) एवं झांसी (उ.प्र.) से एक साथ प्रकाशित राष्ट्रीय हिन्दी पत्र

दैनिक विश्व परिवार

● अंक : 88 ● वर्ष : 12 ● रायपुर, बुधवार 18 सितंबर 2024 ● पृष्ठ : 08 ● मूल्य : 3 रूपए ● संस्थापक : कीर्तिशेष- श्री कैलाश चन्द्र जैन

सुविचार

दया भाव जीवन में सुख-शांति प्रदान करता है।

Feelings of mercy bring peace and happiness in life.

आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज

संक्षिप्त समाचार

राहुल गांधी के खिलाफ टिप्पणियों का मामला पहुंचा पीएम के दरबार

नई दिल्ली (आरएनएस)। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के खिलाफ की जा रही टिप्पणियों का मामला तूल पकड़ चुका है। कांग्रेस ने इसकी शिकायत प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पत्र लिखकर की है।इस पत्र पर कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के हस्ताक्षर हैं। पत्र में खड़गे ने पीएम मोदी के जन्मदिन की बधाई दी और साथही लिखा कि नेता प्रतिपक्ष के खिलाफ आपत्तिजनक बयान दिए जा रहे हैं। खड़गे ने पत्र में पीएम मोदी को लिखा आप अपने नेताओं को अनुशासन सिखाते हुए मर्यादा में रहने को कहें और ऐसे बयान देने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाए।

जम्मू-कश्मीर चुनाव के लिए कांग्रेस का घोषणापत्र

श्रीनगर (आरएनएस)। जम्मू-कश्मीर विधानसभा चुनाव के लिए कांग्रेस ने अपनी पार्टी का घोषणापत्र जारी किया। इसमें समाज के सभी वर्गों को साधने का प्रयास किया गया है। पार्टी ने भ्रष्ट अधिकारियों से निपटने के लिए लोकायुक्त का गठन, किसानों के लिए भूमि नीति, युवाओं को बेरोजगारी भत्ता, महिला सशक्तिकरण और गरीब छात्रों के लिए सस्ती कोचिंग की सुविधा समेत कई वादे किये हैं। कांग्रेस ने अपने घोषणापत्र में कहा कि जम्मू-कश्मीर को राज्य का दर्जा दिलाने के लिए केंद्र सरकार पर वह दबाव बनाएगी।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आवासहीन परिवारों को मकान निर्माण के लिए 2044 करोड़ रुपए की राशि का किया ऑनलाईन अंतरण

राज्य के 5 लाख 11 हजार परिवारों के आवास का सपना हुआ पूरा

रायपुर (विश्व परिवार)। प्रधानमन्त्री श्री नरेंद्र मोदी ने आज अपने जन्म दिन के मौके पर छत्तीसगढ़ राज्य के 5 लाख 11 हजार से अधिक आवासहीन परिवारों को स्वयं का पक्का मकान बनाने के लिए पहली किश्त 2044 करोड़ रूपए की राशि सीधे उनके बैंक खातों में ऑनलाईन ट्रान्सफर की।

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय एवं अन्य मंत्रीगण की मौजूदगी में मोर आवास-मोर अधिकार कार्यक्रम राजधानी स्थित रायपुर के इंडोर स्टेडियम में आयोजित हुआ। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी इस कार्यक्रम में वर्चुअली शामिल हुए। उन्होंने आवास निर्माण के लिए चयनित हितग्राहियों को प्रथम किश्त की राशि अंतरित करते हुए हितग्राहियों को बधाई और शुभकामनाएं दी।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि समाज के गरीब और कमजोर तबके के लोगों के जीवन में खुशहाली लाना ही उनकी सरकार का लक्ष्य रहा है। 10 सालों में हमने इस लक्ष्य को हासिल करने में शानदार सफलता अर्जित की हैं। इस मौके पर 23 हजार से अधिक शहरी परिवारों को उनके निर्मित आवासों की चाबी, आवास का पूर्णता प्रमाण पत्र, द्वार तोरण, पूजा सामग्री प्रदान किया गया।

मुख्यमंत्री ने प्रदेशवासियों को विश्वकर्मा जयंती एवं प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी को जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएं दीं।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कहा- पीएम आवास योजना में शिकायत मिली तो सीधे कलेक्टर के ऊपर होगी कार्रवाई

मुख्यमंत्री ने कहा कि इस योजना के क्रियान्वयन को लेकर हमारी सरकार पूरी प्रतिबद्धता से काम कर रही है। इसमें किसी भी तरह की कोताही और गड़बड़ी बर्दाश्त नहीं की जाएगी। पीएम आवास योजना में एक रुपए की भी गड़बड़ी की शिकायत मिली तो सीधे कलेक्टर के ऊपर कार्रवाई होगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि यहां स्वच्छता का संकल्प भी दिलाया गया। उन्होंने लोगों से स्वच्छता का विशेष रूप से ध्यान रखने के साथ ही अपने घर एवं आस-पास के परिवेश सहित स्कूलों, अस्पतालों एवं सार्वजनिक स्थलों की स्वच्छता बनाए रखने की अपील की। उन्होंने कहा कि स्वच्छता को हमें अपनी आदत में शामिल करना होगा।

उन्होंने कहा कि आज का दिन छत्तीसगढ़ के लोगों के लिए दोहरी खुशी लेकर आया है। एक ओर प्रधानमंत्री जी का जन्मदिन और दूसरी ओर प्रदेश के लाखों लोगों के आवास का सपने साकार हो रहा हैं। इसके लिए हम प्रधानमंत्री जी का हार्दिक आभार व्यक्त करते हैं। लाभार्थियों का हमने पांव धोकर स्वागत किया है। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि रोटी, कपड़ा और मकान आम आदमी की सबसे बुनियादी आवश्यकताएं हैं, लेकिन आज़ादी के कई दशक बाद भी देश के करोड़ों नागरिकों के पास स्वयं का मकान नहीं हैं। आवासहीन परिवारों के मकान के सपने को प्रधानमंत्री आवास योजना के माध्यम से पूरा किया जा रहा है।

मुख्यमंत्री ने आगे कहा कि पूरे देश में 32 लाख आवास स्वीकृत हुए हैं, उनमें से लगभग 30 फीसदी आवास छत्तीसगढ़ को मिला है। यह राज्य के लिए बड़ी उपलब्धि है। मुख्यमंत्री बनने के बाद हमने सबसे पहला काम 18 लाख पीएम आवास की स्वीकृति दी थी। आज प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी द्वारा छत्तीसगढ़ राज्य के 5 लाख 11 हज़ार हितग्राहियों के खाते में पहली किश्त का अंतरण किया गया है।

विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह ने कहा कि आज छत्तीसगढ़ के इतिहास को लिखने का दिन है। छत्तीसगढ़ के आवासहीन लोगों के जीवन में एक नई रोशनी मिलेगी। हमने जो वादा किया था, उसे आज पूरा किया है। यह सामाजिक न्याय और समरसता की दिशा में एक बड़ा कदम है। उन्होंने कहा कि पिछले 10 वर्षों में केंद्र सरकार ने 4 करोड़ आवास बनाकर गरीबों के जीवन में बड़ा बदलाव लाया है। इसके साथ ही मोदी जी के तीसरे कार्यकाल में 3 करोड़ नए आवासों की स्वीकृति दी गई है जिससे यह योजना और अधिक प्रभावी हो रही है।

- 23 हजार से अधिक शहरी परिवारों को मिली खुशियों की चाबी
- आवासहीनों को पक्का मकान देने की मोदी की गारंटी हो रही पूरी

उपमुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी की एक और गारंटी पूरी होने जा रही है। सरकार बनते ही हर महीने 25 हजार नए आवास बनकर तैयार हो रहे हैं। एक लाख 96 हजार आवास बनकर तैयार हो गए हैं। इसके अलावा प्रधानमंत्री जनमन योजना के तहत 24 हजार आवास भी बनाए जा रहे हैं। उन्होंने बताया कि केंद्र सरकार से अब तक छत्तीसगढ़ को 8 लाख 47 हजार आवास आवंटित किए गए हैं, जबकि 47 हजार आवास मुख्यमंत्री आवास योजना के तहत बनाए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि यह योजना गरीबों के लिए एक बड़ा उपहार है, जिससे उनका जीवन स्तर बेहतर हो रहा है। गांव-गांव में जिन लोगों के नाम सर्वे सूची में नहीं आए हैं उनके नाम भी अब सूची में जोड़े जाएंगे।

मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री आवास योजना पर आधारित तकनीकी मार्गदर्शिका का विमोचन और गृह पोर्टल का भी शुभारंभ किया। मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर कहा कि यह पोर्टल आवास योजना को और अधिक प्रभावी बनाने में सहायक होगा और हितग्राही बिना किसी कठिनाई के अपने घर का निर्माण कार्य कर सकेंगे। इस मौके पर मुख्यमंत्री और विधानसभा अध्यक्ष सहित मंत्रिमंडल के सदस्यों ने पीएम आवास योजना के हितग्राहियों के साथ भोजन भी किया।

इस अवसर पर मंत्री दयालदास बघेल, लखन लाल देवांगन, श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े, सांसद बृजमोहन अग्रवाल, श्रीमती रूपकुमारी चौधरी आदि उपस्थित थे।

छत्तीसगढ़ के सभी जिलों में खुलेंगे अन्नपूर्णा दाल भात केन्द्र : सीएम

श्रमिकों के बच्चों के लिए अटल उत्कृष्ट शिक्षा सहायता योजना होगी प्रारंभ

मुख्यमंत्री ने 57 हजार श्रमिकों को 49.43 करोड़ राशि का डी.बी.टी. के माध्यम से अंतरित की

रायपुर (विश्व परिवार)। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय आज भगवान विश्वकर्मा जयंती के अवसर पर आयोजित राज्य स्तरीय श्रमिक सम्मेलन में राज्य के सभी जिलों में अन्नपूर्णा दाल-भात केन्द्र और पंजीकृत श्रमिक परिवारों के बच्चों को श्रेष्ठ आवासीय विद्यालय में नि:शुल्क अध्ययन की सुविधा देने के लिए अटल उत्कृष्ट शिक्षा सहायता योजना शुरू करने की घोषणा की।

इंदिरा गांधी कृषि विवि परिसर में आयोजित कार्यक्रम में उन्होंने इस मौके पर श्रमिकों को विश्वकर्मा दिवस पर बधाई और शुभकामनाएं देते हुए 57 हजार से अधिक पंजीकृत परिवारों को विभिन्न योजनाओं के अंतर्गत 49.43 करोड़ रूपए की राशि डी.बी.टी. के माध्यम से उनके खाते में अंतरित की। मुख्यमंत्री श्री साय ने कार्यक्रम में श्रमवीरों को शाल और प्रतीक चिन्ह भेंटकर सम्मानित किया। इस मौके पर उन्होंने श्रम विभाग द्वारा तैयार की गई कॉफी टेबल बुक 'क्रेडल्स ऑफ होप' का विमोचन किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता श्रम मंत्री श्री लखनलाल देवांगन ने की।

मुख्यमंत्री श्री साय ने श्रमिकों के हित में श्रम विभाग द्वारा शुरू किए गए श्रमेव जयते एप और श्रमिक हेल्पलाइन नंबर की प्रशंसा की। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के पहले कार्यकाल में उन्होंने ढाई से 3 साल तक केंद्र में श्रम राज्य मंत्री के रूप में काम किया। तब श्रमिकों को बहुत ही कम पेंशन राशि मिलती थी। प्रधानमंत्री की पहल पर यह राशि बढ़ाकर एक हजार रूपए की गई। साथ ही प्रोविडेंट फंड बनाकर श्रमिकों को यूनिवर्सल नंबर आबंटित किए गए। इस यूनिवर्सल नंबर के जरिए श्रमिकों को देश के किसी भी स्थान जाने पर इस स्थायी नंबर के जरिए विभिन्न लाभ मिलते हैं। इसी प्रकार श्रमिक भाई पीएफ की राशि क्लेम नहीं करते थे, उन्हें 27 हजार करोड़ रूपए दावा राशि का भुगतान कराया गया। विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह ने कहा कि प्रदेश सरकार में योजनाओं के क्रियान्वयन में सुशासन और पारदर्शिता को सर्वोच्च प्राथमिकता दी है। श्रमिकों को आज विभिन्न योजनाओं के अंतर्गत सहायता राशि डीबीटी के माध्यम से भेजी गई है। श्रमिकों के बीच अब कोई बिचौलिया नहीं आएगा।

विकास के रास्ते पर चल रहा भारत : अमित शाह

मोदी सरकार के तीसरे कार्यकाल के 100 दिन पूरे होने पर बोले गृह मंत्री

नई दिल्ली (आरएनएस)। मोदी सरकार के तीसरे कार्यकाल के आज 100 दिन पूरे हो गए. इस मौके पर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने मोदी सरकार की उपलब्धियां गिनाईं. गृह मंत्री शाह ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान पीएम मोदी के जन्मदिन के बारे में भी जानकारी दी. गृह मंत्री ने कहा कि आज प्रधानमंत्री मोदी जी का जन्म दिन है. पूरे देश में कई संस्थाएं जन्मदिन को सेवा पखवाड़े के नाम से निर्णय किया है. जो हर साल किया जाता है.

गृह मंत्री शाह ने कहा कि, 17 सितंबर से 2 अक्टूबर तक 15 दिनों तक देशभर के सभी जरूरतमंद लोगों की सेवा में हमारे जैसे कई कार्यकर्ता इसको लगाएंगे. शाह ने कहा कि प्रधानमंत्री एक छोटे से गांव के एक गरीब परिवार में जन्म लेकर दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र के प्रधानमंत्री बने, न केवल प्रधानमंत्री बने 10 साल में दुनियाभर से 15 अलग अलग राष्ट्रों ने इनको अपना सर्वोच्च पुरस्कार देकर प्रधानमंत्री ने हमारे देश का गौरव बढ़ाया है.

गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि ये प्रेस वार्ता मोदी सरकार के तीसरे कार्यकाल के पहले 100 दिनों के कामकाल पर सूचना देने के लिए बुलाई गई है. शाह ने कहा कि लगातार दस साल भारत के विकास को समर्पित, भारत की सुरक्षा को समर्पित और भारत के गरीबों के कल्याण को समर्पित सरकार को चलाने के बाद इस आम चुनाव में तीसरी बार भारतीय जनता पार्टी को हमारी साथी दलों को सरकार बनाने का जनादेश जनता ने दिया. यही नहीं 60 साल में पहली बार कोई एक नेता अपनी घोषणा के साथ देश का प्रधानमंत्री बनकर देश का नेतृत्व कर रहा है.

अमित शाह ने आगे कहा कि इन दस सालों में देश की बाहरी सुरक्षा, देश की आंतरिक सुरक्षा और देश की रक्षा प्रणाली को मजबूत कर मोदी सरकार ने बहुत बड़ी सफलता मोदी जी के नेतृत्व में प्राप्त की है. शिक्षा के अंदर अमूलचूल परिवर्तन हमारे चिरपुरातन शिक्षा शैक्षणिक मूल्यों को समाहित करते हुए हमारी भाषाओं को गौरवान्वित करते हुए और आधुनिक से आधुनिक शिक्षा को समाहित करते हुए नई शिक्षा नीति लाने का काम नरेंद्र मोदी जी ने किया है.

आरोपियों के खिलाफ 1 अक्टूबर तक नहीं चलेगा बुलडोजर, सुप्रीम कोर्ट ने लगाई रोक

नई दिल्ली (आरएनएस)। सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को अहम फैसले के तहत बुलडोजर एक्शन पर रोक लगा दी है।कोर्ट ने ये रोक अगले आदेश तक लगाई है।अदालत ने कहा है कि सुप्रीम कोर्ट की अनुमति के बिना बुलडोजर एक्शन नहीं होगा।कोर्ट का ये आदेश निजी सपंत्ति पर होने वाले एक्शन को लेकर है। सुप्रीम कोर्ट ने उत्तर प्रदेश समेत तमाम राज्यों में आरोपियों के खिलाफ हो रही बुलडोजर कार्रवाई को लेकर गाइडलाइन जारी की है। सुप्रीम कोर्ट में अब इस मामले की अगली सुनवाई 1 अक्टूबर को होगी।कोर्ट ने साफ किया कि सडक़, फुटपाथ या रेलवे लाइन को रोककर किए गए अवैध निर्माण पर यह निर्देश लागू नहीं होगा।सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि वह सभी पक्षों को सुन कर बुलडोजर कार्रवाई को लेकर देश भर में लागू होने वाले दिशा निर्देश बनाएगा।

अरविंद केजरीवाल का मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा, आतिशी ने पेश किया सरकार बनाने का दावा

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली के नए मुख्यमंत्री के नाम पर मुहर लग गई है. आम आदमी पार्टी (आप) ने आतिशी को दिल्ली की नई मुख्यमंत्री के तौर पर चुना है. इसके बाद अरविंद केजरीवाल अपने मंत्रियों के साथ उपराज्यपाल वीके सक्सेना से मिलने पहुंचे. जहां उन्होंने इस्तीफा दे दिया. साथ ही आतिशी ने भी सरकार बनाने का दावा पेश किया.

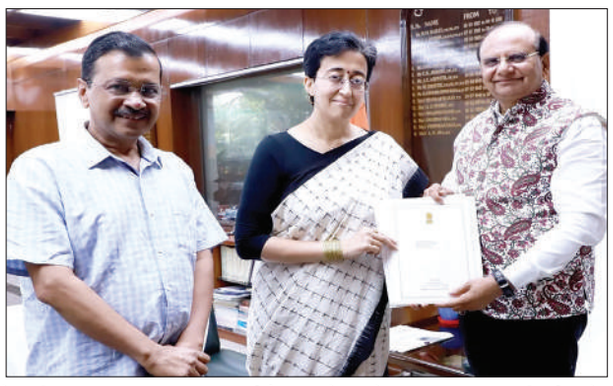

आतिशी को दिल्ली का नया मुख्यमंत्री बनाया जा रहा है. आम आदमी पार्टी विधायक दल की बैठक में आतिशी के नाम पर मुहर लग गई है. आम आदमी पार्टी की तरफ से इसका ऐलान भी कर दिया गया है. इसके साथ ही दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने उपराज्यपाल वीके सक्सेना से मुलाकात कर अपना इस्तीफा सौंप दिया है. इस्तीफे के साथ ही उपराज्यपाल को विधायक दल के नेता के नाम की चिट्ठी भी आतिशी ने एलजी को सौंप दी है. बता दें कि केजरीवाल ने पहले ही ऐलान कर दिया था कि वह 2 दिन बाद दिल्ली के मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा देकर जनता की अदालत में जाएंगे.

अरविंद केजरीवाल के इस्तीफे के बाद आतिशी ने कहा कि बीजेपी ने हमारे सीएम पर फर्जी आरोप लगाया. आतिशी ने अरविंद केजरीवाल के फैसले को दुनिया के लोकतांत्रिक इतिहास का सबसे बड़ा फैसला बताया. भाजपा पर निशाना साधते हुए आतिशी बोलीं, उन्होंने सारी एजेंसियां अरविंद जी के पीछे लगा दीं. 6 महीने तक वो जेल में थे. अरविंद जी की जगह कोई और होता तो तुरंत सीएम की कुर्सी पर बैठ जाता है. दिल्ली के लोग बहुत दुखी हैं. लेकिन साथ ही उन्होंने ये भी प्रण लिया है कि केजरीवाल जी को फिर से सीएम बनाना है.

जम्मू-कश्मीर में पहले चरण का मतदान आज, मतदान केंद्रों के लिए रवाना हुई पोलिंग पार्टियां

श्रीनगर (आरएनएस)। जम्मू-कश्मीर में 10 साल बाद विधानसभा चुनाव हो रहे हैं. तीन चरणों में होने वाले मतदान के पहले चरण के लिए कल यानी बुधवार (18 सितंबर) को वोटिंग होगी. मतदान के लिए पोलिंग पार्टियां मंगलवार सुबह मतदान स्थलों के लिए रवाना हो गईं. इस दौरान पोलिंग पार्टियों के साथ बड़ी संख्या में सुरक्षा बल नजर आए. पहले चरण में 7 जिलों की कुल 24 विधानसभा सीटों के लिए मतदान होगा. जिनके लिए कुल 219 उम्मीदवार चुनावी मैदान में हैं.

सात जिलों की कुल 24 विधानसभा सीटों के लिए मतदान होगा

पहले चरण में कश्मीर संभाग में कुल 16 निर्वाचन क्षेत्रों में मतदान होगा. इनमें पंपोर, त्राल, पुलवामा, राजपोरा, जैनपोरा, शोपियां, डीएच पोरा, कुलगाम, देवसर, डूरू, कोकरनाग (एसटी), अनंतनाग पश्चिम, अनंतनाग, श्रीगुफवारा-बिजबेहरा, शांगस-अनंतनाग पूर्व और पहलगाम शामिल हैं. जबकि जम्मू संभाग में 8 सीटों पर कल मतदान होगा. इनमें इंदरवाल, किश्तवाड़, पद्दर-नागसेनी, भद्रवाह, डोडा, डोडा पश्चिम, रामबन और बनिहाल में वोट डाले जाएंगे. जम्मू-कश्मीर में जिन 24 सीटों के लिए पहले चरण में मतदान होगा. उन सीटों पर कुल 23,27,580 पंजीकृत मतदाता हैं, जिनमें 11,76,462 पुरुष और 11,51,058 महिलाएं शामिल हैं. जबकि 60 थर्ड-जेंडर मतदाता भी हैं. इन मतदाताओं में 18 से 29 वर्ष की आयु के कुल 5.66 लाख वोटर्स हैं. जबकि 18 से 19 वर्ष की आयु के 1,23,960 मतदाता पहली बार वोट डालेंगे. पहली बार वोट डालने वाले मतदाताओं में कुल 10,261 पुरुष और 9,329 महिलाएं शामिल हैं. जबकि 28,309 विकलांग मतदाता भी वोट डालेंगे. वहीं पहले चरण में 85 वर्ष से अधिक आयु के 15,774 मतदाता भी अपने मत का प्रयोग करेंगे.

मुख्यमंत्री ने 'स्वच्छता ही सेवा' पखवाड़ा का किया राज्य स्तरीय शुभारंभ

स्वच्छता को बनाए सामाजिक आंदोलन, जन-जागरूकता से ही स्वच्छ होगा प्रदेश : सीएम विष्णुदेव साय

- मुख्यमंत्री ने तेलीबांधा तालाब परिसर में झाड़ू लगाकर की सफाई, दिलाई स्वच्छता की शपथ
- स्वच्छता दीदियों को पीपीई किट एवं समाज सेवी संस्थाओं को प्रशस्ति पत्र देकर किया सम्मानित
- मुख्यमंत्री ने स्वच्छता वाहनों को हरी झंडी दिखाकर किया रवाना

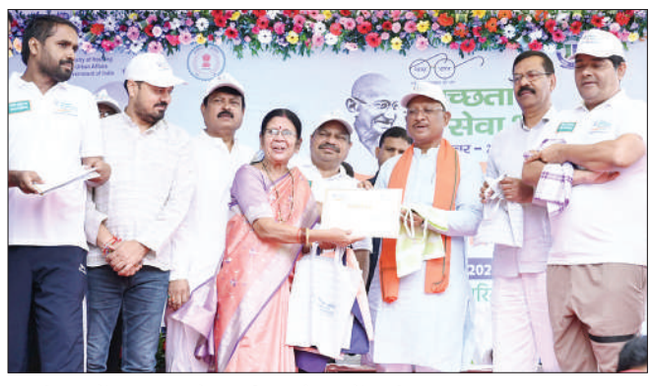

रायपुर (विश्व परिवार)। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने आज रायपुर के तेलीबांधा तालाब परिसर में आयोजित कार्यक्रम में 'स्वच्छता ही सेवा' पखवाड़ा का राज्य स्तरीय शुभारंभ किया। उन्होंने कार्यक्रम में नागरिकों को स्वच्छता की शपथ दिलाई और तेलीबांधा तालाब परिसर में झाड़ू लगाकर सफाई की। उन्होंने स्वच्छता दीदियों तथा शहर को स्वच्छ बनाने में सहभागिता देने वाले सामाजिक संस्थाओं ग्रीन आर्मी, बंच ऑफ फूल्स, कुछ फर्ज हमारा भी और एवेंजर्स ग्रुप के साथ ही समाज सेविका श्रीमती शुभांगी आप्टे को सम्मानित किया। मुख्यमंत्री ने 'स्वच्छता ही सेवा' पखवाड़ा के शुभारंभ पर आयोजित स्वच्छता मैराथन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। उन्होंने नए स्वच्छता वाहनों को भी हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। विधायक सर्वश्री मोतीलाल साहू, पुरंदर मिश्रा और अनुज शर्मा तथा महापौर श्री एजाज ढेबर भी कार्यक्रम में शामिल हुए।

छत्तीसगढ़ में 'स्वच्छता ही सेवा' पखवाड़ा का शुभारंभ करते हुए मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने कहा कि हर व्यक्ति को अपने दैनिक जीवन में स्वच्छता को अपनाना चाहिए। शहरों, गांवों एवं प्रदेश को स्वच्छ और सुंदर बनाने के लिए स्वच्छता को सामाजिक आंदोलन बनाने की जरूरत है। जन-जागरूकता से ही प्रदेश स्वच्छ और सुंदर बनेगा। उन्होंने कार्यक्रम में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी को आज उनके जन्मदिन पर बधाई और शुभकामना दीं। उन्होंने वहां मौजूद लोगों को विश्वकर्मा जयंती की भी बधाई दी।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कार्यक्रम में अपने संबोधन में कहा कि वर्ष 2014 में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने देश में स्वच्छ भारत मिशन की शुरूआत की। इसके बाद से ही घर-घर में शौचालय बनाने के लिए सहायता राशि दी गई। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी लगातार गरीबों और वंचितों के लिए काम कर रहे हैं। जनधन योजना के तहत देशभर में लोगों के बैंक खाते खुले। इन खातों में सरकार की विभिन्न योजनाओं की राशि बिना किसी लीकेज के हितग्राहियों तक पहुंच रही है। इन राशियों का बहुत बेहतर सदुपयोग भी हो रहा है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि मैं स्वच्छता दीदियों को शत-शत नमन करता हूं। वे घर-घर जाकर कचरे का संग्रहण कर रही हैं और स्वच्छता में महत्वपूर्ण सहभागिता निभा रही हैं। वे सूखे और गीले कचरे को अलग-अलग कर रिसायक्लिंग और खाद बनाने के लिए भेज रही हैं। उन्हें कल गुजरात में ग्लोबल रिन्यूएबल एनर्जी इन्वेस्टर्स मीट एंड एक्सपो में शामिल होने का अवसर मिला था, जिसमें वायुमंडल को स्वच्छ बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कार्य किए जा रहे हैं।

नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग के सचिव डॉ. बसवराजु एस. ने 'स्वच्छता ही सेवा' पखवाड़ा की जानकारी देते हुए कहा कि 'स्वभाव स्वच्छता-संस्कार स्वच्छता' की थीम पर आज से राज्य के सभी 184 नगरीय निकायों में विशेष अभियान शुरू किया जा रहा है। इस दौरान विभिन्न गतिविधियों के माध्यम से लोगों को स्वच्छता के प्रति जागरूक किया जाएगा।

पीएम मोदी के जन्मदिन पर जेपी नड्डा ने किया सेवा पखवाड़ा का शुभारंभ

भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष गिनाई 100 दिन की उपलब्धियां

नई दिल्ली (आरएनएस)। भाजपा देशभर में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन को जोर-शोर से मना रही है। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने पीएम मोदी के जन्मदिन के अवसर पर पार्टी के राष्ट्रीय मुख्यालय से सेवा पखवाड़ा का शुभारंभ किया। इस अवसर पर उन्होंने पार्टी मुख्यालय में रक्तदान शिविर और पीएम मोदी के जीवन पर आधारित प्रदर्शनी का भी उद्घाटन किया। प्रदर्शनी में उनके बचपन से लेकर वर्तमान तक की कई उपलब्धियों को दर्शाया गया है।

भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा ने पार्टी मुख्यालय में सेवा पखवाड़ा का शुभारंभ करने के बाद मीडिया को संबोधित करते हुए कहा कि पीएम मोदी के जन्मदिवस को भाजपा हर वर्ष सेवा दिवस के रूप में मनाती है। 17 सितंबर से लेकर 2 अक्टूबर तक भाजपा इसे सेवा पखवाड़ा के रूप में भी मनाती हैं। जिसमें हम रक्तदान, वृक्षारोपण, समाजसेवा, मलिन बस्तियों की सफाई और स्वच्छता अभियान जैसे कई अभियान चलाते हैं।

जेपी नड्डा ने अपनी ओर से और भाजपा के करोड़ों कार्यकर्ताओं की ओर से पीएम मोदी को उनके जन्मदिन पर हार्दिक शुभकामनाएं देते हुए उनके स्वस्थ जीवन की कामना भी की। उन्होंने कहा कि वे सब कामना करते हैं कि पीएम मोदी इसी तरह से देश और मानवता की सेवा करते रहें। आज का दिन विश्वकर्मा पूजा का दिन भी है और आज मोदी सरकार के तीसरे कार्यकाल का सौ दिन भी पूरा हो रहे हैं। जेपी नड्डा ने मोदी सरकार के तीसरे कार्यकाल के सौ दिनों के कामकाज की उपलब्धियों का जिक्र करते हुए बताया कि इन 100 दिनों में जो कामकाज हुआ है, उसके बारे में आज से अगले एक सप्ताह तक मंत्रियों और विभागों द्वारा देश की जनता को बताया जाएगा।

20 सितंबर 2024 से दुर्ग-विशाखापट्टनम-दुर्ग वंदे भारत एक्सप्रेस अपने नियमित समय-सारणी के अनुसार चलेगी

दुर्ग-विशाखापट्टनम-दुर्ग वंदे भारत एक्सप्रेस में आरक्षण की सुविधा शुरुआत कर दी गई है

रायपुर (विश्व परिवार)। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी दिनांक 16 सितंबर, 2024 को रायपुर (दुर्ग)-विशाखपट्टणम वंदे भारत उद्घाटन स्पेशल एक्सप्रेस को रायपुर स्टेशन से वीडियो कान्फ्रेंसिंग के माध्यम से हरी झंडी दिखाकर शुभारंभ किया गया। इस गाड़ी संख्या 20829/20830 दुर्ग-विशाखपट्टणम-दुर्ग वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन की सेवा सप्ताह में छह दिन (गुरुवार को छोड़कर) दोनों छोर से संचालित की जाएगी। इस खंड में चलने वाली अन्य ट्रेनें दुर्ग से विशाखपट्टणम के बीच की दूरी को लगभग 11 घंटे में तय करती है। दुर्ग-विशाखपट्टणम वंदे भारत दुर्ग एवं विशाखपट्टणम के बीच की दूरी को 8 घंटे में तय करेगी, जिससे लगभग 3 घंटे समय की बचत होगी। यह ट्रेन दुर्ग और विशाखपट्टणम जैसे दो प्रमुख शहरों को जोड़ती है, जो पर्यटन और व्यापार के दृष्टिकोण से महत्वपूर्ण हैं। इससे इन क्षेत्रों में पर्यटन और आर्थिक गतिविधियों को बढ़ावा मिलेगा। इसके साथ ही साथ चिकित्सा एवं शिक्षा के क्षेत्र में भी यह ट्रेन महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

इस गाड़ी की नियमित समय- सारणी :-

20829 दुर्ग-विशाखपट्टणम वंदे भारत एक्सप्रेस आगमन	20829 प्रस्थान	स्टेशन	20830 विशाखपट्टणम-दुर्ग वंदे भारत एक्सप्रेस आगमन	20830 प्रस्थान
....	05.45	दुर्ग	22.50	....
06.13	06.18	रायपुर	22.19	22.24
06.53	06.55	महासमुंद	21.00	21.02
07.28	07.30	खरियार रोड़	20.20	20.22
08.13	08.15	कांटाबांजी	19.35	19.37
08.43	08.45	टिटलागढ़	19.05	19.10
08.55	08.57	केसींगा	18.50	18.52
11.00	11.02	रायगड़ा	17.13	17.15
11.30	11.37	पार्वतीपुरम	16.36	16.38
12.35	12.37	विजयनगरम	15.33	15.35
13.45	....	विशाखपट्टणम	....	14.50

गाड़ी संख्या 20829 / 20830 दुर्ग - विशाखापट्टनम - दुर्ग वंदे भारत एक्सप्रेस 20 सितंबर 2024 से यात्रियों के लिए यात्रा के लिए उपलब्ध रहेगी। यात्रियों की सुविधा के लिए इस गाड़ी में आरक्षण की सुविधा शुरुआत कर दी गई है। यात्रीगण अपनी सुविधा के अनुसार से एग्जीक्यूटिव क्लास एवं चेयर कार में अपना आरक्षण कर सकते हैं। इस गाड़ी का ठहराव रायपुर, महासमुंद, खरीयार रोड, कांटाबांजी, टीटलागढ़, केसिंगा, रायगड़ा, पार्वतीपुरम, विजयनगरम रहेगा।

दुर्ग से विशाखापट्टनम तक लगभग किराया : दुर्ग से विशाखापट्टनम तक लगभग 565 किलोमीटर की दूरी का किराया एग्जीक्यूटिव क्लास में ब्रेकफास्ट चाय के साथ एवं लंच सहित किराया 2825 रुपए एवं बिना खाने सहित 2410 रुपए रहेगा। चेयर कार में ब्रेकफास्ट चाय के साथ एवं लंच सहित किराया 1565 रुपए बिना खाने सहित 1205 रुपए रहेगा।

रायपुर से विशाखापट्टनम तक लगभग किराया : रायपुर से विशाखापट्टनम तक लगभग 528 किलोमीटर की दूरी का किराया एग्जीक्यूटिव क्लास में ब्रेकफास्ट चाय के साथ एवं लंच सहित किराया 2695 रुपए एवं बिना खाने सहित 2300 रुपए रहेगा। चेयर कार में ब्रेकफास्ट चाय के साथ एवं लंच सहित किराया 1495 रुपए बिना खाने सहित 1150 रुपए रहेगा।

रायपुर से विशाखापट्नम चलने वाली समता एक्सप्रेस में वातानुकूलित द्वितीय श्रेणी में किराया 1265 रुपए है वही वंदे भारत एक्सप्रेस में चेयर कार में किराया 1150 रुपए है जो कि 115 रुपए कम भी है। वंदे भारत एक्सप्रेस से जाने से 3 घंटे के समय की बचत भी होती है।

इस ट्रेन में 16 कोच शामिल हैं। दिनांक 20 सितंबर, 2024 से ट्रेन नं. 20829/20830 दुर्ग-विशाखपट्टणम-दुर्ग वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन अपने नियमित समय-सारणी के अनुसार चलेगी।

तीर्थराज सम्मेद शिखर की पावन पवित्रता अब खतरे में, होने लगी कैंपिंग

हमे प्रकृति में संस्कृति का शंखनाद करना चाहिए विकृति लाने के कृत्य नहीं करने चाहिए

तीर्थ बचाओ धर्म बचाओ तीर्थो पर बाउंड्री वॉल करवाओ

कोटा/राजस्थान (विश्व परिवार)। प्राकृतिक सौंदर्य से परिपूर्ण धरती का स्वर्ग एक बार बंदे जो कोई ताहि नरक पशुपति नहीं होई ऐसे महान तीर्थराज सम्मेद शिखर की बात है। ऐसे पवित्र पावन तीर्थ स्थलों का कण-कण पूजनीय वंदनीय अभिनंदनीय होता है। तीर्थ स्थलों की पावन भूमि अनंतानंत जीवों के तप त्याग और साधना की रज से पवित्र होती है जिस जगह से करोड़ों करोड़ों जीवों ने संसार शरीर और भोगों को त्याग के तप त्याग और साधना के मार्ग को अपनाकर संसार बंधन से मुक्त हो मोक्ष को प्राप्त किया ऐसे स्थल को अपवित्र करना कितना घोर पाप का बंध का कार्य हो रहा है। तीर्थ स्थलों पर जन्मों जन्मों के पापो का नाश और पुण्य का संचय होता हैं। ऐसे तीर्थ स्थल पतित से पावन कंकर से शंकर नर से नारायण बनने के लिए होते है। आज के कलयुग में हमे केसे केसे नजारे देखने को मिल रहे है।अभी हाल ही में तीर्थराज के विमल नाथ भगवान सुबीर कूट के पास कैंपिंग लगाई गई यह जानकारी सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो रही थी। ये लोग जब कैंपिंग करते है तो उसमे सभी कुछ अनैतिक कार्य किए जाते हैं। यह वासना की नहीं साधना की भूमि हैं। इस घटना क्रम से कुछ दिनों पहले कुछ लोग तीरद्धधनुष कुल्हाड़ी फरसा बीजर लाठीद्वडंडा लेकर पारसनाथ पर्वत पर चढ़े थे, पर्वत के चारों तरफ जंगलों का भ्रमण कर जानवरों का शिकार किया था जंगली जानवरों के शिकार का अंश (मांस) पूरे समाज में वितरित करने की उनकी वर्ष में एक बार करने की परंपरा है। इसके बाद कार्यक्रम का समापन होता है। अहिंसा के पवित्र पावन स्थान पर हिंसा का घोर तांडव क्यों नृत्य हो रहा है संपूर्ण भारत का जैन समाज देख रहा है ये प्रकृति में विकृति का बहुत बड़ा कारण बनता है। जब जब मानव ने प्रकृति के आयामों के साथ खिलवाड़ किया है तब तब प्रकृति में विकृति आई हैं। हमे प्रकृति में संस्कृति का शंखनाद करना चाहिए प्रकृति में विकृति का सबसे बड़ा रूप कोरोना को सबने देखा जाना। पूजनीय वंदनीय अभिनंदनीय पवित्र पावन स्थल को अपवित्र किया जा रहा है।कुछ वर्ष पहले पूर्व मुख्यमंत्री जी के द्वारा हमारे तीर्थराज पर्वत पर मांझी समाज के लोगो वास्ते मंदिर बनाने के लिए भूमि पूजन का कार्य किया गया था। हाल ही में अभी कुछ दिनों पूर्व मधुबन में पत्नी कल्पना संग सीएम हेमंत ने दिशोम मांझीथान में की पूजा, चार पशुओं की दी गयी बलि के समाचार सोशल मीडिया पर खूब वायरल हुवे। ये संपूर्ण भारत वर्ष की जैन समाज के लिए बेहद दुखद शर्मनाक कलंकित घटना होगी। कलयुग की ये कैसी बलिहारी है पाप और हत्याचार सब धर्म स्थल पर पड़ रहे भारी है। तीर्थ क्षेत्र गिरनार की जो वर्तमान समय में कैसी स्थिति है सब को पता है। इंदौर में गोमट गिरी तीर्थ पर दूसरे समाज के लोगो को रास्ता के लिए जगह देनी पड़ी। आज तक जैन समाज के लोगो ने कभी किसी अन्य संप्रदाय के क्षेत्रो पर नाजायज कब्जा नही किया तो फिर हमारे साथ ही ऐसा क्यों होता है। ये मेरी समझ में नही आ रहा है। जैन समाज के जितने भी जितने भी तीर्थ क्षेत्र अतिशय क्षेत्र सिद्ध क्षेत्र है उनकी पवित्र पावनता शुद्धता ज्यो की त्यों बनी रहनी चाहिए। ऐसा प्रयास किया जाना चाहिए। तीर्थों को पर्यटन स्थल नहीं अपितु जैन तीर्थ घोषित करना चाहिए। उनके चारो ओर बाउंड्री वॉल करवा देना चाहिए। ताकि उनकी प्राचीनता, पुरातत्वता, पावनता, भव्यता ज्यों की त्यों बनी रहे।

मैं राष्ट्रीय मीडिया प्रभारी पारस जैन पार्श्वमणि पत्रकार शासन प्रशासन और जैन समाज की बड़ी बड़ी संस्थाओं के प्रतिनिधि मंडल से आत्मीय निवेदन करता हूं कि इस विषय को गंभीरता से लेवे। और तीर्थ स्थलों की पवित्रता बनाए रखे।

-पारस जैन पार्श्वमणि

उत्तम ब्रह्मचर्य मन लावे, नर-सुर सहित मुकती-फल पावे

पर्वाधिराज पर्युषण दसलक्षण पर्व के दसवें दिन जिनालयों में उत्तम ब्रह्मचर्य धर्म की आराधना की गई

जैन धर्मावलंबियों ने बारहवें तीर्थंकर वासुपूज्य भगवान के मोक्ष कल्याणक महोत्सव पर निर्वाण लाडू चढ़ाया

पर्युषण दसलक्षण पर्व के अंतिम दिन उमड़ा भक्ति का सैलाब, गूंजे जयकारे

अनंत चतुर्दशी के साथ पर्युषण दशलक्षण पर्व का समापन

झांसी (विश्व परिवार)। पर्वाधिराज पर्युषण दसलक्षण पर्व के अंतिम दसवें दिन उत्तम ब्रह्मचर्य धर्म की आराधना की गई। नगर के समस्त जैन मन्दिरों में प्रात:काल से सायंकाल तक जयकारे गूंजते रहे। धोती दुपट्टा पहने श्रावक भगवान का अभिषेक शांतिधारा करते नजर आए। पूजन पाठ के अर्घ्य सुनाई दिए। भगवान की स्तुति, आरती करते हुए श्रद्धालु भाव विभोर हो गए। ऐसा लगा कि जैसे भक्ति का सैलाब आया हो। इस अवसर पर मेडिकल क्षेत्र की पहाड़ी स्थित श्री दिगम्बर जैन चंद्रोदय तीर्थ के समवसरण मंदिर में चतुर्दिक विराजमान अष्टम तीर्थंकर श्री चंद्रप्रभु भगवान का महामस्काभिषेक करने का सौभाग्य सौरभ जैन सर्वज्ञ, अंकित सर्राफ, सजल जैन चैनू, अंशुल जैन बघेरा, डॉ सचिन जैन, सार्थक जैन, आयुष जैन, शाश्वत जैन ने किया। विश्वशांति की मंगलकामना के साथ श्रीजी के मस्तक पर शांतिधारा करने का सौभाग्य रविन्द्र सिंघई, विशाल सिंघई (मातुश्री) को प्राप्त हुआ। श्रीमति सिद्धि जैन, दीपाली सिंघई, निकिता जैन चैनू, कु. नुमानसी जैन, मानवी जैन को मंगल आरती करने का सौभाग्य मिला। तत्पश्चात श्रीमति सारिका - संजय सिंघई सहित सभी श्रद्धालुओं ने नवदेवता पूजन कर बारहवें तीर्थंकर वासुपूज्य भगवान के मोक्ष कल्याणक महोत्सव के अवसर पर निर्वाण लाडू चढ़ाते हुए महार्घ समर्पित किया।

इस अवसर पर सौरभ जैन सर्वज्ञ ने कहा कि उत्तम ब्रह्मचर्य धर्म, जैन धर्म का एक महत्वपूर्ण सिद्धांत है। यह हमें संयमित रहने और आत्मा के मार्ग पर चलने का संदेश देता है। उत्तम ब्रह्मचर्य धर्म का मतलब है कि हम अपने मानसिक, भौतिक, और आध्यात्मिक जीवन में संयमित रहें और अपने इंद्रियों को नियंत्रित करें। उत्तम ब्रह्मचर्य धर्म का मतलब है कि हम ब्रह्म में लीन हों। ब्रह्म का मतलब है आत्मा, ब्रह्मांड, या परमात्मा। उत्तम ब्रह्मचर्य धर्म का मतलब है कि हम अपनी इच्छा शक्ति को नियंत्रित करें।उत्तम ब्रह्मचर्य धर्म का मतलब है कि हम संपूर्ण विषयों में अनुराग को दूर करें।

बुधवार को होगा वार्षिक कलशाभिषेक समारोह : सकल दिगम्बर जैन समाज झांसी के प्रवक्ता सौरभ जैन सर्वज्ञ ने बताया कि बुधवार 18 सितम्बर को दोपहर 1 बजे से शहर क्षेत्र के कटरा जैन मंदिर से श्रीजी की विशाल रथयात्रा निकाली जाएगी जो नगर भ्रमण करते हुए वापिस कटरा बाजार पहुंचेगी जहां वार्षिक कलशाभिषेक समारोह संपन्न होगा।

-सौरभ जैन सर्वज्ञ

पर्यूषण पर्व का अंतिम दिन उत्तम ब्रह्मचर्य कहलाता है

बलौदाबाजार (विश्व परिवार)। बलौदाबाजार में जैन समाज पर्यूषण पर्व का अंतिम दिन उत्तम ब्रह्मचर्य कहलाता है। बाहर से आये पंडित मनोज शास्त्री जी के अनुसार कामवासनाओं पर विजई प्राप्त कर इंद्रियों पर नियंत्रण कर समस्त विषयों से अनुराग त्याग कर, पर द्रव्यों से रहित निज शुद्ध आत्मा में रमना ही ब्रह्मचर्य है। आज अंतिम दिन श्री जी के सभी मूर्तियों को बाहर विराजमान किया गया जिसमें दो शांति धारा करने का प्रावधान रखा गया जिसमें प्रथम शांति धारा का सौभाग्य इंद्र कुमार जी दिलीप जी विदित जी एवं परिवार नरेंद्र जी सुरेश जी अशोक जी अनीश जी प्रवेश जी अक्षय जी विराज जी को प्राप्त हुआ। श्रीजी की दूसरी शांति धारा करने का सौभाग्य कपूर चंद निर्मला देवी, सुधीर जी, अजीत जी, अमित जी सुमित जी एवं परिवार आयुष, सोहम, अरिहंत, रिदम जैन को प्राप्त हुआ। जैन समाज के अध्यक्ष दिनेश जैन ने बताएं कि आज पर्यूषण पर्व का अंतिम दिन है और आज पूरा जैन समाज भक्ति मय और अति उत्साह में दिखाई दे रहा है। आज समाज की सभी प्रतिष्ठान बंद रहेंगे। साथ ही इंद्र कुमार जी नरेंद्र जी सुरेश जी दिलीप जी नगर पालिका के पूर्व अध्यक्ष अशोक जी ने बताया कि आज हमारे परिवार को एक साथ शांति धारा करने का सौभाग्य मिला मैं सभी को अनंत चतुर्दशी की हार्दिक शुभकामनाएं देता हूं साथ में कपूर चंद जैन निर्मला देवी जैन सुधीर जैन अजीत जैन अमित जैन सुमित जैन ने बताया कि आज हमारा सौभाग्य है की अनंत चतुर्दशी के दिन हमें श्री जी के शांति धारा करने का सौभाग्य मिला। समाज के सचिव अमित जैन ने बताया कि आज ब्रह्मचर्य का दिन है यह आत्म शुद्धि का दिन कहलाता है आज के दिन समाज के अधिकांश लोग उपवास, एक- आसान करते हैं उनकी मैं खूब-खूब अनुमोदना करता हूं। शाम की महा आरती करने का सौभाग्य श्रीमती पार्वती जैन ऋषभ जैन प्रशांत जैन अजीत जैन निष्कर्ष अचल मचल आशीर्वाद एवं परिवार को प्राप्त हुआ। आज के दिन श्री जी के प्रतिमा के सामने लाडू चढ़ाने का सौभाग्य श्रीमती राजकुमारी जी जैन प्रवीण जैन रवि जैन आदि अरनव जैन एवं परिवार को प्राप्त हुआ। आज के दिन श्री जी की माला की बोली जैन समाज के अध्यक्ष दिनेश जैन जी ने अपनी पोती तृषा जैन के लिए प्राप्त किया। एक दान करने का सौभाग्य जो गरीब बच्चों के लिए होता है विद्यादान वह आयुष जैन(सुधीर जैन जी) ने प्राप्त किया आज पर्यूषण पर्व का अंतिम दिन के माहौल को जैन मंत्रो और धार्मिक गीत से गूंज रहा थाम। **-विद्याधर तिवारी**

माध्यमिक शाला चरौदा में स्वच्छता प्रतियोगिता, उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थी हुए पुरस्कृत

आरंग (विश्व परिवार)। मंगलवार को शासकीय पूर्व माध्यमिक शाला चरौदा में स्वच्छता पखवाड़ा के अंतर्गत विविध प्रतियोगिताओं के विजेताओं को शैक्षणिक सामग्री प्रदान कर पुरस्कृत किया गया। संस्था के वरिष्ठ शिक्षक महेन्द्र कुमार पटेल ने बताया शासन के निर्देशानुसार स्वच्छता पखवाड़ा के तहत् 1 से 15 सितंबर तक शाला में निबंध, नारा लेखन, चित्रकला, नुक्कड़ नाटक, क्वीज प्रतियोगिता, हाथ धुलाई, स्वच्छता जागरूकता रैली इत्यादि गतिविधियों का आयोजन किया गया। जिसमें बच्चों ने बढ़ चढ़कर भाग लिया। प्रतियोगिता में प्रथम, द्वितीय, तृतीय स्थान पर रहे विजेताओं को आकर्षक स्वच्छता पट्टी एवं ताज पहनाया गया।जो बच्चों के लिए बड़ा ही आकर्षण का केंद्र रहा। साथ ही स्वच्छता के लिए प्रेरित किया गया। वहीं पुरस्कार वितरण में संस्था प्रमुख के के परमाल सहित शिक्षकों व बच्चों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया।

स्वच्छता मानव जीवन का जरुरी हिस्सा है : सांसद महेश कश्यप

सांसद ने किया 'स्वच्छता ही सेवा' पखवाड़ा का शुभारंभ, दिलाई स्वच्छता की शपथ

सांसद, महापौर, कमिश्नर, कलेक्टर, पुलिस अधीक्षक ने शहीद पार्क परिसर में झाडू लगाकर की सफाई

जगदलपुर (विश्व परिवार)। सांसद श्री महेश कश्यप ने आज जगदलपुर शहर के शहीद पार्क परिसर में आयोजित कार्यक्रम में 'स्वच्छता ही सेवा' पखवाड़ा का जिला स्तरीय कार्यक्रम का शुभारंभ किया। उन्होंने कार्यक्रम में नागरिकों को स्वच्छता की शपथ दिलाई और शहीद पार्क परिसर में झाडू लगाकर सफाई की। कार्यक्रम में महापौर श्रीमती सफीरा साहू, पार्षदगण, कमिश्नर श्री डोमन सिंह, कलेक्टर श्री हरिस एस, पुलिस अधीक्षक श्री शलभ सिन्हा, सीईओ जिला पंचायत श्री प्रकाश सर्वे, आयुक्त नगर निगम श्री हरेश मंडावी और गणमान्य नागरिक, अधिकारीगण, युवोदय की टीम, नगर निगम के टीम, पत्रकारगण भी कार्यक्रम में शामिल हुए।

जिले में 'स्वच्छता ही सेवा' पखवाड़ा का शुभारंभ करते हुए सांसद श्री कश्यप ने कहा कि स्वच्छता मानव जीवन का जरुरी हिस्सा है, हर व्यक्ति को अपने दैनिक जीवन में स्वच्छता को अपनाना चाहिए। शहरों, गांवों एवं प्रदेश को स्वच्छ और सुंदर बनाने के लिए स्वच्छता को सामाजिक आंदोलन बनाने की जरूरत है। उन्होंने कार्यक्रम में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी और जगदलपुर विधायक श्री किरणदेव को आज उनके जन्मदिन पर बधाई और शुभकामना दीं। उन्होंने वहां मौजूद लोगों को विश्वकर्मा जयंती की भी बधाई दी। उन्होंने कहा कि वर्ष 2014 में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने देश में स्वच्छ भारत मिशन की शुरूआत की। कार्यक्रम में महापौर श्रीमती सफीरा साहू ने कहा कि 'स्वच्छता ही सेवा' पखवाड़ा में शहर के नागरिक अपने घरों के आसपास साफ- सफाई रखें। साथ ही जागरूकता के माध्यम से जगदलपुर शहर को स्वच्छ रखने में सहयोग करें। कार्यक्रम में उपस्थित सभी जनों ने पार्क में सफाई अभियान किया। ज्ञात हो कि 17 सितंबर से 02 अक्तूबर तक 'स्वच्छता ही सेवा' पखवाड़ा 'स्वभाव स्वच्छता-संस्कार स्वच्छता' की थीम पर आज से राज्य के सभी 184 नगरीय निकायों में विशेष अभियान शुरू किया गया है। इस दौरान विभिन्न गतिविधियों के माध्यम से लोगों को स्वच्छता के प्रति जागरूक किया जाएगा।

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं.-2)
शहीद समारक भवन, फाफाडीह, रायपुर
Email ID - rmczone2@gmail.com

पत्र क्रं./14531/न.पा.नि./जोन क्रं.-2/2024
रायपुर दिनांक : 17-09-2024

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 14531
वार्ड का नाम- 27- इंदिरा गांधी वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि 27 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी-आई.डी.- **RPR737D00722** जो कि निगम अभिलेख में श्री/श्रीमती **ISHWAR LAL KODWANI** पिता/पति, श्री/श्रीमती **S/O HAZARIMAL KODWANI** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **SHRI PRADEEP ROHRA** पिता/पति, श्री/श्रीमती **S/O THAKUR DAS ROHRA** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख**/ वंशानुक्रम/अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, तो प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करें
श्री आर.के. डोंगरे
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक- (2)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं.-2)
शहीद समारक भवन, फाफाडीह, रायपुर
Email ID - rmczone2@gmail.com

पत्र क्रं./14609/न.पा.नि./जोन क्रं.-2/2024
रायपुर दिनांक : 17-09-2024

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 14609
वार्ड का नाम- 14- रमण मंदिर वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि 14 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी-आई.डी.- **RPR221A00079** जो कि निगम अभिलेख में श्री/श्रीमती **HANSA BEN** पिता/पति, श्री/श्रीमती **W/O JITENDRA RATHORE** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **श्रीमती नीरू मिश्रा** पिता/पति, श्री/श्रीमती **पति मुकेश कुमार मिश्रा** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख**/ वंशानुक्रम/अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, तो प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नही की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करें
श्री आर.के. डोंगरे
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक- (2)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-4)
प्रेस क्लब, पानी टंकी के नीचे, छोटापारा, रायपुर
E-mail ID - rmczone4@gmail.com

पत्र क्र./14566/ न.पा.नि./जोन क्र.-4/2024
रायपुर, दिनांक 17-09-2024

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 14566
वार्ड का नाम-57-पं. भगवती चरण शुक्ल वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 57 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR448B00127** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **MATHURA BAI** पिता/पति, श्री/श्रीमती **LATE. NARAYAN RATHI** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **कल्पेश रायचुरा** पिता/पति, श्री/श्रीमती **स्व. रमनिक भाई रायचुरा** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख**/ वंशानुक्रम/अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक-4
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-4)
प्रेस क्लब, पानी टंकी के नीचे, छोटापारा, रायपुर
E-mail ID - rmczone4@gmail.com

पत्र क्र./14373/ न.पा.नि./जोन क्र.-4/2024
रायपुर, दिनांक 17-09-2024

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 14373
वार्ड का नाम-57-पं. भगवती चरण शुक्ल वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 57 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR447E00183** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **MRS. SANDHYA BAGHEL** पिता/पति, श्री/श्रीमती **LATE. PANNA LAL BAGHEL** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **डॉ. अनुभा राज** पिता/पति, श्री/श्रीमती **डॉ. प्रतीक गौरव** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख**/ वंशानुक्रम/अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक-4
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-4)
प्रेस क्लब, पानी टंकी के नीचे, छोटापारा, रायपुर
E-mail ID - rmczone4@gmail.com

पत्र क्र./14372/ न.पा.नि./जोन क्र.-4/2024
रायपुर, दिनांक 17-09-2024

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 14372
वार्ड का नाम-57-पं. भगवती चरण शुक्ल वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 57 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR448M00042** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **SUNIL KUMAR JAIN** पिता/पति, श्री/श्रीमती **PUKHRAJ JAIN** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **1 सुनीता जैन 2 सुमीत जैन 3 सौरभ जैन 4 रूचिका बोथरा (जैन)** पिता/पति, श्री/श्रीमती **सभी पति / पिता स्व. सुनील कुमार जैन** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **शपथ पत्र, टैक्स रसीद, नाम हस्तांतरण विलेख, परिचय पत्र व अन्य दस्तावेज**/ वंशानुक्रम/अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक-4
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय सम्पदा अधिकारी, छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मण्डल,
सम्पदा प्रबंधन प्रक्षेत्र-01, सिरपुर भवन, व्यवसायिक परिसर कबीर नगर, रायपुर
email Id- eocghbzone1@gmail.com

आम-सूचना

मै सुनिता विश्नोई पति स्व. सत्यनारायण विश्नोई निवासी अविनाश प्राइड एफ - 105, हीरापुर, रायपुर छ.ग. हूं। मेरे द्वारा डॉ श्याम प्रसाद मुखर्जी योजना के अंतर्गत आरडीए द्वारा निर्मित एक फ्लैट जिसका क्रमांक ओ - 112, भूतल क्षेत्रफल 290 वर्गफुट ग्राम हीरापुर प.ह.नं. 103 खसरा नंबर 238/10 का भाग है, को **गिरिष शाह पिता - स्व. धीरज लाल शाह** से क्रय किया गया है। उक्त फ्लैट की मेरे से पूर्व हुई रजिस्ट्री की मूल प्रति की मेरे से पूर्व हुई रजिस्ट्री की मूल प्रति कबीर नगर सब्जी बाजार के पास गुम हो गई है। जिसका विवरण इस प्रकार है। पुस्तक क्रमांक - अ - ग्रंथ **क्रमांक - 52258,** पृष्ठ संख्या - 44 से 53 क्रमांक - ग **दिनांक 19/10/2011** द्वारा पंजीकृत है। चुंकी मूलप्रति गुम हो गयी है। इस हेतु दिनांक - 16/09/2024 को मैने थाना में सूचना दी गई है।

सम्पदा अधिकारी,
छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मण्डल,
सम्पदा प्रबंधन प्रक्षेत्र-01
कबीर नगर, रायपुर

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-1)
संतोषी नगर, खमतराई पानी टंकी, रायपुर
E-mail ID - rmczone1@gmail.com

पत्र क्र./14392/ न.पा.नि./जोन क्र.-1/2024
रायपुर, दिनांक 11-09-2024

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 14392
वार्ड का नाम- 04 - यतियतन लाल वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 04 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR104F29603** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **MANISH KUMAR SHARMA** पिता/पति, श्री/श्रीमती **RAJENDRA KUAMR SHARMA** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **RAJENDRA KUAMR SHARMA** पिता/पति, श्री/श्रीमती **LATE LAXMIKANT SHARMA** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख**/ वंशानुक्रम/अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्री हितेन्द्र यादव
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक- (1)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

रायपुर के पहले विपश्यना केन्द्र में पहला दस दिवसीय शिविर 22 सितंबर से

रायपुर (विश्व परिवार)। रायपुर में नवनिर्मित पहले विपश्यना ध्यान केन्द्र धम्मकुटी में पहला दस दिवसीय विपश्यना ध्यान शिविर का आयोजन 22 सितंबर से किया जा रहा है। 22 सितंबर से 3 अक्टूबर 2024 तक आयोजित शिविर का संचालन रायपुर के सहायक आचार्य श्री गंगाराम प्रजापति करेंगे। छत्तीसगढ़ विपश्यना केन्द्रों के आचार्य डॉ सीताराम साहू ने बताया कि नवनिर्मित ध्यान केन्द्र सर्वसुविधायुक्त तथा ध्यान के अनुकूल मापदंडों पर निर्मित है। साधकों एवं आचार्यों के ठहरने के लिए 53 कक्ष हैं। डॉ साहू ने बताया कि विपश्यना ध्यान की शिक्षा नि:शुल्क ही दी जाती है तथा भोजन एवं आवासीय व्यवस्था कृतज्ञ साधकों के स्वैच्छिक दान से होता है। 20 वर्ष से अधिक उम्र के इच्छुक व्यक्ति शिविर में सम्मिलित हो सकते हैं। धम्मकुटी में विपश्यना ध्यान के लिए अगले एक वर्ष का कैलेंडर भी जारी कर दिया गया है जिसमें प्रतिमाह एक दस दिवसीय शिविर का आयोजन किया जाना है।

www.dainikvishwapariwar.com
vishwapariwarraipur@gmail.com

दैनिक
विश्व परिवार

बिलासपुर संभाग

रायपुर बुधवार 18 सितंबर 2024

साफ सफाई के नाम पर लाखों खर्च फिर भी गाजर घास से बढ़ी बीमारियां। कचरा की गार्वेज से उठ रही है दुर्गन्ध

सूरजपुर ब्यूरो - (देनिक विश्व परिवार)- एसईसीएल बिश्रामपुर कि कॉलोनीयो में गाजर घास एवं कचरे के गारवेज से फेल रही है कई बीमारियां।

इन दिनों बरसात में कॉलोनी के चारों तरफ गाजर घास के झाड़ियों का फैलाव बढ़ता जा रहा है, वनबी,वन सी कॉलोनी,आफीसर कॉलोनी सहित माईनस,चोपड़ा, आरटीआई,डिपार्टमेंटल ,जे एम क्यू,रेस्क्यू आदि कालोनायों मे गाजर घास बेतरतीब ढंग से काफी संख्या में उग आया हैं, जिससे कॉलोनी वासियों में गाजर घास से होने वाली त्वचा संबंधी खुजली, एग्जिमा,दमा,एलर्जी जैसी गंभीर बीमारियां फैलने लगी है,जिससे कालोनीवासी काफी परेशान है।

यही नहीं प्रतीक कॉलोनी में गंदगी क्या आलम यह है कि संबंधित ठेकेदार मनमानी ढंग से निर्धारित मजदूर से काम न कर गिनती के मजदूरों से काम ले रहा है जिससे पूरे कॉलोनी में गंदगी का गार्बेज कि पहाड़िया खड़ी हो गई हैं,बरसात में इन गार्बेज से विषैला दुर्गंध निकल रही है जिससे कई बीमारियां जन्म ले रही है जिसे रोकने टोकने वाला कोई नहीं है।

उक्त संबंध में एच एम एस यूनियन के क्षेत्रीय कल्याण समिति के सदस्य परमजीत सिंह पम्मे ने स्टाफ ऑफिसर सिविल से शिकायत करने पर उन्होंने कहा कि गाजर घास का टेंडर नहीं है,इसलिए उसकी सफाई नहीं हो सकती,जो कि सिविल विभाग के उदासीनता,अकर्मण्यता को दर्शाता है। श्रमिक नेता परमजीत सिंह ने आगे कहा कि सिविल विभाग करोड़ों रुपए का टेंडर कराता है,किंतु गाजर घास सफाई जैसे छोटे काम के लिए इनके पास फंड नहीं है।

नगर प्रसाशन विश्रामपुर में नए ओवरसीयर ने पदभार ग्रहण किया हैं,जिनको कॉलोनी की भौगोलिक स्थिति की जानकारी नहीं होने से समस्या और बढ़ सकती है,इस संदर्भ में उन्होंने पुन: मांग की है कि कॉलोनी में फैले गाजर घास की अविलंब सफाई की जावे,जिससे कॉलोनी वासियों को बीमारियों से निजात मिल सके।उन्होंने नगर प्रशासन की व्यवस्थित देखरेख हेतु एक और ओवरशियर देने की मांग की है।

संक्षिप्त समाचार

हसदेव नदी में मिली एक अज्ञात युवक की लाश

जांजगीर-चांपा(विश्व परिवार)। जांजगीर-चांपा जिले के हसदेव नदी के गेमन पुल के नीचे नदी में एक युवक की लाश मिली है। अंदेशा है कि एनिकट से फिसलकर नदी में गिरने और डूबने से उसकी मौत हुई होगी। मामले में चांपा थाना पुलिस ने मृतक के शव को पोस्टमॉर्टम के लिए बीडीएम अस्पताल भिजवा दिया है तथा जांच की जा रही है। मिली जानकारी के मुताबिक मृतक का नाम मनोज कुमार साहू है, जो बिहार के लछलपुर गांव का रहने वाला था। यहां अकेले रहता था। ट्रेलर चलवाने का काम करता था। गणेश पंडाल समिति के लोगों ने बताया कि रविवार को मनोज कुमार साहू चंदा रसीद कटा कर गया है। मनोज शराब के नशे में भी था। आशंका है कि हसदेव नदी में बने एनिकट से पैदाल चलते हुए पैर फिसला होगा। एनिकट से गिरने से पानी में डूबा होगा। बताया जाता है कि सोमवार को हसदेव नदी में नहाने गए लोगों ने नदी में लाश देखी। इसके बाद पुलिस को सूचना दी गई। मौके पर पुलिस टीम पहुंची। शव को हसदेव नदी से बाहर निकाला गया। मृतक के जेब से एक मोबाइल और गणेश पंडाल की रसीद मिली है। फिलहाल पुलिस ने लाश को पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा है। पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट आने के बाद मामले का खुलासा होगा। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

विसर्जन के दौरान सर्पराज अहिराज भगवान गणेश की मूर्ति पर चढ़कर लिपट गए

कोरबा(विश्व परिवार)। चतुर्थी तिथि पर विराजित भगवान गणेश की प्रतिमाओं के विसर्जन का सिलसिला शुरू हो गया है जो अनंत चतुर्दशी तक जारी रहेगा। इस कड़ी में ग्राम पंचायत धंवईपुर विकासखंड कटघोरा में भी ग्रामीणों के द्वारा गणेश प्रतिमा का विसर्जन नदी घाट पर किया गया। इस दौरान हुए घटनाक्रम को लोग चमत्कार के तौर पर देख रहे हैं। दरअसल, यहां बच्चे,युवा सहित ग्रामवासी गणेश प्रतिमा को विसर्जन करने के लिए नदी घाट पर शाम के समय पहुंचे थे और घाट के किनारे प्रतिमा को रखकर आरती कर रहे थे कि इसी दौरान लोगों के बीच से निकलकर सर्पराज अहिराज भगवान गणेश की मूर्ति पर चढ़कर लिपट गए। मूर्ति के ऊपर से एक चक्कर घूमने के बाद काफी देर तक प्रतिमा से लिपटे रहे और फिर अपने आप ही वहां से चले गए। इस दौरान चमत्कार मानकर लोगों ने गणेश के साथ नाग देवता की पूजा की। इसके बाद ग्रामवासियों ने मूर्ति को नदी में विसर्जित किया।

लोहे की प्लेट चोरी करने वाले चार आरोपी गिरफ्तार

कोरबा(विश्व परिवार)। तेंदूभाठा रेलवे ओवर ब्रिज कार्य स्थल से किसी अज्ञात चोर ने आठ लोहे की प्लेट (प्रत्येक 50 किलो) को पार कर दिया। घटना की सूचना जटगा पुलिस चैकी में दर्ज कराई गई। पुलिस ने धारा 309-6 बीएनएस के तहत दर्ज कर विवेचना में लिया। इस बीच मुखबिर से सूचना मिलने पर पुलिस ने शेष कुमार श्याम बनखेता, शेषपाल चैहान पूटवा, मोहित कुमार यादव बरबसपुर, सूरज कुमार कंवर बरबसपुर लोहे की प्लेट को बोलेरो वाहन में रख कर जा रहे थे। इस पर पुलिस ने पीछा किया, तो बोलेरो छोड़ दो आरोपित भागने में सफल रहे, पर चार आरोपित पकड़े गए। उनके पास से वाहन समेत लोहे की प्लेट जब्त किया। जटगा चैकी प्रभारी धनंजय सिंह ने चारों आरोपित के विरूद्ध कार्रवाई करते हुए जेल दाखिल कराया। पुलिस का कहना है कि फरार दोनों आरोपित की तलाश की जा रही है।

गजराज के आतंक से कई गांवों में दहशत

कोरबा(विश्व परिवार)। जिले के कटघोरा वनमंडल में गजराजों का आतंक बढ़ता ही जा रहा है। बीती रात झुंड से अलग हुए एक दंतैल हाथी ने यहां के पसान रेंज के अड़सरा बीट अंतर्गत बरबटपारा नामक गांव में पहुंचकर उत्पात मचाते हुए पांच मवेशियों को मौत के घाट उतार दिया। जबकि तीन अन्य को गंभीर रूप से घायल कर दिया है। इस घटना के बाद ग्रामीणों में दहशत का माहौल है। कटघोरा वन मंडल के केंदई रेंज में इन दिनों 48 हाथियों को दल विचरण कर रहा है। इस दल में शामिल एक दंतैल हाथी बीती रात झूण्ड से अलग हो गया और पसान रेंज के जलके सर्किल होते हुए अड़सरा में प्रवेश कर वहां के बरबटपारा में घर के बाहर बंधे विजय व वेद कुमार नामक दो ग्रामीणों के गाय व बैलों पर हमला कर दिया। जिससे पांच की मौके पर ही मौत हो गयी। तीन अन्य मवेशी घायल हो गए। इसकी जानकारी पीड़ित ग्रामीणों द्वारा दिये जाने पर वन विभाग का अमला मौके पर पहुंचा और मृत गौवंशों का पोस्टमार्टम कराया। घायल बैलों का उपचार भी कराया जा रहा। साथ ही प्रकरण तैयार कर वरिष्ठ अधिकारियों को सौंप दिया गया है।

रामानुजनगर के छात्र अविनाश ने विज्ञान के क्षेत्र में सूरजपुर जिला का नाम किया रोशन

गोपाल सिंह विद्रोही

सूरजपुर ब्यूरो (दैनिक विश्व परिवार) - जानकारी के अनुसार प्रेरित अनुसंधान के लिए विज्ञान की खोज में नवाचार इंस्पायर अवार्ड मानक योजना भारत सरकार के विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग के प्रमुख कार्यक्रमों में से एक है।जिसमें शासकीय बालक उच्चतर माध्यमिक विद्यालय रामानुजनगर में अध्यनरत एवं सूरजपुर जिले से एकमात्र चयनित छात्र अविनाश सिंह कक्षा-9 वीं का दबदबा रहा,इस विधा में छात्र का राष्ट्र स्तरीय प्रदर्शनी एवं प्रोजेक्ट प्रतियोगिता एन एल ई पी सी में राष्ट्रीय स्तर पर प्रगति मैदान दिल्ली में 17 सितंबर से 19 सितंबर तक अपने प्रोजेक्ट के प्रस्तुतीकरण के लिए चयन हुआ है जो कि सूरजपुर जिले के लिए हर्ष का विषय है। छात्र ने कम खर्च में बिना बिजली से चलने वाले लकड़ी का ट्रेडमिल बनाया है,जिसका चयन संभाग स्तर से राज्य स्तर पर और फिर राज्य स्तर से राष्ट्रीय स्तर पर हुआ है।

छात्र के गाइड टीचर गोपाल सिंह ने बताया कि इस योजना का मुख्य उद्देश्य स्कूली बच्चों में रचनात्मक और नवीन सोच की संस्कृति को बढ़ावा देने के लिए विज्ञान और सामाजिक अनुप्रयोगों में निहित विचारों एवं नवाचारों को लक्षित करना है।

छात्र के मार्गदर्शन में मार्गदर्शक शिक्षक के अलावा जिले के इंस्पायर अवार्ड के प्रभारी संतोष उपाध्याय और संस्था के प्राचार्य पी सी सोनी का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

निर्माणाधीन मकान से लोहे की छड़ सहित अन्य सामान पार

कोरबा (विश्व परिवार)। नगर पंचायत में लगातार हो रही चोरी की घटनाओं ने जनता की नींद उड़ा दी है। चोर पुलिस पर लगातार भारी पड़ते दिखाई दे रहे हैं और पुलिस वारदातों को रोकने में नाकाम साबित हो रही है। चोर अलग-अलग घटनाओं को अंजाम दे रहे हैं। शासकीय नवीन महाविद्यालय जाने वाले मार्ग पर अधिवक्ता राजकुमार वर्मा 50 वर्ष के निर्माणाधीन मकान से लोहे की सामाग्री, छड़, छड़ से बना रिंग, गाइंडर मशीन, ड्रील मशीन के साथ उपयोगी औजार समेत अन्य सामान को किसी अज्ञात चोर ने पार कर दिया। इसकी शिकायत पीड़ित ने थाने दर्ज कराई। राजकुमार ने बताया कि करीब पच्चीस हजार रूपये सामग्री चोरी कर ले गए। यहां बताना होगा कि नगर में चोरी की यह कोई घटना नई नहीं हैं बल्कि लगातार बदस्तूर चोरी जारी हैं। चोरी से पाली पुलिस की लचर कार्यशैली की पोल खोल रही है। साथ ही उच्च अधिकारियों के मामलों को गंभीरता से नहीं लेने का भी पता चलता है। पुलिस की सुस्ती से चोरों का दुस्साहस बढ़ा हुआ है। पुलिस क्षेत्र में हुई कई पुरानी चोरी का खुलासा नहीं कर पाई है। आम जनमानस में चोरी की घटनाओं से भय व्याप्त हो गया है।

बाबा श्याम का दरबार जिसने देखा हो गया मंत्र मुग्ध श्याम के जय घोष से गूंज उठा बुंदेली ग्राम

कोरबा (विश्व परिवार)। कोरबा के ग्राम बुंदेली में आयोजित दशम श्री श्याम अखाड़ा में बाबा श्याम का ऐसा दरबार सजा की यहां पहुंचे श्रद्धालु मंत्र मुग्ध हो गए और टकटकी लगाकर बाबा श्याम को निहारने लगे. जय श्री श्याम के जय घोष से ग्राम बुंदेली का आकाश गूंज उठा।

परिवर्तनीय एकादशी के दिन आयोजित श्याम अखाड़ा में देशभर के विभिन्न भजन प्रवाहक अपनी उपस्थिति देने कोरबा की पावन धरा पर उपस्थित हुए, शनिवार की दोपहर से शुरू हुआ कार्यक्रम रविवार की सुबह तक चलता रहा और इस बीच श्रद्धालु पूरी रात बाबा श्याम के भजन झूमते रहे, कार्यक्रम के दौरान श्याम रसोई में हजारों की संख्या में भक्तों ने प्रसाद ग्रहण किया। बाबा को छप्पन भोग लगाया गया। कार्यक्रम के दौरान फूलों की होली खेली गई। कार्यक्रम की शुरुआत में बाबा श्याम की अखंड ज्योत जलाई गई जो पूरे कार्यक्रम के दौरान जलती रही और एकादशी के शुभ मुहूर्त पर भक्तों ने बाबा श्याम की ज्योत का दर्शन लाभ लिया, भजनों के कार्यक्रम के दौरान कोरबा से पहुंची ब्रह्मकुमारी बहनों ने जीवन के उद्देश्य को चरितार्थ करते हुए लोगों को जीवन का महत्व समझाया एवं मेडिटेशन के बारे में भी बताया,कार्यक्रम में बुंदेली गांव के आम जनों ने भी बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। छत्तीसगढ़ के कोने-कोने से श्याम प्रेमी बाबा श्याम को अरदास लगाने पहुंचे थे, भक्तों को किसी प्रकार की परेशानी ना हो इसका पूरा ध्यान आयोजन समिति में रखा। आयोजन समिति ने कार्यक्रम के दौरान प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से सहयोग देने वाले का धन्यवाद दिया।

स्वच्छता ही सेवा एक राष्ट्रीय अभियान का शुरुआत नगर पंचायत अध्यक्ष आशीष यादव ने किया

सूरजपुर ब्यूरो (दैनिक विश्व परिवार-) स्वच्छता ही सेवा एक राष्ट्रीय अभियान है जो देश में स्वच्छता और सफाई को बढ़ावा देने के लिए शुरू किया गया इस अभियान के तहत नगर पंचात विश्रामपुर अध्यक्ष आशीष यादव के द्वारा कार्यक्रम की शुरूआत एसएलआरएम सेंटर में स्वच्छीक श्रमदान के साथ-साथ साफ- सफाई एवं कचरा संग्रहण कार्य में लगे वाहनों को हरी झण्डी दिखा वार्डो में जाकर लोगो को स्वच्छता के प्रति जागरूक किया। स्वच्छता ही सेवा का मुख्य उदेष्य शहर को स्वच्छ एवं साफ- सफाई रखने हेतु वार्ड वासियों को जागरूक करना एवं साफ सफाई के प्रति प्रत्येक नागरिको को अपने जिम्मेदारी का एहसास होना चाहिए ताकि शहर को स्वच्छ एवं साफरखा जा सके कार्यक्रम के तहत एसएलआरएम

सेंटर में फलदार एवं छायादार वृक्ष एक पौधा मां के नाम लगाया गया साथ ही पूरे परिसर की साफ - सफाई श्रमदान के माध्यम से की गई। वार्डो में स्वच्छता की शपथ दिलाई गई। कार्यक्रम के दौरान अध्यक्ष आशीष यादव ,पार्षद सुश्री भावना सिंह नेताम, श्रीमती मालती तिग्गा, श्रीमती उर्मिला केरकेट्टा, श्री रविशंकर मुख्य नगर पालिका अधिकारी श्री सुशील कुमार तिवारी उपअभियंता श्री तरंग मित्तल कैशियर श्री रंदीप कुमार दास स्वच्छता प्रभारी अरविंद यादव,शशि कुमार, अरविन्द कुमार सोनी, अब्दुल हैदर एवं स्वच्छता दीदीया सक्रिय रहे।

ग्राम पंचायत में नगन्य आदिवासियों की संख्या पंच पद का नही मिलते उम्मीदवार

सरपंच एवं पंच पत्नी पाने की लालच में युवा रचाते है आदिवासी युवतियों से विवाह

सूरजपुर ब्यूरो (दैनिक विश्व परिवार)- छत्तीसगढ़ बंगाली समाज के संभागीय अध्यक्ष अजीत समझदार, जिला अध्यक्ष रघु देवनाथ एवं अन्य पदाधिकारीयो ने आज जिला कलेक्टर को ज्ञापन एक ज्ञापन सौंपा और अपने ग्राम की समस्याओं से अवगत कराया। कलेक्टर को सोफे ज्ञापन में उल्लेख है कि ग्राम पंचायत रविंद्र नगर एवं संजय नगर में 98 प्रतिशत बंगाली समाज के लोग निवास करते हैं गांव के कुछ युवक अंतरजातीय विवाह आदिवासी महिलाओं के साथ किया है इन्हीं के वजह से पंच के पद आरक्षण से ग्रसित एवं खाली पड़े हुए हैं। कुछ वार्ड में एक भी आदिवासी निवास नही करते हैं परन्तु वह वार्ड आदिवासियों के लिए आरक्षित है ।आरक्षण के निर्णय से समाज में गलत ,विसंगतिया फैल रही है। सरपंच के पद बंगाली समाज से न होकर अन्य समाज से हैं। ग्राम मे आदिवासी न रहने के कारण अन्य स्थानों से आदिवासी चुनाव लड़ते हैं या कई वार्ड पंच विहीन रहता है जिससे विकास कार्य में बाधा उत्पन्न होता है। युवा वर्ग आदिवासी समाज से प्रेम विवाह कर सरपंच पंच पद के बनने के लिए ललाइत है जो समाज के लिए आहितकारी है जिससे चंद परिवार ही सरपंच पद के प्रत्याशी का लाभ ले रहे हैं जबकि 98 प्रतिशत मतदाता बनकर ही रह गए हैं। समाज के जिला अध्यक्ष संजय नगर ,रविंद्र नगर के सरपंच पच के प्रत्याशी के लिए बंगाली समाज से ही हो जिला कलेक्टर से अनुरोध किया है। यहां यह बता दे कि उक्त ग्राम एक पुनर्वास ग्राम है । समाज के प्रदीप सरकार ,कन्हैयालाल विश्वास ,शुभेंदु चटर्जी ,शंकर राय, राहुल समझदार, समीर सिकदर तपन मंडल आदि ने कलेक्टर सूरजपुर से इस ओर ध्यान देकर उक्त समस्याओं को निराकरण करने की मांग की है , ताकि युवाओ मे केवल सरपंच पत्नी पाने की लालच में अंतरजातीय विवाह की होड़ न लगे इससे समाज में विकृतियों फैल रही है।

ड्राइवर फंसा केबिन में

कोरबा (विश्व परिवार)। कटघोरा से अम्बिकार नेशनल हाइवे 130 में गत देर रात तानाखार के बरपाली के पास एक ट्रेलर, दूसरे ट्रेलर को टक्कर मारते हुए विपरीत दिशा से तेज रफ्तार आ रहे ट्रक से जा भिड़ा, ट्रेलर और ट्रक में भिड़ंत इतनी जोरदार रही कि दोनों वाहनों का केबिन चकनाचूर हो गया। इस भीषण सड़क हादसे में ट्रेलर ड्राइवर के कमर का हिसा केबिन में फंस गया। घटना की सूचना कटघोरा थाना प्रभारी धर्मनारायण तिवारी को मिलते ही वे दलबल के साथ तत्काल घटना स्थल पर पहुंचे। जहां घायल ड्राइवर को रेस्क्यू कर बाहर निकाला गया । बुरी तरह घायल ड्राइवर को डायल 112 की मदद से कटघोरा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया गया है, जहां घायल ड्राइवर का इलाज जारी है। इस घटना के बाद नेशनल हाइवे मार्ग में दोनों ओर वाहनों की लंबी कतार लग गयी। पुलिस की तत्परता से दुर्घटना ग्रस्त वाहनों को किनारे कर जाम को खाली कराया जा रहा।

दैनिक
विश्व परिवार

विचार-पक्ष

रायपुर बुधवार 18 सितंबर 2024

www.dainikvishwapariwar.com
vishwapariwarraipur@gmail.com

संपादकीय

दशकीय जनगणना क्यों नहीं

आम तजुर्बा है कि मौजूदा सरकार को आंकड़ों की पारदर्शिता पसंद नहीं है। वरना, यह समझना मुश्किल है कि भारत में अब तक दशकीय जनगणना क्यों नहीं हुई, जबकि कोविड-19 महामारी का साया हटे लंबा अरसा गुजर चुका है। केंद्र ने जब कुछ महीने पहले सांख्यिकी स्थायी समिति बनाई, तो उसमें शामिल 14 विशेषज्ञों में से कुछ नामों को देख कर आश्चर्य हुआ था। खास कर यह देख कर हैरत हुई कि समिति की अध्यक्षता प्रणब सेन को सौंपी गई है, जिनकी छवि आंकड़ों के प्रति ईमानदारी बरतने की रही है। बताया गया कि समिति राष्ट्रीय सैंपल सर्वे तथा अन्य सरकारी सर्वेक्षणों की सैंपलिंग एवं आंकड़ा विश्लेषण को लेकर सुझाव देगी। यह जग-जाहिर है कि नरेंद्र मोदी सरकार के दौर में तमाम सरकारी आंकड़ों की साख क्षीण होती चली गई है। अब खबर है कि सरकार ने गुपचुप प्रणब सेन समिति को भंग कर दिया है। समिति के सदस्यों का तो कहना है कि समिति क्यों भंग हुई, उन्हें इसका कारण तक नहीं बताया गया है। अधिकारियों को मीडिया से जरूर कहा है कि अब राष्ट्रीय सैंपल सर्वेक्षणों के बारे में स्थायी संसदीय समिति बन गई है, इसलिए दोनों समितियों का दायरा टकरा रहा था। जबकि सूत्रों के आधार पर छपी अखबारी रिपोर्टों में बताया गया है कि एक बैठक के दौरान सेन समिति के सदस्यों ने जनगणना में हो रही देर पर अधिकारियों से सख्त सवाल पूछे। मुमकिन है कि सरकार इससे खफा हो गई हो। आम तजुर्बा है कि मौजूदा सरकार को सवाल और आंकड़ों की पारदर्शिता पसंद नहीं है। वरना, यह समझना किसी के लिए मुश्किल है कि भारत में अब तक दशकीय जनगणना क्यों नहीं हुई? 2021 में इसे कोविड-19 महामारी के कारण टाला गया था, हालांकि उसी वर्ष तमाम चुनाव कराए गए। बहरहाल, महामारी का साया हटे लंबा अरसा गुजर चुका है। दुनिया में कोई ऐसा प्रमुख देश नहीं है, जहां अब तक जनगणना ना हुई हो। इसलिए यह कहने का आधार बनता है कि मोदी सरकार ठोस एवं विश्वसनीय आंकड़ों के स्रोत जनगणना को जानबूझ कर टाल रही है। आंकड़े समय की सच्चाई को बताते हैं। आंकड़े ना हो, तो मनमानी कहानियां बनाई जा सकती हैं। जिस सरकार की प्राथमिकता मनपसंद आंकड़े तैयार कर विमर्श को भ्रमित करना और उसके जरिए मनगढ़ंत नैरेटिव्स को विश्वसनीय बनाना रहा हो, विशेषज्ञों से उसका गुरेज समझा जा सकता है।

प्राणी मात्र से क्षमा मांगे और सबको क्षमा दें-देवेन्द्र ब्रह्मचारी

दिगम्बर जैन समाज का सबसे अहम आत्म शुद्धि का महापर्व दशलक्षण पर्व इस वर्ष भादो सुदी पंचमी 8 सितम्बर से प्रारंभ होकर अनंत चतुर्दशी 17 सितम्बर तक मनाया जा रहा है। उत्तम क्षमा से प्रारम्भ होकर क्षमावाणी पर्व पर यह संपन्न होगा, दस दिनों तक क्रमश: दस धर्मों की आराधना की जाती है। पूरे विश्व के दिगम्बर जैन धर्म के अनुयायी इस पर्व को बड़े ही उत्साह व आत्मीयता से मनाते है। दशलक्षण पर्व के दिनों में क्रमश: उत्तम क्षमा, उत्तम मार्दव, उत्तम आर्जव, उत्तम शौच, उत्तम सत्य, उत्तम संयम, उत्तम तप, उत्तम त्याग, उत्तम आकिंचन तथा उत्तम ब्रह्मचर्य धर्म की आराधना की जाती है। ये सभी आत्मा के धर्म हैं, क्योंकि इनका सीधा सम्बन्ध आत्मा के कोमल परिणामों से हैं। इस पर्व का एक वैशिष्ट्य है कि इसका संबंध किसी व्यक्ति विशेष से न होकर आत्मा के गुणों से है। इस प्रकार यह गुणों की आराधना का पर्व है। इन गुणों से एक भी गुण की परिपूर्ण हो जाये तो मोक्ष तत्व की उपलब्धि होने में किंचित भी संदेह नहीं रह जाता है। मानव इन दस धर्म को अपने जीवन मे अपनाकर अपने जीवन का धार्मिक, सामाजिक, पारिवारिक एवं व्यक्तिगत रूप से उन्नयन कर सकता है, इन दिनों मे सभी दिगम्बर जैन मंदिरों मे प्रात: से ही भक्तों का अम्बार लग जाता है। उत्तम क्षमा से प्रारम्भ होने वाला यह पर्व अश्विन कृष्ण एकम को क्षमावाणी पर्व पर सम्पन्न होता है, क्षमावाणी दिवस पर सबसे अपने भूलों की क्षमा याचना की जाती है। इस दिन श्रावक (गृहस्थ) और साधु दोनों ही वार्षिक प्रतिक्रमण करते हैं। पूरे वर्ष में उन्होंने जाने या अनजाने यदि संपूर्ण ब्रह्मांड के किसी भी सूक्ष्म से सूक्ष्म जीव के प्रति यदि कोई भी अपराध किया हो, तो उसके लिए वह उनसे क्षमा याचना करता है। अपने दोषों की निंदा करता है और कहता है- मेरे सभी दुष्कृत्य मिथ्या हो जाएं। क्षमावाणी पर्व पर हर मंदिरों मे क्षमावाणी अभिषेक के पश्चात् क्षमावाणी पर्व मनाया जाता है, इसके माध्यम से एक दूसरे के हृदय की मलीनता दूर की जाती है। क्षमा आत्मा का स्वभाव है। क्षमा पृथ्वी का नाम है। जिस प्रकार पृथ्वी तरह-तरह के बोझ को सहन करती है, इसी प्रकार चाहे कैसी भी विषम परिस्थिति आए, उसमें भी अपने मन को स्थिर रखना, अपने भीतर क्रोध रूप परिणत न करना क्षमा है। उत्तम क्षमा के धारक पुरूष को मात्र अपने आत्मा की शुद्धि ही साध्य है। क्षमा ब्रह्म है, क्षमा सत्य है, क्षमा तप है, क्षमा पवित्रता है, क्षमा ने ही सम्पूर्ण जगत को धारण कर रखा है। क्षमा को धारण करने वाले इंसान ऋजु होते हैं, उनके कर्म संस्कार क्षय होते हैं जबकि जो कुटिल होते हैं, उनके कर्म संस्कार संचित रहते हैं। हंस और बगुला लगभग एक से लगते हैं, किंतु उन दोनों के स्वभाव में बडा अंतर होता है। यही कारण है कि हंस से लोग प्रेम करते हैं और बगुले से द्वेष करते हैं। जिस प्रकार बीज बोने के लिए जमीन पर हल, चलाकर उसे अच्छी तरह जोतकर तथा कूड़ा-करकट से रहित कर साफ किया जाता है उसी प्रकार क्षमा रूपी बीज का वपन करके मन रूपी भूमि को मांजा जाता है एवं आत्मा की निर्मलता के द्वारा उत्तम चरित्र रूपी फल की उपलब्धि सुनिश्चित की जाती है। दुनिया में आज जितने भी अनर्थ और पापकर्म होते हैं, चाहे हिंसा के रूप में हो, आतंक के रूप में हो, शोषण के रूप में हो वे सब क्षमा के अभाव में ही होते हैं। जो परस्त्री और परपदार्थों के प्रति नि:स्पृह है, समस्त प्राणियों के प्रति जिसका चित्त अहिंसक है और जिसने दुर्भेद्य अंतरंग मन को धो लिया है ऐसा पवित्र हृदय ही क्षमा धर्म की पात्रता को धारण कर सकता है। यदि कोई व्यक्ति इस पवित्र एवं पावन दिवस पर भी दिल में उलझी गांठ को नहीं खोलता है, तो वह अपने सम्यग्दर्शन की विशुद्धि में प्रश्न चिन्ह खड़ा कर लेता है। क्षमायाचना करना, मात्र वाचिक जाल बिछाना नहीं है। परंतु क्षमायाचना करना अपने अंतर को प्रसन्नता से भरना है। बिछुड़े हुए दिलों को मिलाना है, मैत्री एवं करुणा की स्रोतस्विनी बहाना है। गलती करना मानवोचित है, लेकिन क्षमा करना देवतोचित्त है। मैत्री पर्व का दर्शन बहुत गहरा है। मैत्री तक पहुंचने के लिए क्षमायाचना की तैयारी जरूरी है। क्षमा लेना और क्षमा देना मन परिष्कार की स्वस्थ परम्परा है। क्षमा मांगने वाला अपनी कृत भूलों को स्वीकृति देता है और भविष्य में पुन: न दुहराने का संकल्प लेता है जबकि क्षमा देने वाला आग्रह मुक्त होकर अपने ऊपर हुए आघात या हमलों को बिना किसी पूर्वाग्रह या निमित्तों को सह लेता है। क्षमा ऐसा विलक्षण आधार है जो किसी को मिटाता नहीं, सुधरने का मौका देता है। भगवान महावीर ने कहा-'अहो ते खंति उत्तमा'-क्षांति उत्तम धर्म है। 'तितिक्खं परमं नच्चा'-तितिक्षा ही जीवन का परम तत्व है, यह जानकर क्षमाशील बनो। तथागत बुद्ध ने कहा-क्षमा ही परमशक्ति है। क्षमा ही परम तप है। क्षमा धर्म का मूल है। क्षमा के समकक्ष दूसरा कोई भी तत्व हितकर नहीं है। क्योंकि प्रेम, करुणा और मैत्री के फूल सहिष्णुता और क्षमा की धरती पर ही खिलते हैं। 'सबके साथ मैत्री करो' यह कथन बहुत महत्त्वपूर्ण है किंतु हम वर्तमान संबंधों को बहुत सीमित बना लेते हैं। भारत की संस्कृति में 'वसुधैव कुटुम्बकम्' समूची वसुधा कुटुम्ब है, सारा विश्व एक परिवार है, का उद्घोष हुआ। यह महावीर की अहिंसा एवं बुद्ध की करुणा से प्रेरित उद्घोष है, जो विश्व मैत्री को बल देता है। 'मित्ती में सव्व भूएसु वेरं मज्झ न केणई'- यह सार्वभौम अहिंसा एवं सौहार्द का ऐसा संकल्प है जहां वैर की परम्परा का अंत होता है। क्षमा वाणी के दिन सभी से शत्रुता, नफरत एवं द्वेष को मिटा कर गले लगाने का दिन है। यह दिलों को जोड़ने का पर्व है, यह आत्मा को निर्मल बनाने का पर्व है। दस दिनों की कठोर साधना एवं क्षमावाणी का घोष मानवीय संवेदनाओं को जागृत करने की एक विलक्षण साधना है। क्षमा देने एवं क्षमा लेने की यह विलक्षण साधना तनावमुक्ति का विशिष्ट प्रयोग है जिससे शरीर को आराम मिलता है, अपने आपको, अपने भीतर को, अपने सपनों को, अपनी आकांक्षाओं तथा उन प्राथमिकताओं को जानने का यह अचूक तरीका है, जो घटना-बहुल जीवन की दिनचर्या में दब कर रह गयी है। इस दौरान परिवर्तन के लिये कुछ समय देकर हम अपने व्यक्तित्व का विकास कर सकते हैं तथा साथ ही इससे अपनी आंतरिक प्रकृति को समझ सकते हैं, उसे उन्नत एवं समृद्ध बना सकते हैं। भगवान महावीर ने क्षमा यानि समता का जीवन जीया। वे चाहे कैसी भी परिस्थिति आई हो, सभी परिस्थितियों में सम रहे। ''क्षमा वीरो का भूषण है''-महान् व्यक्ति ही क्षमा ले व दे सकते हैं। दशलक्षण पर्व क्षमा के आदान-प्रदान का पर्व है, जिसमें सभी अपनी मन की उलझी हुई ग्रंथियों को सुलझाते हैं, अपने भीतर की राग-द्वेष की गांठों को खोलते हैं वह एक दूसरे से गले मिलते हैं। पूर्व में हुई भूलों को क्षमा के द्वारा समाप्त करते हैं व जीवन को पवित्र बनाते हैं। इस तरह से दशलक्षण महापर्व एवं क्षमापना दिवस- यह एक दूसरे को निकटता में लाने का पर्व है। यह एक दूसरे को अपने ही समान समझने का पर्व है। गीता में भी कहा है - 'आत्मौपम्येन सर्वत्र:, समे पश्यति योर्जुन''-श्रीकृष्ण ने अर्जुन से कहा-हे अर्जुन ! प्राणीमात्र को अपने तुल्य समझो। भगवान महावीर ने कहा-''मित्ती में सव्व भूएसु, वेरंमज्झण केणइ''सभी प्राणियों के साथ मेरी मैत्री है, किसी के साथ वैर नहीं है। मानवीय एकता, शांतिपूर्ण सह-अस्तित्व, मैत्री, शोषणविहीन सामाजिकता, नैतिक मूल्यों की स्थापना, अहिंसक जीवन, आत्मा की उपासना शैली का समर्थन आदि तत्त्व इस पर्व के मुख्य आधार हैं। ये तत्त्व जन-जन के जीवन का अंग बन सके, इस दृष्टि से इस महापर्व को जन-जन का पर्व बनाने के प्रयासों की अपेक्षा है। क्षमावाणी का पर्व विभिन्न देशों के बीच चल रहे युद्ध को विराम देने का आह्वान है क्योंकि अहिंसा और मैत्री के द्वारा ही शांति मिल सकती है। युद्धरत देशों के लिये क्षमा पर्व एक प्रेरणा है, पाथेय है, मार्गदर्शन है और अहिंसक-सौहार्द-शांतिमय जीवन शैली का प्रयोग है।

(प्रख्यात जैन संत देवेन्द्र ब्रह्मचारी जन आरोग्यम फाउण्डेशन के संस्थापक है।)

आलेख

आभासी मोहक दुनिया में युवा व प्रौढ़ हो रहे हनीट्रैप का शिकार....

अधिवक्ता ललित शर्मा

हनीट्रैप जासूसी का एक तरीका होता है, जिसमें महिला अपनी मधुर-मपुर बातों से व्यक्ति को अपने नियंत्रण में कर लेती है ताकि गोपनीय सूचना और धन की प्राप्ति हो सकें। इसमें आवश्यक नहीं सामने जो लडकी बात कर रही है यो वास्तव में लड़की हो कई बार पुरुष एजेन्ट महिला बनकर बातें करते हैं इसलिए फेक प्रोफाइल बनायी जाती है। यह बिल्कुल असली दिखती है इन पर भरोसा कर लिया जाता है। तत्पश्चात मोबाइल नम्बरों का आदान-प्रदान किया जाता है, ताकि ब्लैकमैल किया जा सके। बाट्सऐप, फेसबुक, इंस्टाग्राम आदि सोशल मीडिया टूल्स के माध्यम से चैटिंग की जाती है। इस तरह की चैटिंग के दौरान अंतरंग तस्वीरें, वीडियो का आदान-प्रदान किया जाता है. यहीं से ब्लैकमेल का खेल प्रारम्भ हो जाता है। हाल ही में भोपाल में भेल के रिटायर्ड अफसर को हनीट्रैप में फंसाने का मामला सामने आया है, जिसमें दो महिला शामिल हैं। पूरे मामले की जांच एसआईटी को सौंप दी गयी है। कर्नाटक में एक डॉक्टर को फंसाकर लगभग एक करोड़ रूपये बसूल कर लिए। पाकिस्तान खुफिया एजेंसी आईएसआई द्वारा भारतीय सेना के जवानों को हनीट्रैप में फंसाया जा रहा है। कुछ दिन पहले कर्नाटक में एक 73 साल के उद्योगपत्ति को हनीट्रैप में फंसाने और उससे जबरन वसूली करने के आरोप में एक कन्नड अभिनेता को अरेस्ट किया है। आजकल दीपफेक तकनीकि का प्रयोग भी किया जा रहा है उदाहरण के लिए मशहूर अभिनेत्री रहिमका मन्दाना का डीपफेक वीडियो बनाकर वायरल करने के आरोप में दिल्ली पुलिस ने एक लड़के को अरैस्ट किया था। डीपफेंक एक मौजूदा छवि में एक व्यक्ति की जगह किसी दूसरे व्यक्ति को लगा दिया जाता है. इनमें इतनी समानता होती है कि अन्तर कर पाना कठिन हो जाता है। हमे स्वयं की जागरुकता से हनीट्रैप से बचना होगा यदि आपके पास सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म से फ्रेंड रिक्वेस्ट आये तो सर्वप्रथम उसकी आईडी को अच्छे से जांथ लें यदि उसमें आपका कोई म्यूचल फैड है तो इसके बारे में जानकारी लें। यदि उसके बारे में कोई जानकारी नहीं मिले तो उसे ब्लॉक कर दें। यदि कोई खुबसूरत महिला आपको सोशल मीडिया पर बात करने का प्रस्ताब देती तो आपको जागरूक होना चाहिये आप में ऐसा क्या विशेष है जोकि यह आपसे बात करने के लिए आकर्षित हो रही है। इसके पीछे का उद्देश्य आप इस प्रकार के पद पर हो जिससे गोपनीय सूचना प्राप्त की जा सकती है, या आप आर्थिक रूप से सशक्त हो ताकि ब्लैकमेल करके बडी मात्रा में धन की प्राप्ति की जा सकती है। हाल ही में अनेक मामले देखे गये हैं हनीट्रैप के शिकार अनेक व्यक्तियों ने आत्महत्या कर ली है। उत्तर प्रदेश के बांदा जिले के सर्राफा व्यवसायी ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली सुसाइड नोट में एक महिला समेत कई लोगों पर ब्लैकमेल का आरोप था। यदि कोई व्यक्ति हनीट्रैप के जाल में फंस गया है तो सर्वप्रथम उसको कोई गलत कदम नहीं उठाना चाहिये। जिंदगी खत्म करना बहुत आसान है जीवन जीना बहुत बड़ी चुनौती इन चुनातियों से निपटकर आप मजबूत इंसान बनोगे। आप उन लोगों को जागरूक कर सकते हो जो इस जाल में फंसे हैं या फंसने वाले हैं। हनीट्रैप कोई नयी बात नहीं है प्रथम विश्व युद्ध के दौरान माताहारी नामक खुबसूरत महिला पर फ्रांस की जासूस होने और हनीट्रैप के जरिए खुफिया जानकारी लीक करने का आरोप लगाया। माताहारी द्वारा दी गयी सूचनाओं के 50 हजार से ज्यादा लोगों की जान चली गयी। सितम्बर 1917 में माताहारी को गोलियों से भूनकर सजा दी गयी। भारतीय न्याय संहिता की धारा 343 में जिसमें रंगदारी मांगना और धमकी देना यह गैर जमानती संज्ञेय अपराध है। यह अपराध समझौता योग्य करने नहीं है, इसके लिए सजा 3 साल या आर्थिक दंड दोनों है। इससे पहले यही बात आईपीसी की धारा 384 में उल्लेखित थी। सबसे बड़ी बात यह है हनीट्रैप से पीड़ित व्यक्ति पुलिस में शिकायत दर्ज नहीं करते जबकि पुलिस आपको बचाने के लिऐ होती है। पुलिस द्वारा ऐसे लोगों के लिए ऐसा पोर्टल तैयार किया जाए जहां शिकायतकर्ता की सूचना को गोपनीय रखा जाएं। बड़े शहरों में हनीट्रैप संघठित अपराध का स्वरूप ले चुका है।

क्षमावाणी-मन का कलुष धोने का पर्व.....

-डॉ. सुनील जैन संचय

भारत की प्राचीन श्रमण संस्कृति की अत्यन्त महत्त्वपूर्ण 'जिन' परम्परा ने क्षमा को पर्व के रूप में प्रचलित किया है। इसे क्षमावाणी भी कहते हैं। विश्व के इतिहास में यह पहला पर्व है, जिसमें शुभकामना, बधाई, उपहार न देकर सभी जीवों से अपने द्वारा जाने-अनजाने में किए गए समस्त अपराधों के लिए क्षमायाचना करते हैं। क्षमा करने और क्षमा माँगने के लिए विशाल हृदय की आवश्यकता होती है। तीर्थंकरों ने सम्पूर्ण विश्व में शांति की स्थापना के लिए सूत्र दिया है—

खम्मामि सव्वजीवाणं, सव्वे जीवा खमंतु मे।
मित्ती मे सव्वभूदेसु, वेरं मज्झम ण केणवि।।

अर्थात मैं सभी जीवों को क्षमा करता हूँ। सभी जीव मुझे भी क्षमा करें। मेरी सभी जीवों से मैत्री है। किसी के साथ मेरा कोई वैर भाव नहीं है। क्षमावणी का पर्व सौहार्द, सौजन्यता और सद्भावना का पर्व है। आज के दिन एक दूसरे से क्षमा मांगकर मन की कलुषता को दूर किया जाता है। मानवता जिन गुणों से समृद्ध होती है उनमें क्षमा प्रमुख और महत्वपूर्ण है। कषाय के आवेग में व्यक्ति विचार शून्य हो जाता है। और हिताहित का विवेक खोकर कुछ भी करने को तैयार हो जाता है। लकड़ी में लगने वाली आग जैसे दूसरों को जलाती ही है, पर स्वयं लकड़ी को भी जलाती है। इसी तरह क्रोध कषाय को समझ पर विजय पा लेना ही क्षमा धर्म है। रामधारी सिंह दिनकर ने कहा है कि क्षमा वीरों को ही सुहाती है। उन्होंने लिखा है कि- क्षमा शोभती उस भुजंग को जिसके पास गरल हो, उसका क्या जो दंतहीन, विषहीन, विनीत सरल हो।। क्षमा को सभी धर्मों और संप्रदायों में श्रेष्ठ गुण करार दिया गया है। जैन संप्रदाय में इसके लिए एक विशेष दिन का आयोजन क्षमावाणी के रूप में किया जाता है। मनोविज्ञानी भी क्षमा या माफी को मानव व्यवहार का एक अहम हिस्सा मानते हैं। उनका कहना है कि यह इंसान की जिन्दगी का एक अत्यंत महत्वपूर्ण पहलू है। क्षमावणी पर्व हमारी वैमनस्यता, कलुषता बैर—दुश्मनी एवं आपस की तमाम प्रकार की टकराहटों को समाप्त कर जीवन में प्रेम, स्नेह, वात्सल्य, प्यार, आत्मीयता की धारा को बहाने का नाम है, हम अपनी कषायों को छोड़ें, अपने बैरों की गांठों को खोलें, बुराइयों को समाप्त करें, बदले, प्रतिशोध की भावना को नष्ट करें, नफरत—घृणा, द्वेष बंद करें, आपसी झगड़ों, कलह को छोड़ें।अनुसंधानकर्ताओं ने यह निष्कर्ष निकाला है कि लम्बे समय तक मन में बदले की भावना, ईर्ष्या—जलन और दूसरों के अहित का चिन्तन और प्रयास करने पर मनुष्य भावनात्मक रूप से बीमार रहने लगता है।जीवन में जब भ ी कोई छोटी-बड़ी परेशानी आती है तब व्यक्ति अपने मूल स्वभाव को छोड़कर पतन के रास्ते पर चल पड़ता है। जो कि सही नहीं है, हर व्यक्ति को अपना आत्म ?चिंतन करने के पश्चात सत्य रास्ता ही अपनाना चाहिए। हमारी आत्मा का मूल गुण क्षमा है। जिसके जीवन में क्षमा आ जाती है उसका जीवन सार्थक हो जाता है। क्षमायाचना और क्षमादान चाहे दो आत्मीय जनों के बीच हो अथवा समूहों या राष्ट्रों के बीच , यदि ईमानदारी के साथ क्षमायाचना की जाती है , तो यह अपमान की भावना का निराकरण करती है। क्षमा में बहुत बड़ी शक्ति होती है। क्षमाशीलता का भारी महत्व है , पर हम इसके बारे में बहुत कम ध्यान देते हैं। क्षमा का जीवन में बहुत बड़ा महत्व है। अगर इंसान कोई गलती करे और उसके लिए माफी मांग ले तो सामने वाले का गुस्सा काफी हद तक दूर हो जाता है। जिस तरह क्षमा मांगना व्यक्तित्व का एक अच्छा गुण है, उसी तरह किसी को क्षमा कर देना भी इंसान के व्यक्तित्व में चार चांद लगाने का काम करता है। क्षमायाचना करने के लिए हममें अपनी गलती , असफलता और कमजोरी को स्वीकार करने की क्षमता होनी जरूरी है। पर निरंतर जीत के लिए हम इतने आतुर होते हैं कि अपनी गलतियों और कमजोरियों को स्वीकार करने की हमें फुरसत ही नहीं मिलती।

क्षमा ने ही युगों-युगों से मानव-जाति को नष्ट होने से बचाया है

किसी को किसी की भूल के लिए क्षमा करना और आत्मग्लानि से मुक्ति दिलाना एक बहुत बड़ा परोपकार है। क्षमा करने की प्रक्रिया में क्षमा करने वाला क्षमा पाने वाले से कहीं अधिक सुख पाता है।अगर आप किसी की भूल को माफ करते हैं तो उस व्यक्ति की सहायता तो करते ही हैं साथ ही साथ स्वयं की सहायता भी करते हैं। अत: मन के बैर-भाव के विसर्जन करने के इस अवसर को अपने हाथ से जाने न दें और इसका लाभ उठाते हुए सभी से क्षमा-याचना करें ताकि हमारा मन और आत्मा शुद्ध हो सकें। साथ ही दूसरे के मन को भी हम शांति पहुंचा सकें, यही हमारा प्रयास होना चाहिए।

किसी ने ठीक ही लिखा है-

जैसा भी हो सम्बन्ध बनाये रखिये।
दिल मिले या न मिले हाथ मिलाते रहिये।।

कारीगरों और शिल्पकारों के कौशल उन्नयन की परिकल्पना:पीएम विश्वकर्मा

सुश्री शोभा करंदलाजे

भारत पारंपरिक कला और शिल्प के विभिन्न प्रतिरूपों का देश रहा है। ये कला और शिल्प न केवल हमारी गौरवशाली विरासत का हिस्सा रहे हैं, बल्कि ये बड़ी संख्या में लोगों के लिए जुड़ाव और रोजगार सृजन में भी महत्वपूर्ण योगदान देते हैं। मिट्टी के बर्तन बनाने, नाव बनाने, जूते बनाने जैसे व्यवसायों में कार्यरत कारीगर और शिल्पकार अपने आस-पास के लोगों के जीवन से जुड़े होते हैं और ग्रामीण भारत की अर्थव्यवस्था में उनका योगदान महत्वपूर्ण होता है। इनमें से ज़्यादातर कारीगर और शिल्पकार अनौपचारिक अर्थव्यवस्था का हिस्सा रहे हैं तथा वे अपने हाथों और औज़ारों से काम करते हैं। इस पृष्ठभूमि में, माननीय प्रधानमंत्री ने 17.09.2023 को विश्वकर्मा जयंती के अवसर पर पीएम विश्वकर्मा योजना का शुभारंभ किया था, ताकि विभिन्न सकारात्मक कार्यक्रमों के माध्यम से इन कारीगरों और शिल्पकारों, जिन्हें विश्वकर्मा के नाम से जाना जाता है, के जीवन में बदलाव लाया जा सके। पीएम विश्वकर्मा योजना एक समग्र योजना है, जो कारीगरों और शिल्पकारों को प्रारंभ से अंत तक सहायता प्रदान करती है। इस योजना के अंतर्गत शामिल पारंपरिक व्यवसाय हैं: बढ़ई (सुथार/बधाई), नाव निर्माता, कवच निर्माता, लोहार, हथौड़ा और औजार निर्माता, ताला निर्माता, सुनार (सोनार), कुम्हार, मूर्तिकार (पत्थर तराशने वाले), पत्थर तोड़ने वाले, मोची (चर्मकार/जूते बनाने वाले), राजमिस्त्री, टोकरी/चटाई/झाड़ू निर्माता/कॉयर बुनकर, गुड़िया और खिलौना निर्माता (पारंपरिक), नाई, माला निर्माता (मालाकार), धोबी, दर्जी और मछली पकड़ने के जाल निर्माता इत्यादि। यह योजना संपूर्ण सरकार दृष्टिकोण पर आधारित है। भारत सरकार के तीन मंत्रालयों अर्थात् सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम मंत्रालय, कौशल विकास एवं उद्यमिता मंत्रालय और वित्तीय सेवा विभाग द्वारा इस योजना को सह-कार्यान्वित किया जा रहा है। इन मंत्रालयों और राज्य सरकारों के बीच निरंतर समन्वय और रचनात्मक सहयोग होते हैं, जो इसे देश में अब तक शुरू की गई और कार्यान्वित की गई सबसे अनूठी योजनाओं में से एक बनाता है। योजना के लाभार्थियों की त्रिस्तरीय सत्यापन प्रक्रिया में राज्य सरकारें बहुत महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। योजना को लेकर लोगों की प्रतिक्रिया बेहद सकारात्मक रही है। जब 2023 में योजना शुरू की गई थी, तो उम्मीद थी कि पांच साल की अवधि में 30 लाख लाभार्थी इससे जुड़ जाएंगे। यह देखकर खुशी होती है कि 11 महीनों के भीतर 2.36 करोड़ नामांकन हो चुके हैं और इनमें से 17.16 लाख लाभार्थियों ने तीन-चरणीय सत्यापन प्रक्रिया के बाद सफलतापूर्वक पंजीकरण कराया है। कर्नाटक में कई विश्वकर्मा समुदाय हैं, जिनकी अपनी अनूठी रचनात्मकता और क्षमता है। ये समुदाय पत्थर की नक्काशी, लकड़ी का काम, चंदन की नक्काशी, बिदरी का काम जैसा धातु का काम, गुड़िया और खिलौने बनाना आदि विभिन्न कला रूपों में काम कर रहे हैं। कर्नाटक राज्य में पीएम विश्वकर्मा योजना के लिए बहुत सकारात्मक प्रतिक्रिया मिली है। कर्नाटक में अब तक 28.99 लाख नामांकन हो चुके हैं। इनमें से 3.93 लाख लाभार्थियों ने सफलतापूर्वक पंजीकरण कराया है। लगभग 2 लाख लाभार्थियों ने अपना कौशल प्रशिक्षण पूरा कर लिया है और 35,000 से अधिक लाभार्थियों के लिए 1 लाख रुपये तक के ऋण स्वीकृत किये गए हैं। कुल मिलाकर, इन लाभार्थियों को ऋण के रूप में 305.08 करोड़ रुपये की धनराशि स्वीकृत की गई है। इस योजना में इन व्यवसायों में लगे विश्वकर्माओं को 'सम्मान' देने, उनके 'सामर्थ्य' को उन्नत करने और उनमें 'समृद्धि' लाने पर जोर दिया गया है। लाभार्थियों को पंजीकृत होने के बाद पीएम विश्वकर्मा प्रमाण पत्र और पहचान पत्र देकर 'सम्मान' दिया जाता है। 'सामर्थ्य' निर्माण के लिए, इस योजना में कारीगरों और शिल्पकारों के कौशल उन्नयन की परिकल्पना की गई है। लाभार्थियों को संबंधित कारीगरी और शिल्पकारी के मास्टर प्रशिक्षकों द्वारा 6 दिनों का उच्च गुणवत्ता युक्त प्रशिक्षण दिया जाता है। लाभार्थियों को पारिश्रमिक मुआवजे के रूप में प्रतिदिन 500 रुपये का वजीफा और 1,000 रुपये का यात्रा भत्ता दिया जाता है। इसके अलावा, प्रशिक्षण के दौरान लाभार्थियों के लिए भोजन और आवास की सुविधा पूरी तरह से सरकार द्वारा वित्त पोषित है और नि:शुल्क प्रदान की जाती है। 'सामर्थ्य' का एक अन्य पहलू कारीगरों और शिल्पकारों को अपने संबंधित कार्य-क्षेत्र में आधुनिक और नवीनतम उपकरणों का उपयोग करने में सक्षम बनाने के लिए 15,000 रुपये तक का टूलकिट प्रोत्साहन दिया जाता है। एमएसएमई मंत्रालय ने डाक विभाग के साथ सहयोग स्थापित किया है, जो देश भर में फैले अपने नेटवर्क के माध्यम से यह सुनिश्चित करेगा कि लाभार्थियों को उनके घरों पर ही टूलकिट सौंपे जाएं। किफायती ऋण और व्यापक बाजारों तक पहुंच प्रदान करने के जरिये लाभार्थियों की 'समृद्धि' की परिकल्पना की गई है। इस योजना के तहत 5त्न की रियायती ब्याज दर पर 1 लाख रुपये और 2 लाख रुपये की दो किस्तों में 3 लाख रुपये तक के गिरवी-मुक्त ऋण उपलब्ध कराए जाते हैं। लाभार्थियों से कोई गारंटी शुल्क नहीं लिया जाता है। इसके अलावा, यह योजना लाभार्थियों को डिजिटल लेनदेन अपनाने के लिए प्रोत्साहित करती है और हर बार डिजिटल लेनदेन करने पर कैशबैक दिया जाता है। हर महीने, प्रत्येक डिजिटल भुगतान या रसीद के लिए लाभार्थी के खाते में अधिकतम 100 लेनदेन तक प्रति डिजिटल लेनदेन 1 रुपये जमा किया जाता है। इस योजना का एक हिस्सा है - घरेलू और अंतरराष्ट्रीय, दोनों बाजारों में इन कारीगरों के उत्पादों और सेवाओं को बढ़ावा देने की विपणन रणनीति। इसमें गुणवत्ता प्रमाणन, ब्रांडिंग, विज्ञापन, प्रचार और अन्य विपणन गतिविधियां शामिल हैं, जिनका उद्देश्य मूल्य श्रृंखलाओं के साथ उनके संबंधों का विस्तार करना है। योजना के विपणन घटक के तहत जीईएम, ओएमडीसी जैसे ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म पर शामिल होने और गुणवत्ता प्रमाणन प्राप्त करने आदि को प्रोत्साहित किया जाता है। यह योजना पारंपरिक कारीगरों और शिल्पकारों को अपने स्वयं के उद्यम स्थापित करने के लिए सक्षम बनाकर एक नए भारत के निर्माण में सहायक बनने के लिए तैयार है। यह भारत की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को संरक्षित करने वालों का समर्थन करने के लिए सरकार द्वारा किया गया एक सराहनीय प्रयास है और राष्ट्र हमारे आर्थिक परिदृश्य में विश्वकर्माओं के उत्थान को देखने के मार्ग पर आगे बढ़ रहा है।

(लेखिका सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम मंत्रालय और श्रम एवं रोजगार मंत्रालय की राज्य मंत्री हैं)

दैनिक
विश्व परिवार
रायपुर/धर्म समाज/देश
रायपुर, बुधवार 18 सितंबर 2024
www.dainikvishwapariwar.com
vishwapariwarraipur@gmail.com

'उन्मुक्त योनाचार' को कानूनी मान्यता मिलने से युवक-युवतियों ने शील सदाचार और संयम को नष्ट किया है : मुनि श्री प्रमाण सागर जी महाराज

इंदौर (विश्व परिवार)। उन्मुक्त योनाचार (लिव एन्डरिलेशनशिप) को कानूनी मान्यता मिलने से शील सदाचार और संयम नष्ट हुआ है उपरोक्त उदगार मुनि श्री प्रमाण सागर जी महाराज ने पर्युषण पर्वराज दशलक्षण धर्म वृत के अंतिम दिवस उत्तम बृह्मचर्य दिवस पर व्यक्त किये। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में युवक युवतियों की उच्च शिक्षा की बढ़ती चाह और विवाह की बड़ती हुई उम्र इसके लिये जिम्मेदार है सही समय पर विवाह सम्वंध न होने से उनके कदम उन्मुक्त योनाचार की ओर बड़ रहे है, आजकल के युवक युवतियों में विवाह भले ही न हों लेकिन जो सम्वंध विवाह के पश्चात होंना चाहिये वह पहले से ही हो जाते है उन्होंने कहा कि हो सकता है कि यह बात आपको चुभ रही हो लेकिन यह सत्य है क्योंकि जब युवक युवतियां भटक जाते है तो जो बात वह अपने माता पिता या सगे सम्वंधिओं को नहीं बता पाते वह बात गुरु के पास आकर बता जाते है और उसी आधार पर में यह बात कह रहा हूँ आज की तारीख में 10 में से नौ की हालत बेहाल है उन्होंने कहा कि जब पिछले दिनों कार्यशाला संपन्न हुई तो उन्होंने अपने कन्फेशन में इस बात को स्वीकार किया कि मर्यादा टूट चुकी है।उन्होंने कहा कि आजकल बातावरण ऐसा बना दिया गया है कि लोगों को सम्हलना मुश्किल हो गया है।शास्त्रों में लिखा है कि तरुण अवस्था में इन्द्रियों का निग्रह कर पाना कठिन होता है, एक साथ तीसरी चौथी क्लास से साथ में वैठना, साथ में पड़ना, साथ में कोचिंग करने से एक दूसरे के प्रति आकर्षण बड़ता है और फिर आज के समय में मोवाईल ने उन बच्चों को पूरी तन्हाई प्रदान कर दी जिसका परिणाम मर्यादाओं का हनन है उन्होंने कहा कि आध्यात्म की कोई खुराक तो मिलती नहीं आत्मवोध न होंने से उनके जीवन में भटकाव आ जाता है, और भटकाव से बचने का एक ही रास्ता है उनको आध्यात्मिक और नैतिकता की शिक्षा दी जाऐ वरना आऐ दिन जिस प्रकार की घटनाएं घट रही है सरे आम किडनैप और व्याभिचार की घटनाओं से मुक्ति नही पाई जा सकती मात्र फांसी पर चड़ा दैने से व्याभिचार नहीं रूकेगा उन्होंने विनोबा जी की पक्तियों को दौहराते हुये कहा कि कानून के बल पर हम वैश्यावृत्ति को बंद कर सकते है, लेकिन हर किसी में मां और बहन का रुप केवल धर्म ही दिखा सकता है उन्होंने कहा कि धार्मिक और आध्यात्मिक चेतना का विकास होंना चाहिये। मुनि श्री ने कहा कि दुश्प्रवत्तीओं पर नियंत्रण रखना जरुरी है अपनी लालसा को नियंत्रण करना जरूरी है उन्होंने कहा कि मनुष्य पर्याय बड़ी मुश्किलों से मिली है, यदि आप अपने जीवन को पवित्र और पावन रखना चाहते हो तो भोगाशक्ती को रोकना होगा उन्होंने कहा कि विवाह का उद्देश्य बासना का निमंत्रण नहीं बासना पर नियंत्रण है इसीलिये शास्त्रों में योन सदाचार का पालन करने के लिये कहा गया है जो लोग गृहस्थ अवस्था में रहते हुये स्वदार संतोष वृत का पालन करते है वह भी बृह्मचारी है मुनि श्री ने धर्मसभा में तथा पारस जिनवाणी चैनल के माध्यम से सुन रहे सभी बंधुओं को सपथ दिलाते हुये कहा कि आज आप सभी लोगों को दो सपथ लैना है कि विवाह-पूर्व कोई सम्वंध नहीं बनाऊंगा और विवाह के पश्चात अपनी पत्नी को छोड़कर संसार की सभी स्त्रियों में मां बहन का रुप देखूंगा उन्होंने अनचाही परिस्थितियों में युवतियों द्वारा जो गर्भपात कराया जाता है यह महापाप की श्रैणी में आता है इससे वह आने बाली संतान से बंचित हो जाती है। इससे बचना चाहिये। उन्होंने कहा कि आजकल के बच्चे भी समय से पहले व्यस्क हो जाते है देखने में आ रहा है कि 12-13 साल के बच्चे वह सभी बातें जान जाते है जो उनको विवाह के पश्चात जानना चाहिये उन्होंने कहा कि तरुण अवस्था में इन्द्रियों का निग्रह करना बहूत कठिन होता है इसलिये इस अवस्था में उनको सम्हालना बहूत आवश्यक है खासकर के हमारी बेटीओं को जो कि इस उन्मुक्त बातावरण के प्रभाव में बहूत जल्द आ जाती है। इस अवसर पर मुनि श्री निर्वेग सागर जी महाराज एवं मुनि श्री संधान सागर जी महाराज सहित समस्त क्षुल्लक महाराज मंचासीन रहे। **-अविनाश जैन**

आत्मा में रमणकरना ब्रह्मचर्य है : आचार्य श्री वर्धमान सागर जी

पारसोला (विश्व परिवार)। दशलक्षण पर्व के अंतिम दिन उत्तम ब्रह्मचर्य दिवस पर आचार्य श्री ने अपने धर्म देशना में बताया कि ब्रह्मचर्य अर्थात अपनी आत्मा में रमन करना ब्रह्मचर्य से आशय केवल एक इन्द्रिय पर संयम नहीं वरन पांचो इंद्रीय के जो 28 विषय हैं उसका संयम करना चाहिए। ब्रह्मचर्य धर्म का पालन करने वाले अनेक उदाहरण आचार्य श्री ने प्रवचन में कुछ उदाहरण बताए इसलिए छोटे-छोटे नियम लेकर जीवन के परिणाम शांत करें ।ब्रह्मचर्य आत्मा में रमन करने को कहते हैं महासती महापुरुषों तीर्थंकरों ने जीवन को ब्रह्मचर्य से सार्थक किया है ब्रह्मचर्य व्रत अमृत समान है इसलिए 28 प्रकार के विषयों को सीमित करें पर्व में परिणाम निर्मल रखकर 10 धर्म का पालन करें क्योंकि यह आत्मा का धर्म है यह मंगल देशना पारसोला की धर्म सभा में आचार्य शिरोमणि श्री वर्धमान सागर जी ने प्रगट की। ब्रह्मचारी गज्जू भैया एवं राजेश पंचोलिया अनुसार आचार्य श्री ने प्रवचन में आगे बताया कि क्या है ब्रह्मचर्य ? आचार्य कहते हैं अपनी शुद्ध बुद्ध आत्मा में शरीर आदि पर द्रव्य का त्याग करने वाले साधु की निर्बाध परिणीति को ब्रह्मचर्य कहते हैं ।ब्रह्मचर्य व्रत को जो निरंतर पालते हैं वह परम आनंद को उपलब्ध होते हैं। इस प्रकार ब्रह्मचर्य का अर्थ है ब्रह्म संबंधी आचरण। दशलक्षण धर्म के अंतिम पड़ाव पर ब्रह्मचर्य का कथन है। ब्रह्मचर्य उत्तम देवता है पुण्य बढ़ाने वाला है नर्क के द्वार को बंद करने के लिए अत्यंत मजबूत बेड़ा है। तीर्थंकर परम देव भी इसकी सेवा करते हैं इन्द्र सहित समस्त देवगण इसकी पूजा करते हैं यह अत्यंत आदर सत्कार देने वाला है ऐसे ब्रह्मचर्य रूपी देवता की सदा आराधना करना चाहिए। दशलक्षण पर्व पर धर्म की वर्षा हो रही है। धर्म के शिखर पर ध्वजा लगाना है।ब्रह्मचर्य व्रत का दिन है । संसारी प्राणी दिनभर अनेक भव में परिभ्रमण करते हैं किंतु थकान नहीं होती किंतु दशलक्षण के 10 दिनों में आप थक जाते हैं संसारी प्राणी जो सिद्ध भगवान बने हैं उन्होंने अपनी आत्मा में डुबकी लगाई है। नदी तालाब आदि में कपड़े उतार कर स्नान करते हैं उसी प्रकार आत्मा में भी स्नान रमन करने के लिए आपको लोभ कषाय इंद्रीय शमन करना होगा कषायो को दूर करेंगे तभी आप आत्मा में तल्लीन रह सकते हैं। 24 तीर्थंकरों में पांच तीर्थंकर बाल ब्रह्मचारी रहे हैं संसार भ्रमण में आत्मा में विभव परिणति के कारण दुख पा रहे हो जिन्होंने आत्मा में लीन होकर डुबकी लगाई वह सिद्ध अवश्य बने हैं ।आत्मा में परमात्मा बनने और सिद्ध बनने की शक्ति है। आत्मा में निवास करना ब्रह्मचर्य है। कुंथलगिरी में कुल भूषण और देश भूषण महामुनिराज की प्रतिमा है वहां से वह निर्वाण को प्राप्त हुए हैं। पर्व में चार कषाय और पांच इंद्रियों का नियंत्रण ही ब्रह्मचर्य है आचार्य शांति सागर जी महाराज बाल ब्रह्मचारी थे।उनकी पट्ट परंपरा के सभी आचार्य श्री वीर सागर जी, आचार्य श्री शिवसागर जी आचार्य श्री धर्मसागर जी आचार्य श्री अजित सागर जी और आचार्य श्री भी बाल ब्रह्मचारी रहे हैं। सभी समाज जन को अभिषेक पूजन स्वाध्याय कर मनुष्य जीवन सार्थक करना चाहिए पुण्य के फल से भौतिक सामग्री तथा आध्यात्मिक धर्म मिलता है इसलिए आत्मा का घात करने वाली कषाय का त्याग करना चाहिए । पर्व जीवन के निर्माण के लिए आते हैं पर्व से परिणाम निर्मल बनाए जाते हैं शांतिपूर्वक आनंद से पर्व मनाने से विशेष पुण्य मिलता है तपस्वियो के बारे में चर्चा कर बताया कि कोई 32 कोई 16 कोई 10 उपवास कर रहे हैं तपस्वियों के जीवन में परिवर्तन छोटे-छोटे नियम से आना चाहिए तभी आपकी तपस्या सार्थक होगी। बाल ब्रह्मचारी तीर्थंकर श्री वासु पूज्य भगवान का निर्वाण लाडू आचार्य संघ सानिध्य में चढ़ाया गया।

अचार्य संघ के सानिध्य में 66 तपस्वियों द्वारा 10 दिन की व्रत उपवास तथा 85 तपस्वियों द्वारा अनंत व्रत की साधना आचार्य संघ सानिध्य में की गयी है। **-राजेश पंचोलिया**

अनंत चतुर्दशी पर निर्वाण लाडू चढ़ाकर मनाया वासुपूज्य भगवान का मोक्ष कल्याणक

दशलक्षण महापर्व के अंतिम दिन उत्तम ब्रह्मचर्य धर्म को किया अंगीकार, बहुमण्डल वासुपूज्य जिनालय ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले बच्चों को किया पुरस्कृत

पंच इन्द्रियों द्वारा सांसारिक विषयों में किसी प्रकार की लालसा न रखना ब्रह्मचर्य धर्म है : पं. संतोष कुमार

ललितपुर (विश्व परिवार)। पर्यूषण महापर्व के अंतिम दिन सिद्ध क्षेत्र पावागिरि में अध्यक्ष ज्ञानचंद पुरा के निर्देशन में एवं तालबेहट के पारसनाथ दिगम्बर जैन मंदिर में अमन भैया सांगानेर के नेतृत्व और गंगाराम एन्ड पार्टी के मधुर संगीत में और वासुपूज्य दिगम्बर जैन मंदिर में पं. संतोष कुमार ललितपुर के निर्देशन और हरिशंकर शर्मा एन्ड पार्टी के मधुर संगीत में भक्ति भाव के साथ सुबह नित्यमय अभिषेक के उपरांत विश्व शांति की मंगल कामना के साथ मंत्रोच्चार के मध्य शांतिधारा, पूजन विधान का आयोजन एवं उत्तम ब्रह्मचर्य धर्म की आराधना की गयी। अनंत चतुर्दशी पर निर्वाण लाडू चढ़ाकर जैन धर्म के 12 वें तीर्थंकर वासुपूज्य भगवान का मोक्ष कल्याणक मनाया। दोपहर की बेला में जल विहार कार्यक्रम में श्रद्धालु मानसरोवर से जल लेकर आये और वार्षिक कलशाभिषेक का आयोजन किया गया।विद्वानों ने सुबह तत्त्वार्थ सूत्र वाचन एवं सायं काल की बेला में शास्त्र प्रवचन के माध्यम से दसलक्षण धर्म के महत्व पर प्रकाश डाला। धर्म श्रेष्ठियों ने आचार्य विद्यासागर महाराज के चित्र का अनावरण कर ज्ञान दीप प्रज्वलित किया। पंडित संतोष कुमार जैन ने धर्म सभा को सम्बोधित करते हुए कहा सांसारिक विषयों में पंच इन्द्रियों द्वारा किसी प्रकार की लालसा न रखना ब्रह्मचर्य धर्म है, इसमें विषय भोंगों पर संयम रखा जाता है। रात्रि में भक्तामर पाठ के साथ 48 दीपक प्रज्वलित कर मंगल आरती का आयोजन किया गया। बहुमण्डल वासुपूज्य जिनालय ने पर्यूषण पर्व में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले बच्चों को पुरस्कृत किया। इस मौके पर शिखरचन्द्र, राजकुमार, संत मिठ्या, कमल मोदी, अशोक कुमार, ऋषभ जैन, महेन्द्र कुमार, सनत चौधरी, अनिल जैन, देवेंद्र कुमार, अरुण मोदी, पुष्पेंद्र कुमार, प्रवीण जैन, राजीव कुमार, यशपाल जैन, सुनील कुमार, श्रेयांश कुमार, राकेश जैन, मेघराज, मनोज कुमार, चक्रेश कुमार, कमलेश जैन, सजल मोदी, अजय जैन अज्जू, शैलेश कुमार, रीतेश जैन, सुधीर कुमार, कपिल मोदी, प्रीतेश कुमार, हितेंद्र पवैया, वीरेंद्र कुमार, विनय जैन, प्रदीप एड, सुशील मोदी, संतोष कुमार, भूपेंद्र जैन, अरविन्द भंडारी, विकास जैन, जितेंद्र बड़ौरा, धरणेन्द्र कुमार, विशाल जैन, आकाश चौधरी, सौरभ जैन, रोहित कुमार, स्वतंत्र जैन, पंकज भंडारी, आदेश मोदी, राहुल जैन, रुपेश कुमार, अनुराग, सुरेंद्र, नीलेश, अंजेश, रंजीत, अमित, अनुज, अभिषेक, आशीष, मयूर, अंकित, प्रिंस, पियूष, शानि, नितिन, विनम्र, रिंकू, अजय, अमन, मुकुल, अर्पण, सरल, पुनीत, पारस, सिद्धार्थ, अक्षत जैन सहित मंदिर समिति एवं सकल दिगम्बर जैन समाज का सक्रिय सहयोग रहा। संचालन विशाल जैन पवा एवं आभार व्यक्त प्रवीन भंडारी और रोहित बबीना ने किया। **-विशाल जैन**

आनंदपूर्ण आकिंचन्य-धर्म : अध्यात्मयोगी आचार्य रत्न श्री विशुद्धसागर जी गुरुदेव

नांदणी महाराष्ट्र (विश्व परिवार)। पर्वराज पर्युषण महापर्व पर आयोजित आध्यात्मिक श्रावक संयम-साधना संस्कार शिविर में संबोधन करते हुए अध्यात्मयोगी आचार्य रत्न 108 श्री विशुद्धसागर जी गुरुदेव ने कहा कि पर-पदार्थ (धन, सम्पत्ति, धरती, भवन, वस्त्रादि) कुछ भी मेरा नहीं है। आत्म द्रव्य भिन्न है, शरीर भिन्न भिन्न है। तन भी भी मेरा नहीं है। ध्रुवधाम टंकोत्कीर्ण भगवानात्मा से संसार के सर्व-पदार्थ अत्यंत भिन्न हैं। मैं पर का नहीं, पर मेरे नहीं। मैं अकेला था, अकेला हूँ और हमेशा अकेला ही रहूँगा। मुझमें पर नहीं, पर में मैं नहीं। मैं पर का नहीं, पर मेरे नहीं। मैं पर-से परिपूर्ण भिन्न हूँ, पर मेरे से अत्यन्त भिन्न हैं। कभी भी पर मेरे नहीं होंगे, मैं पर का नहीं होऊँगा।

मैं आकिंचन्य स्वरूप हूँ। मैं ब्रह्म स्वरूप हूँ। मैं गैकालिक शुद्ध-बुद्ध सिद्ध-स्वरूपी हूँ। मुझमें कर्म नहीं, मुझमें राग-द्वेष मोह परिणाम नहीं। मुझमें आकांक्षा नहीं, मुझमें कष्ट पीड़ा नहीं। मैं दर्शन- ज्ञान स्वभावी चैतन्य-भगवान-आत्मा हूँ। मैं मैं हूँ पर का मुझमें मिश्रण नहीं, मैं किसी का कर्ता नहीं, यही है परम-आनन्द स्वरूप आकिंचन्य-धर्म।

न किंचनम् इति आकिंचन

किंचित् मण मेरा कुछ नहीं, मैं पर का नहीं, यही है आकिंचन्य-धर्म।।

सर्वप्रथम क्रोध को छोड़ा क्षमाधर्म, प्रकट किया, पश्चात् मान, माया, लोभ कषाय को छोड़ा फलत: मार्दव, आर्जव, शौच धर्म प्रकट किया। सत्य स्वीकार किया। तप-संयम धारण किया, फिर वस्तु स्वरूप को समझकर बाह्य- अंतरंग परिग्रह को त्याग दिया। क्षमा, मार्दव, आर्जव, शौच सत्य, संयम, तप, त्याग के उपरान्त प्रकट होता है परमानन्द- स्वरूप %आकिंचन्यधर्म। **-अभिषेक अशोक पाटील**

गौ उपचार एवं पक्षी चिकित्सालय बनेगा आदर्श सेवा का केन्द्र

अनंतचतुर्दशी पर मुनि श्री के सानिध्य में श्रावकों ने दिखाई दानशीलता, जैन मंदिरों में हुआ महामस्तिकाभिषेक

भगवान वासुपूज्य निर्वाण कल्याणक पर चढाया निर्वाण लाडू, व्रत उपवास के साथ मनाया पर्यूषण पर्व

ललितपुर (विश्व परिवार)। पर्यूषण पर्व पर अभिनंदनोदय तीर्थ के प्रांगण में अनंतचतुर्दशी पर मुनिश्री 108 अविचल सागर महाराज के सानिध्य में दिगम्बर जैन पंचायत के तत्वावधान में प्रस्तावित आचार्य विद्यासागर गौ उपचार केन्द्र एवं संत सुधासागर पक्षी चिकित्सालय के लिए श्रावकों ने दानशीलता दिखाई एवं हर संभव सहयोग के लिए संकल्पित हुए। मुनि श्री की प्रेरणा से हाईवे पर उक्त चिकित्सा केन्द्र के माध्यम से अब किसी भी घायलावस्था में पशु-पक्षी के लिए तड़पना नहीं पड़ेगा।धर्मसभा में मुनिश्री ने कहा उनका प्रयास है कि हाईवे पर ऐसे चिकित्सा केन्द्र हो जिसके लिए दया भावना फाउन्डेशन के माध्यम से श्रेष्ठीजनों का प्रयास है ताकि आचार्य श्री विद्यासागर महाराज द्वारा किए गए मूक पशुओं के संरक्षण का कार्य पूरा हो सके। मुनि श्री ने कहा ब्रहम्चर्य के माध्यम से व्रतों को पालन कर अपने शरीर को मजबूत बनाकर जीवन व्यतीत करें। जैन पंचायत अध्यक्ष डा0 अक्षय टडैया ने गौ उपचार केन्द्र एवं पक्षी चिकित्सालय की योजना को विस्तार से समाज के बीच रखा।धर्मसभा का शुभारम्भ आचार्य श्री विद्यासागर महाराज के चित्र के सम्मुख दीपप्रज्जवलित कर श्रेष्ठीजनों ने किया। इसके पूर्व तत्वार्थ सूत्र का वाचन ब्रहम्चारिणी सविता एवं नीलम जैन द्वारा किया गया, जबकि अर्घ अभिनंदनोदय तीर्थ पाठशाला परिवार ने समर्पित किया। इस मौके पर आमंत्रित विद्वान पंकज शास्त्री ने निर्यापक मुनिश्री सुधासागर महाराज के आशीर्वाद से सांगानेर संस्थान की उपलब्धियों को बताया जिनके माध्यम से पूरे देश में विद्वानों द्वारा श्रमण संस्कृति का संदेश पहुंचाया जा रहा है। धर्मसभा का संचालन महामंत्री आकाश जैन ने किया। अनंत चतुर्दशी पर्व पर श्री जी का अभिषेक मुनिश्री के सानिध्य में श्रेष्ठी संदीप, सम्यक सराफ, सुरेश कुमार, आकाश जैन, पवन जैन पंडित, संजय रसिया मुन्नालाल, नरेन्द्र विरधा, प्रमोद पायवालों द्वारा किया गया जबकि आरती प्रमोद जैन पाय परिवार ने की। प्रात:काल अभिनंदनोदय तीर्थ पर श्रद्धालुओं ने भगवान वासूपूज्य के मोक्षकल्याणक पर निर्वाण लाडू चढ़ाया गया।आदिनाथ मंदिर गांधीनगर में श्रीजी का अभिषेक, शान्तिधारा हुई जिसमें पुण्यार्जन कमलेश जैन जरावली, विनोद जैन घी वाले, डॉ. शैलेन्द्र जैन, नीलेन्द्र जैन गदयाना, श्रीपाल जैन, कैप्टन राजकुमार जैन, दिनेश सतभैया ने प्राप्त किया।धर्मसभा का संचालन मंदिर प्रबंधक जितेन्द्र जैन राजू, सुभेन्दु जैन द्वारा किया गया। मध्यान्ह में नगर के पार्श्वनाथ जैन अटामंदिर, आदिनाथ बडा मंदिर, पार्श्वनाथ नया मंदिर, आदिनाथ मंदिर गांधीनगर, चन्द्रप्रभु मंदिर डोढाघाट, शान्तिनगर मंदिर गांधीनगर, इलाइट जैन मंदिर, सिविल लाइन, बाहुबलि नगर, एम्ब्रोसिया कालोनी, पार्श्वनाथ कालोनी में श्रीजी का अभिषेक हुआ।जिसमें श्रद्धालुजनों ने पहुंचकर पुण्यार्जन किया। पर्यूषण पर्व की व्यवस्थाओं की संयोजना में धार्मिक आयोजन संयोजक सनत खजुरिया, मंत्री कैप्टन राजकुमार जैन, सीए सौरभ जैन कोषाध्यक्ष, मीडिया प्रभारी अक्षय अलया, संयोजक प्रतीक इमलिया, राकेश जैन, मंदिर प्रबंधक मोदी पंकज जैन, अशोक दैलवारा, मनोज जैन बबीना, अजय जैन गंगचारी, जिनेन्द्र जैन रजपुरा, मनीष जैन, अजित जैन गदयाना, आनंद जैन भागनगर, आनंद जैन, संजय जैन ककडारी, वीणा जैन, अनूप जैन कैरू, विमल जैन, विकास जैन सौंरई आदि का योगदान रहा।

-अक्षय अलया

चल रहे चातुर्मास में प्रतिदिन उत्तम ब्रह्मचर्य धर्म

दसलक्षण महापर्व के नवम दिन का उत्तम ब्राह्मचार्य धर्म की आराधना

औरंगाबाद (विश्व परिवार)। तेलंगाना के मेदक जिले में स्थित श्री 1008 विघ्नहर पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र, कुलचारम में चातुर्मास दसलक्षण महापर्व का दसवां दिन, जो उत्तम ब्रह्मचर्य धर्म के रूप में मनाया जाता है, जैन समुदाय के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। तेलंगाना के मेदक जिले के श्री 1008 विघ्नहर पार्श्वनाथ दिगंबर जैन अतिशय क्षेत्र कुलचारम में चल रहे चातुर्मास के दौरान यह दिन विशेष आयोजन के साथ मनाया गया। इस पावन अवसर पर साधना शिरोमणि अंतर्मना आचार्य श्री 108 प्रसन्नसागरजी महाराज के आशीर्वाद और उपाध्याय श्री पियूष सागरजी महाराज के निर्देशन में धर्म कार्यों की अनेक श्रृंखलाएँ संपन्न हुईं।

दिन की शुरुआत प्रात:काल में पूजा, जिन आराधना और भगवान पार्श्वनाथ के मंगल अभिषेक और शांतिधारा के साथ हुई। इस दौरान गौग्रास सेवा (गायों के लिए आहार प्रदान करना) और बंदर ग्रास सेवा (बंदरों के लिए आहार वितरण) भी की गई, जो जैन धर्म में अहिंसा और सभी जीवों के प्रति करुणा का संदेश देती हैं। प्रात: पूजा मे अंतर्मना गुरुदेव ने आजीवन फल एवं जूस का त्याग किया। आज प्रात: अंतर्मना गुरुदेव ने केश लोंच संपन्न किया। विशेष रूप से, उपाध्याय श्री पियूषसागरजी महाराज की जन्मजयंती के अवसर पर अंतर्मना आचार्य श्री प्रसन्नसागरजी महाराज ने उन्हें मंगल आशीर्वाद प्रदान किया। इस दिन की एक अन्य महत्वपूर्ण बात अनंत चतुर्दशी, जिसके कारण समस्त संघ ने उपवास रखा। उपवास जैन धर्म में आत्म-शुद्धि और आत्म-संयम के प्रतीक के रूप में देखा जाता है।

उत्तम ब्रह्मचर्य धर्म की पूजा विधान के दौरान, अंतर्मना आचार्य श्री प्रसन्नसागरजी महाराज ने तत्त्वार्थ सूत्र पर विशेष प्रवचन दिया। ब्रह्मचर्य धर्म में संयम, आत्म-नियंत्रण और पवित्रता पर जोर दिया गया, जिसे गुरुदेव ने अपने मुखारविंद से विशद किया। उन्होंने यह बताया कि ब्रह्मचर्य सिर्फ शारीरिक संयम तक सीमित नहीं है, बल्कि यह विचारों और इंद्रियों के संयम का भी प्रतीक है। मध्यान में प्रवर्तक मुनि सहजसागरजी महाराज ने भी तत्त्वार्थ सूत्र का वाचन किया और गुरूपूजन के बाद धार्मिक प्रवचन दिए। इसके माध्यम से, उन्होंने धर्म के मर्म को समझाया और जीवन में संयम का महत्व बताया। संध्याकाल में, अनंत चतुर्दशी के अवसर पर विशेष युग श्रावक प्रतिक्रमण का आयोजन किया गया, जिसमें श्रद्धालुओं ने आत्म-निरीक्षण और प्रायश्चित के माध्यम से अपने कर्तव्यों का पुनरावलोकन किया। इसके साथ ही, गुरुभक्ति और उत्तम ब्रह्मचर्य धर्म पर प्रवचन के माध्यम से धर्म के मर्म को समझाया गया।

आयोजन के अंत में 24 तीर्थंकरों के नाम चिन्ह प्रवचन के साथ मंगल आरती संपन्न हुई, जिसमें जैन समाज के श्रद्धालुओं ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। उत्तम सत्य के इस पावन दिवस का समापन शांति और धर्म की आराधना के साथ हुआ, जिसमें सभी ने अपने जीवन में संयम और अहिंसा के महत्व को समझा और आत्मसात किया। दसलक्षण महापर्व के इस विशेष आयोजन में जैन धर्म के सिद्धांतों की पुन: स्थापना और श्रद्धालुओं के मन में धर्म की जड़ों को और अधिक मजबूत करने का कार्य किया गया।

-नरेंद्र अजमेरा, पियुष कासलीवाल

निर्वाण महोत्सवः भगवान वासुपूज्य मोक्ष कल्याणक पर निर्वाण स्थली मंदारगिरी में निकाली गई भव्य रथयात्रा, जैन श्रद्धालुओं ने चढ़ाया भव्य निर्वाण लाडू

बड़ा है सुहाना मौसम खुशी की बहार है, मोक्ष कल्याणक है आज, वासुपूज्य जिनका नाम है मंदार जिनका धाम है... भजनों से गूंज उठा मंदारगिरी

बौंसी/बाँका (विश्व परिवार)। जैन धर्म के 12 वें तीर्थंकर भगवान वासुपूज्य स्वामी के निर्वाण महामहोत्सव पर उनके निर्वाण स्थली मंदारगिरी में मंगलवार को जैन धर्मावलम्बियों ने धूमधाम के साथ भव्य शोभायात्रा निकालकर भव्य निर्वाण लाडू श्रद्धापूर्वक चढ़ाया। रथयात्रा का प्रारम्भ श्री दिगम्बर जैन कार्यालय मंदिर से प्रारंभ होकर हनुमान चौक, बौंसी बाजार, गांधी चौक वापस वासुपूज्य द्वार, पंडा टोला, समोशरण बारामती जैन मंदिर, पापहरणी रोड के रास्ते गाजे-बाजे के साथ मंदार पर्वत तलहटी स्थित जैन मंदिर तक गई। रथयात्रा के पहले बौंसी स्थित कार्यालय जैन मंदिर में प्रात: 6 बजे अभिषेक, शांतिधारा व पूजन-अर्चना किया गया।

सुसज्जित रथ पर वासुपूज्य स्वामी को विराजमान कर निकाली गई रथयात्रा : बड़ा है सुहाना मौसम खुशी की बहार है, मोक्ष कल्याणक है आज, वासुपूज्य जिनका नाम है मंदार जिनका धाम है... भजनों पर श्रद्धालु झूम उठे। भगवान वासुपूज्य स्वामी के प्रतिमा जी को सजे-धजे भव्य रथ पर प्रात: करीब 6 बजे विराजमान कर गाजे-बाजे के साथ भव्य रथयात्रा मंदार पर्वत के लिए धूमधाम के साथ प्रस्थान हुई। रंग-विरंगे फूल-मालाओं और पंचरंगा जैन ध्वज से भव्य तरीके से सजाया गया था। जो बहुत ही आकर्षक लग रहा था और लोगो को आकर्षित कर रहा था। रथ पर विराजमान भगवान वासुपूज्य की मनोहारी प्रतिमा चांदी के छत्र तले अलौकिक छटां बिखेर रही थी। जैन श्रद्धालु हर्षोल्लासपूर्वक झूमते-नाचते, भक्ति-भजन करते महामंत्र णमोकार का जाप करते हुए चल रहे थे। इस दौरान जगह-जगह रथ पर विराजमान भगवान वासुपूज्य की मंगल आरती की गई।

जियो और जीने दो के संदेश का हुआ जयघोष, दिया सत्य, अहिंसा, मैत्री और शांति का संदेश : शोभायात्रा के आगे-आगे जैन पंचरंगा ध्वज, झंडा-पताका लिए श्रद्धालु जैन संदेश देते चल रहे थे। गाजे-बाजे, घंटी के मधुर धुन पर श्रद्धालु नृत्य करते रथयात्रा की शोभा बढ़ा रहे थे। इस महोत्सव को लेकर जैन समाज के बीच खासा उत्साह था। ज्ञात हो कि मंदारगिरी जैन धर्म के 12वें तीर्थंकर भगवान वासुपूज्य स्वामी का तप, कैवल्य ज्ञान व पावन मोक्ष स्थली है। इस भव्य शोभायात्रा व निर्वाण महोत्सव में देश के कोने-कोने से सैंकड़ो की संख्या में जैन श्रद्धालु मंदारगिरी पहुंचे। मालूम हो कि भगवान वासुपूज्य की निर्वाण स्थली मंदारगिरी को स्मरण कर पूरे देश-विदेश में जैन श्रद्धालु निर्वाण लाडू चढ़ाते है।

मंदार पर्वत शिखर स्थित मोक्ष कल्याणक स्थली पर चढ़ाया गया भव्य निर्वाण लाडू : क्षेत्र प्रबंधक पवन कुमार जैन ने बताया कि भगवान वासुपूज्य के तप, ज्ञान एवं पावन निर्वाण भूमि से सुशोभित मंदारगिरी पर्वत शिखर स्थित मोक्ष कल्याणक मंदिर में प्रभु के अत्यंत प्राचीन चरण पादुका के समक्ष एवं भगवान वासुपूज्य खड्गासन मंदिर में भव्य निर्वाण लाडू चढ़ाया गया। निर्वाण लाडू आकर्षक ढंग से शुद्धिपूर्वक तैयार किया गया था। इससे पूर्व मंत्रोच्चारण, भगवान वासुपूज्य का अभिषेक, महामस्तकाभिषेक, शांतिधारा, पूजन-पाठ, निर्वाण काण्ड पाठ आदि का कार्यक्रम सम्पन्न किया गया।

इस आयोजन को सफल बनाने में मंदारगिरी दिगम्बर जैन सिद्ध क्षेत्र प्रबंधन तैयारी में लगी हुई थी। विदित हो कि जैनियो के चल रहे दस दिवसीय महापर्व पर्युषण यानी दशलक्षण का समापन गुरुवार को उत्तम ब्रह्मचर्य धर्म के साथ हुआ। इस दौरान जैन धर्म के कई अनुष्ठानों से मंदारगिरी क्षेत्र का वातावरण पवित्र हुआ।

-प्रवीण जैन

www.dainikvishwapariwar.com
vishwapariwarraipur@gmail.com

दैनिक
विश्व परिवार

बस्तर संभाग

रायपुर बुधवार 18 सितंबर 2024

संक्षिप्त समाचार

नदी को पार करने के चक्कर में चाचा-भतीजे की मौत

बलरामपुर(विश्व परिवार)। जिले में नदी पार करते वक्त चाचा-भतीजा तेज बहाव में बह गए। लालसाय (50) और प्रभु (39) दोनों रविवार को काम से पस्ता गए थे। वापस लौटते वक्त जलस्तर काफी बढ़ गया था। दोनों का अभी पता नहीं चल पाया है। पस्ता थाना क्षेत्र की चिलमा गांव की ये घटना है। पुलिस और एसडीआरएफकी टीम दोनों की तलाश में जुटी है। क्षेत्र में लगातार हो रही बारिश से सभी नदी-नाले उफान पर हैं। छत्तीसगढ़ में आज भारी बारिश की चेतावनी है। मौसम विभाग ने सूरजपुर, बलरामपुर में ऑरेंज अलर्ट और सरगुजा, जशपुर, कोरिया, मनेंद्रगढ़- चिरमिरी, रायगढ़, कोरबा में यलो अलर्ट जारी किया है। यहां भारी बारिश हो सकती है। ह्व1द्गह्व मौसम विज्ञानियों के मुताबिक, बंगाल की खाड़ी में एक स्ट्रॉन्ग सिस्टम बना हुआ है। जिसके असर से एक गहरा अवदाब एक दबाव के रूप में झारखंड, उत्तरी छत्तीसगढ़ की ओर बढ़ रहा है। इसके प्रभाव से उत्तरी छत्तीसगढ़ में भारी बारिश की संभावना है। प्रदेश में 17 सितंबर तक बारिश की गतिविधियां रहेंगी।

खरखरा जलाशय में मिला अधेड़ का शव

बालोद(विश्व परिवार)। जिले के खरखरा जलाशय में अधेड़ का शव मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई है. जिस जगह पर पानी ओवरफ्लो होता है उस जगह से कुछ दूर पर शव मिला है. यह घटना डौंडीलोहारा थाना क्षेत्र की है. इस घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची है और मामले की जांच में जुट गई है. शव की शिनाख्त फ्लेश्वर दास मानिकपुरी पिता राम दास मानिकपुरी उम्र 50 वर्ष के रूप में हुई है. जांच करने की बाद मौत का कारण स्पष्ट होगा. घटना स्थल से बाइक भी बरामद की गई है. पुलिस ने शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है।

बटनदार चाकू के साथ बदमाश गिरफ्तार

राजनांदगांव(विश्व परिवार)। पुलिस अधीक्षक मोहित गर्ग के निर्देशन व अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक राहूल देव शर्मा व नगर पुलिस अधीक्षक पुष्पेन्द्र नायक के मार्गदर्शन में ईद ए मिलाद उन नबी, गणेशोत्सव पर्व झांकी विसर्जन में शांति एवं कानून व्यवस्था बनाए रखने हेतु जिले मे अवैध शराब बिक्री व असामाजिक तत्व, गुण्डा बदमाष, और सार्वजनिक स्थानो पर शराब पीने वालो के विरूद्ध अभियान चलाया जा रहा है अभियान कार्यवाही मे आज दिनांक 16.09.2024 को मुखबीर से सूचना मिला कि एक व्यक्ति रमन बाजार तालाब के पास चाकू रख कर खड़ा है सूचना पर मौके पर पहूंचकर मुखबीर के बताये हुलिया अनुसार घेराबंदी कर आरोपी करण सिंह जुनेजा पिता स्व0 दुर्जन सिंह जुनेजा उम्र 22 साल साकिन बजरंगपुर नवागांव बाबूटोला वार्ड नं. 01 पुलिस चौकी चिखली को पकड़ा गया। आरोपी के कब्जे से एक बटनची धारदार चाकू को जप्त किया गया। आरोपी के विरूद्ध 25 आर्म्स एक्ट के तहत अपराध दर्ज कर विधिवत कार्यवाही कर न्यायालय पेष कर आदेषानुसार जेल दाखिल किया गया। इसी प्रकार अभियान के दौरान मुखबीर सूचना काई तालाब मोतीपुर के पास अवैध शराब रखकर बिक्री की सुचना पर तत्काल टीम तैयार कर मौके पर घेराबंदी दबिश दी गई जहॉ पर अवैध शराब ब्रिक्री करते प्राणनाथ जंघेल पिता स्व0 प्रीतलाल जंघेल उम्र 63 साल साकिन मोतीपुर वार्ड नं. 08 पुलिस चौकी चिखली जिला राजनांदगांव छ0ग0 को पकडा गया और आरोपी के कब्जे से 17 पौवा युनिक देशी प्लेन शराब कुल 3060 एमएल और शराब बिक्री रकम 100/- रूपये को जप्त कर आरोपी के विरूद्ध धारा 34(1) आबकारी एक्ट के तहत कार्यवाही किया गया। आरोपी के विरूद्ध आबकारी अधिनियम अनेक मामले दर्ज है। उपरोक्त कार्यवाही में उनि नरेश कुमार बंजारे, प्र0आर0 सुनील कुमार वर्मा, अरूण कुमार नेताम, म0प्र0आर0 वंदना पटले, आर0 सिन्धु सिन्हा, मनोज जैन, बलराम ठाकुर, देवेन्द्र ब्रम्हणकर, सुनील बैरागी एवं चौकी चिखली स्टाफ का महत्वपूर्ण भूमिका एवं सराहनीय योगदान रहा है।

बस्तर ज़िले के नव पदस्थ कलेक्टर हरीस एस ने किया पदभार ग्रहण

जगदलपुर(विश्व परिवार)। बस्तर ज़िले के नव पदस्थ कलेक्टर हरीस एस ने सोमवार को पदभार ग्रहण किया। कलेक्टर हरीस एस 2015 बैच के भारतीय प्रशासनिक सेवा के अधिकारी है। इससे पूर्व सुकमा कलेक्टर के रूप में पदस्थ रहें है। पदभार ग्रहण करने के बाद जिले के वरिष्ठ अधिकारियों ने पुष्पगुच्छ भेंट कर स्वागत किया। उन्होंने अधिकारियों से परिचय प्राप्त किया। इस अवसर सीईओ जिला पंचायत प्रकाश सर्वे, अपर कलेक्टर सीपी बघेल, नगर निगम आयुक्त हरेश मंडावी, संयुक्त कलेक्टर ऋषिकेश तिवारी, डिप्टी कलेक्टर हीरा, उप संचालक जनसंपर्क कमल बघेल सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

स्वच्छता ही सेवा अभियान के तहत कलेक्टर ने सरपंचों के साथ किया संवाद

गांवों को स्वच्छ रखने के लिए किए जा रहे प्रयासों की ली जानकारी

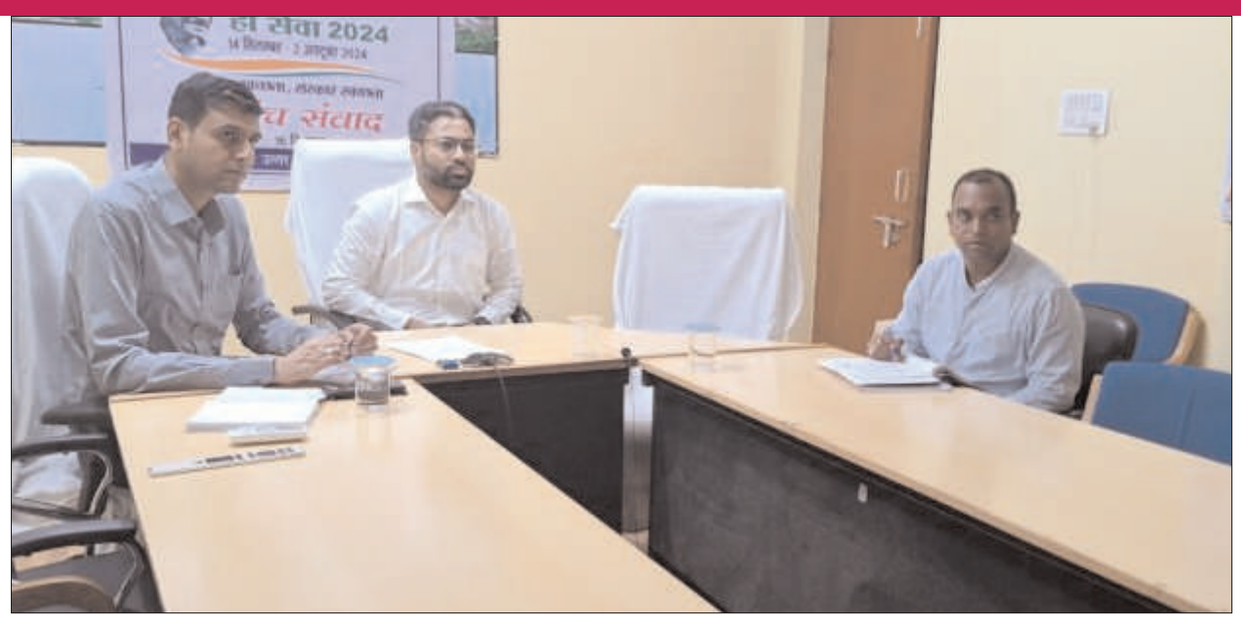

कांकेर(विश्व परिवार)। स्वच्छता ही सेवा अभियान के तहत आज जिला कार्यालय के एनआईसी कक्ष में 'सरपंच संवाद' कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में कलेक्टर श्री निलेश कुमार महादेव क्षीरसागर ने जिले के विभिन्न ग्राम पंचायतों के सरपंचों से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से संवाद कर स्वच्छता ही सेवा अभियान में अधिक से अधिक जनभागीदारी हेतु लोगों को जागरूक करने की अपील की। इस दौरान कलेक्टर ने स्वच्छ भारत मिशन के तहत गांव-गांव चलाए जा रहे सफाई अभियान की जानकारी ली और कहा कि जनप्रतिनिधियों सहित गांव के सभी लोग एकजुट होकर अपने गांव को स्वच्छ रखने में योगदान दें। उन्होंने सभी से एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत पेड़ लगाने की अपील भी की। जिला पंचायत के सीईओ श्री सुमित कुमार अग्रवाल ने बताया कि स्वच्छ भारत मिशन के तहत 14 सितंबर से 02 अक्टूबर तक 'स्वभाव स्वच्छता-संस्कार स्वच्छता' की थीम पर स्वच्छता ही सेवा अभियान चलाया जा रहा है। कार्यक्रम में जिले के दूरस्थ अंचल कोयलीबेड़ा विकासखंड के ग्राम पंचायत छोटेबेठिया की सरपंच श्रीमती सविता नायक ने जानकारी देते हुए बताया कि स्वच्छ भारत मिशन के तहत गांव में घर-घर कचरा संग्रहण किया जा रहा है और ग्रामीणों के सहयोग से सप्ताह में एक दिन सफाई अभियान चलाया जाता है। उन्होंने बताया कि एक पेड़ मां के नाम अभियान अंतर्गत गांव के स्कूल, आंगनबाड़ी भवन, पंचायत भवनों एवं गांव चौक चौराहों में वृक्षारोपण भी किया गया। कलेक्टर ने उनकी सराहना करते हुए आगे भी इसी सफाई अभियान में योगदान देने की अपील की। इसी तरह भानुप्रतापपुर विकासखंड के ग्राम पंचायत संबलपुर की सरपंच श्रीमती अनिता रावटे, दुर्गूकोंदल की सरपंच पार्वती साहू, चारामा विकासखंड के ग्राम पंचायत जैसाकर्रा की सरपंच श्रीमती हेमलता तारम, कांकेर विकासखंड के ग्राम पंचायत कोदागांव के सरपंच श्री पंचूराम नायक सहित विभिन्न ग्राम पंचायतों के सरपंचों द्वारा गांव को स्वच्छ रखने के लिए किये जा रहे प्रयासों की जानकारी दी गई।

अंधविश्वास की भेंट चढ़ा एक और परिवार पांच लोगों की हत्या, आरोपी गिरफ्तार

सुकमा(विश्व परिवार)। छत्तीसगढ़ में एक और परिवार अंधविश्वास की भेंट चढ़ गया। सुकमा जिले में जादू-टोना के शक में 5 लोगों की पीट-पीटकर हत्या कर दी गई। मृतकों में एक ही परिवार की तीन महिलाएं और दो पुरुष शामिल हैं। पुलिस ने सभी आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। घटना कोंटा के मुरलीगुड़ा कैंप के पास स्थित इटकला गांव की है, जहां ग्रामीणों ने जादू-टोने के शक में पांच लोगों को पीट-पीटकर मार डाला। कुछ दिनों पहले बलौदाबाजार में ऐसी ही एक घटना में एक ही परिवार के 4 लोगों की निर्मम हत्या कर दी गई थी। मिली जानकारी के अनुसार, गांव के कुछ लोगों को शक था कि मृतक परिवार जादू-टोने का अभ्यास कर रहा था, जिससे उन्हें व्यक्तिगत और सामुदायिक हानि हो रही थी। इसी शक और गुस्से के कारण गांव के कुछ लोग उस परिवार के घर पहुंचे और उन्हें लाठी-डंडों से बेरहमी से पीटने लगे। इस निर्मम पिटाई के कारण पांचों की मौके पर ही मौत हो गई। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस घटनास्थल पर पहुंची और मामले में 5 आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। सुकमा के पुलिस अधीक्षक (एसपी) किरण चव्हाण सहित अन्य उच्च अधिकारी भी मौके पर पहुंचे। मृतकों की पहचान मौसम कन्ना (60 वर्ष), मौसम बुच्चा (34 वर्ष), मौसम बिरी (32 वर्ष), मौसम अरजो (32 वर्ष), और करका लच्छी (43 वर्ष) के रूप में हुई है। गौरतलब है कि जादू-टोने के शक के आधार पर हत्या की यह घटना छत्तीसगढ़ में पहली नहीं है। इससे चार दिन पहले बलौदाबाजार में भी ऐसी ही एक घटना घटी थी, जिसमें एक परिवार के चार लोगों की बेरहमी से हत्या कर दी गई थी।

नवीन धान खरीदी केंद्र खोले जाने के संबंध में विशेष कर्तव्यस्थ अधिकारी ने कलेक्टर को लिखा पत्र

रामानुजगंज(विश्व परिवार)। ग्राम पंचायत मितगई में नवीन धान खरीदी केंद्र खोले जाने के लिए कृषि मंत्री राम विचार के निर्देश पर उनके विशेष कर्तव्यस्थ अधिकारी के द्वारा कलेक्टर को नवीन धान उपार्जन खोले जाने एवं इसके लिए आवश्यक कार्रवाई कीए जाने के लिए पत्र लिखा। ग्राम मितगई में धान उपार्जन केंद्र खुल जाने से क्षेत्र के किसानों को बड़ी राहत मिलेगी। ग्राम मितगई में नवीन धान उपार्जन केंद्र खुल जाने से मितगई के 225 किसान, पुरुषोत्तमपुर के 94, चंदनपुर के 54 देवगई के 111, देवीगंज 146 कुल 630 किसान अपना धान यहां बेच सकेंगे। यहां के किसानों को पहले महावीरगंज धान उपार्जन केंद्र में धान बेचने जाना पड़ता था। परंतु गांव में एवं गांव के नजदीक धान बेचने की सुविधा मिल जाने से किसानों को बड़ी राहत मिलेगी। समिति में अधिक किसानों के द्वारा धान बेचे जाने के कारण किसानों को काफी असुविधा का सामना करना पड़ता था। परंतु अब नवीन धान उपार्जन केंद्र खुल जाने से किसान काफी आसानी से अपना धान बेच सकेंगे। स्थानीय किसानों की मांग पर कृषि मंत्री राम विचार नेता के निर्देश पर मितगई को नवीन धन उपार्जन केंद्र बनाने की प्रक्रिया प्रारंभ कर दी गई है। कृषि मंत्री के विशेष कर्त्तव्यस्थ अधिकारी के द्वारा कलेक्टर को मितगई में नवीन धान उपार्जन केंद्र खोले जाने एवं उसके लिए आवश्यक कार्रवाई किए जाने के लिए पत्र लिखा है। किसान नेता श्रवण यादव ने कहा कि हम सब किसानों की मांग पर कृषि मंत्री राम विचार नेताम के द्वारा मितगई में नवीन धन उपार्जन केंद्र खोले जाने के निर्देश दिए है। जिससे हम सब किसानों को बड़ी राहत मिलेगी। धान बेचना ज्यादा आसान होगा।

श्री रामलला दर्शन योजना के तहत जिले से 12 श्रद्धालु हुए रवाना

नारायणपुर(विश्व परिवार)। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय द्वारा राज्य के राम भक्तों को नि:शुल्क अयोध्या धाम में श्रीराम के दर्शन कराने हेतु रामलला दर्शन योजना शुरू की गई है। इस योजना के अंतर्गत, विशेष ट्रेन से जिलों से श्रद्धालुओं का चयन कर उन्हें अयोध्या धाम ले जाया जा रहा है। इसी क्रम में 16 सितंबर को जिले के 12 श्रद्धालुओं को जिला पंचायत सदस्य प्रताप मंडावी और अतिरिक्त मुख्य कार्यपालन अधिकारी विक्रम बहादुर ने हरी झंडी दिखाकर नारायणपुर से दुर्ग के लिए कार द्वारा रवाना किया। ये सभी श्रद्धालु 17 सितंबर को दुर्ग से आस्था विशेष ट्रेन के माध्यम से अयोध्या धाम के लिए प्रस्थान करेंगे। ओरछा से जा रहे ग्रामीणों ने इस योजना के प्रति आभार व्यक्त किया और कहा कि हमने कभी नहीं सोचा था कि इस सुदूर अंचल से निकलकर श्रीराम जी के दर्शन का सौभाग्य प्राप्त होगा। श्रद्धालुओं ने मुख्यमंत्री विष्णु देव साय को धन्यवाद दिया और बताया कि इस योजना से उनका श्रीराम के दर्शन करने का सपना पूरा हो रहा है। इस योजना के तहत श्रद्धालुओं को अयोध्या यात्रा के लिए पूरा पैकेज दिया जा रहा है, जिसमें यात्रा, ठहरने, मंदिर दर्शन, और भोजन की सुविधाएं शामिल हैं।

कलेक्टर के तत्पर पहल के फलस्वरूप ग्रामीण हुए बंधक मुक्त

आमामोरा के चार श्रमिकों एवं एक बालिका उड़ीसा से बंधक अवमुक्त होकर पहुंचे घर

गरियाबंद(विश्व परिवार)। कलेक्टर दीपक अग्रवाल की तत्परता एवं संवेदनशीलता से वनांचल क्षेत्र के ग्रामीण ओड़िशा से बंधक मुक्त होकर घर आ गए है। कलेक्टर ने ओडिशा में जिले के बंधक श्रमिकों को छुड़ाने एवं सकुशल गृह ग्राम लाने संयुक्त टीम बनाने के के निर्देश दिए थे। कलेक्टर के निर्देशानुसार संयुक्त टीम ने तत्परता से कार्य करते हुए सभी श्रमिको एवं एक बालिका को सकुशल घर वापस ला लिया है।दरअसल ग्राम आमामोरा के ग्रामीणों ने श्रमिकों के परिजनों के माध्यम से कलेक्टर श्री अग्रवाल को आवेदन प्रस्तुत कर ओड़िशा में बंधक श्रमिकों को अवमुक्त किए जाने हेतु निवेदन किया था। ग्रामीणों ने आमामोरा के चार श्रमिक एवं एक बालिका को ग्राम-ढोल मांदर, थाना-तुरेकेला, जिला बलांगीर ओडिशा में ठेकेदार चंपू सरदार के द्वारा मजदूरी कराने के नाम पर बंधक बनाकर रखने की जानकारी दी।जिसके परिपेक्ष्य में कलेक्टर श्री अग्रवाल के कुशल निर्देशन एवं मार्गदर्शन में बंधक श्रमिक को छुड़ाने एवं वापस सकुशल लाने संयुक्त टीम का गठन किया गया। श्रमिकों के परिजनों द्वारा प्रस्तुत किये गये आवेदन में उल्लेखित जानकारी के आधार पर बंधक श्रमिकों को अवमुक्त करने के लिए गठित संयुक्त टीम उड़ीसा ग्राम ढोलमांदल के लिए रवाना हुई।संयुक्त टीम जिला बलांगीर ओडिशा पहुंचते ही जिला कलेक्टर एवं पुलिस अधीक्षक जिला बलांगीर से समक्ष मुलाकात एवं चर्चा कर बंधक श्रमिकों के संबंध में जानकारी दिया गया।जिसके पश्चात जिला प्रशासन,बलांगीर के द्वारा बंधक श्रमिकों को अवमुक्त करने के लिए वहां की स्थानीय टीम गठन किया गया। जिस पर जिला गरियाबंद एवं जिला बलांगीर ओडिशा के टीम द्वारा संयुक्त रूप से ग्राम ढोलमांदल, थाना तुरेकेला जिला-बलांगीर में ठेकेदार चंपू सरदार के घर जाकर बंधक श्रमिकों का रेस्क्यू किया गया, जिसमें ग्राम पंचायत आमामोरा के चार श्रमिक रामकुमार भुजिया,फागनी भुजिया,बनमली भुजिया,जयमनी भुजिया एवं बालिका कुमारी कमला भुजिया को पाया गया,जिन्हें थाना तुरेकेला ओडिशा लाया गया,तत्पश्चात् स्थानीय प्रशासन तहसीलदार तुरेकेला एवं श्रम विभाग जिला बलांगीर के द्वारा उक्त श्रमिकों हेतु विमुक्ति प्रमाण पत्र जारी करते हुए जिला गरियाबंद के संयुक्त टीम को सुपुर्द किया गया।

रेडक्रास सदस्यता के लिए चलाए व्यापक अभियान- जनरल सेक्रेटरी

फर्स्ट एड के बारे में जानकारी के लिए श्रमिकों, विद्यार्थियों एवं ग्रामीणों को दिलाये ट्रेनिंग

रेडक्रॉस सोसायटी की बैठक में जनरल सेक्रेटरी श्री एम.के. राऊत ने दिये निर्देश

गरियाबंद(विश्व परिवार)। संयुक्त जिला कार्यालय के सभाकक्ष में आज राज्य रेडक्रॉस के मुख्य कार्यपालन अधिकारी सह जनरल सेक्रेटरी श्री एम.के. राऊत की अध्यक्षता में जिला रेडक्रॉस पदाधिकारियों की बैठक आयोजित हुई। बैठक में राज्यस्तरीय जूनियर रेडक्रॉस प्रशिक्षण सह सद्भावना जम्बूरी, जिला शाखा रेडक्रॉस की वर्तमान गतिविधियां, सदस्यता अभियान, रेडक्रॉस दवा दुकान, ब्लड सेंटर, एम्बुलेंस का संचालन, निक्षय मित्र अभियान, प्राथमिक सहायता प्रशिक्षण एवं स्कूलों और महाविद्यालयों में रेडक्रॉस का गठन के सम्बंध में विस्तार से चर्चा की गई। जनरल सेक्रेटरी श्री राऊत ने कहा कि रेडक्रॉस सोसायटी में जनप्रतिनिधियों सहित हाईस्कूल से लेकर कॉलेज के छात्र-छात्राओं को सदस्य बनाने पर जोर दिया जाए, ताकि रेडक्रास सदस्यों के मन में दुर्घटना व आपदा के दौरान पीड़ितों की सहायता, मानवता और निष्पक्षता की भावना पैदा हो। उन्होंने रेडक्रास सदस्यता के लिए 30 सितम्बर तक व्यापक अभियान चलाने के निर्देश दिये। उन्होंने कहा कि समिति में पदाधिकारियों का नियमानुसार निर्वाचन की प्रक्रिया अक्टूबर, नवम्बर माह में की जायेगी। इसके लिए अधिक से अधिक सदस्य जोड़ने के लिए लोगों को जागरूक की जाए। साथ ही औद्योगिक संस्थान एवं जनप्रतिनिधियों को भी रेडक्रास का सदस्य बनाने के लिए प्रोत्साहित किया जाए। बैठक में राज्य रेडक्रॉस सोसायटी के चेयरमेन श्री अशोक अग्रवाल, कलेक्टर श्री दीपक अग्रवाल, जिला पंचायत सीईओ श्रीमती रीता यादव, एसडीएम श्री राकेश गोलछा सहित रेडक्रास के सदस्य एवं विभागीय अधिकारीगण शामिल हुए। इस अवसर पर जनरल सेक्रेटरी, चेयरमेन एवं कलेक्टर श्री अग्रवाल ने संयुक्त जिला कार्यालय में रेडक्रास के शाखा कार्यालय का लोकार्पण भी किया। साथ ही जिले में रेडक्रास शाखा के कामकाज संचालन के लिए अलग से कार्यालय मिल जाने पर खुशी जताई। इस दौरान जिला शिक्षा अधिकारी श्री ए.के. सारस्वत एवं नगर के वरिष्ठ पत्रकार श्री फारूक मेमन ने स्वप्रेरणा से रेडक्रास सोसायटी का आजीवन सदस्यता ग्रहण की। इस अवसर पर जनरल सेक्रेटरी, चेयरमेन एवं कलेक्टर श्री अग्रवाल ने दोनों को सदस्यता पत्र प्रदान करते हुए अन्य लोगों को भी समिति के सदस्य बनाने के लिए प्रेरित करने को कहा। बैठक में श्री राऊत ने जिले में स्थित राईस मिलों के श्रमिकों, पत्थर खदानों के कामगार, कॉलेज के विद्यार्थी, पुलिस विभाग में खासकर नगर सैनिक, यातायात पुलिस, ग्राम पंचायत स्तर पर सचिव, पंच-सरपंच, कोटवारों को आपातकालीन स्वास्थ्य स्थिति में प्राथमिक सहायता हेतु प्रशिक्षण देने पर बल दिया। रेड क्रॉस सोसायटी के अंतर्गत शहरी तथा ग्राम पंचायत स्तर पर अधिक से अधिक युवाओं को जोड़ने के साथ ही उन्हें फर्स्ट एड प्राथमिक सहायता की जानकारी व रेड क्रॉस से संबंधित कार्यों से अवगत कराने हेतु सम्बंधित अधिकारियों से कहा। श्री राऊत ने रेड क्रॉस सोसायटी का बेहतर प्रबंधन करने के भी निर्देश दिए। उन्होंने रेडक्रॉस सोसायटी अंतर्गत प्रबंध समिति गठित करने और एक राज्य स्तरीय अधिकारी को समिति में नियुक्त करने को कहा।

व्यापार समाचार

बजाज हाउसिंग फाइनेंस आईपीओ के जीएमपी में भारी गिरावट

नईदिल्ली(एजेंसी)। बजाज हाउसिंग फाइनेंस के आईपीओ ने पिछले हफ्ते मार्केट में धमाल मचा दिया था. रिकॉर्ड सब्सक्रिप्शन के साथ बंद हुआ यह आईपीओ अब सोमवार, 16 सितंबर को सुबह 10 बजे शेयर मार्केट में लिस्ट होने जा रहा है. बजाज ग्रुप की इस कंपनी के आईपीओ के शेयरों का अलॉटमेंट किया जा चुका है. कंपनी के आईपीओ ने ग्रे मार्केट में भी धमाल मचाया हुआ था. हालांकि, अब इसमें तेज गिरावट भी आई है. ऐसे में निवेशकों को बेसब्री से इंतजार है कि बीएसई और एनएसई पर लिस्टिंग के दिन यह कितना मुनाफा देने वाला है. रिपोर्ट के अनुसार, बजाज हाउसिंग फाइनेंस का आईपीओ इस समय ग्रे मार्केट में 69 रुपये के प्रीमियम पर चल रहा है. हालांकि, 14 तारीख तक इसका जीएमपी 84 रुपये पर उछलकर ट्रेंड कर रहा था. इसमें काफी गिरावट आई है. इसके बावजूद यह अपने इश्यू प्राइस 70 रुपये से लगभग 100 फीसदी मुनाफे के संकेत दे रहा है. अगर, सोमवार तक यही स्थिति बनी रही और ग्रे मार्केट के ट्रेंड सही साबित हुए तो यह आईपीओ निवेशकों का पैसा लिस्टिंग वाले दिन ही दोगुना कर सकता है. इसकी लिस्टिंग 139 रुपये पर हो सकती है. बजाज हाउसिंग फाइनेंस के 6,560 करोड़ रुपये के आईपीओ पर लोगों ने 3.2 लाख करोड़ रुपये की बिडिंग की थी. कंपनी के इश्यू को करीब 90 लाख एप्लीकेशन मिले. इसने टाटा टेक्नोलॉजीस के 73.5 लाख एप्लीकेशन के पिछले रिकॉर्ड को भी तोड़ दिया है. बजाज ग्रुप की बजाज फाइनेंस और बजाज फिनसर्व के बाद यह तीसरी फाइनेंशियल कंपनी शेयर मार्केट पर लिस्ट होने जा रही है. बजाज फाइनेंस और बजाज फिनसर्व के शेयरों में भी शुक्रवार को उछाल देखा गया था. बजाज फाइनेंस का स्टॉक 170 रुपये बढ़कर 7598.50 रुपये पर बंद हुआ था. बजाज फिनसर्व के शेयर भी 39 रुपये ऊपर जाकर 1894.45 रुपये पर बंद हुए थे. बजाज हाउसिंग फाइनेंस के आईपीओ को 67 गुना सब्सक्राइब किया गया था. क्वालिफाइड इंस्टीटूशनल बायर्स ने इसे 209 गुना, नॉन इंस्टीटूशनल इनवेस्टर्स ने 41 गुना और रिटेल इनवेस्टर्स ने 6 गुना सब्सक्राइब किया गया था. आईपीओ से जुटाई गई रकम का इस्तेमाल बजाज हाउसिंग फाइनेंस भविष्य की पूंजी जरूरतों को पूरा करने के लिए करेगी. इससे बजाज हाउसिंग फाइनेंस का कैपिटल बेस मजबूत होगा.

मोटोरोला ने लॉन्च किया motorola edge50 Neo

रायपुर। मोबाइल टेक्नोलॉजी और इनोवेशन के क्षेत्र में दुनिया की अग्रणी कंपनी, मोटोरोला ने आज motorola edge50 Neo को भारत में लॉन्च किया है। यह मोटोरोला के प्रीमियम द्वस्त्रद्दद्व स्मार्टफ़ोन लाइनअप में शामिल किया गया सबसे नया प्रोडक्ट है, जो स्लीक एवं मिनिमलिस्ट डिज़ाइन के साथ बेहद दमदार फीचर्स का बेजोड़ संगम है और रेडी फॉर एनीथिंग के टैगलाइन को साकार करता है। अधिकतम क्रिएटिविटी वाला यह डिवाइस सही मायने में बहु-उपयोगी है, और इसी वजह से यह स्टाइल के साथ-साथ परफॉर्मेंस की मांग करने वाले यूजर्स के लिए बिल्कुल सही स्मार्टफ़ोन बन गया है। edge50 Neo में MIL-810 ॥ मिलिट्री-ग्रेड ड्यूरेबिलिटी और IP68 वॉटर रेजिस्टेंस जैसे कई बेमिसाल फीचर्स मौजूद हैं, जो इन सर्टिफिक्रेशन के साथ इसे भारत का सबसे हल्का स्मार्टफ़ोन बनाता है। इसे दूसरों से अलग बनाने वाली खूबियों में Son4-LYTIATM 700C सेंसर के साथ motoAI से संचालित 50MP कैमरा, बेहद खूबसूरत पैन्टोन क्यूरेटेड कलर्स के साथ स्लीक वीगन लेदर फिनिश, 6.4 का 120H5 LTPO pOLED फ्लैट डिस्प्ले, 5 साल तक ह्रस अपग्रेड की गारंटी, 68W TurboPo2er चार्जिंग और 15W वायरलेस चार्जिंग शामिल हैं। motorola edge50 Neo ने अपने MIL-STD-810H मिलिट्री-ग्रेड सर्टिफिक्रेशन के साथ स्मार्टफोन की ड्युरेबिलिटी के मामले में एक नई मिसाल कायम की है, और बेहद आकर्षक एवं खूबसूरत डिजाइन को मजबूती के साथ जोड़ा है। यह बेहद कठोर मिलिट्री ड्युरेबिलिटी टेस्ट पास करने वाला भारत का सबसे हल्का स्मार्टफोन है, और इस तरह यह स्मार्टफोन झटके, कंपन और 1.5 मीटर तक की ऊंचाई से गलती से नीचे गिर जाने जैसी परिस्थितियों का सामना कर सकता है, साथ ही इसमें Gorilla Glass की सुरक्षा भी दी गई है। यह उपकरण 60°C तक की भीषण गर्मी से लेकर -30°C तक की जमा देने वाली ठंड तक के चरम तापमान को झेल सकता है, साथ ही 95% तक की बहुत ज्यादा ह्यूमिडिटी और अधिक ऊंचाई एवं कम दबाव वाले माहौल में भी अपना परफॉर्मेंस बरकरार रखता है। IP68 रेटिंग के साथ यह स्मार्टफोन धूल और रेत का सामना करने के अलावा 30 मिनट तक 1.5 मीटर गहरे ताजे पानी में डूबा रह सकता है, और इसी वजह से यह ज़िंदगी में आने वाली किसी भी चुनौती के लिए तैयार है।

वेस्टर्न डिजिटल ने सीसीटीवी-ऑप्टिमाईज़्ड स्टोरेज समाधान पेश किए

रायपुर। सीसीटीवी कैमरों का उपयोग भारत में बढ़ रहा है। आज ट्रैफिक्र सिग्नल से लेकर शॉपिंग सेंटर, स्कूल और आवासों तक हर जगह इनका उपयोग हो रहा है, इसलिए इनके लिए एक पर्याप्त स्टोरेज समाधान होना भी आवश्यक है। स्टोरेज की सभी ड्राईव्स एक समान नहीं बनाई जाती हैं, और निगरानी विशेष के लिए डिज़ाईन की गई ड्राईव से सीसीटीवी सिस्टम की परफॉर्मेंस एवं विश्वसनीयता में काफी सुधार आ सकता है। डब्लूडी पर्पल प्रो ड्राईव 22टीबी तक की क्षमता में उपलब्ध हैं। इन्हें 24/7 वीडियो स्ट्रीमिंग के लिए बनाया गया है और ये हर साल 550टीबी तक की सपोर्ट प्रदान करती हैं। ये ड्राईव बहुत टिकाऊ और भरोसेमंद हैं, जो खराब से खराब परिस्थितियों में भी बड़े वॉल्यूम के वीडियो डेटा को लगातार रिकॉर्ड करने और स्टोर करने के लिए बहुत आवश्यक है। इनके कम पॉवर प्रोफाईल के कारण पॉवर कंज़ंप्शन और हीट जनरेशन कम होता है, जिससे इनका संचालन सुगमता से होता है, और डेटा के नुकसान या सिस्टम फेल होने का जोखिम भी सबसे कम होता है।

स्मृति मंधाना का टी-20 विश्व कप में कैसा रहा है प्रदर्शन? जानिए उनके आंकड़े

नईदिल्ली(एजेंसी)। महिलाओं का टी-20 विश्व कप 2024 आगामी 3 अक्टूबर से संयुक्त अरब अमीरात में खेला जाएगा।ग्रुप-ए में मौजूद भारतीय महिला क्रिकेट टीम इस प्रतिष्ठित टूर्नामेंट में अपने अभियान की शुरुआत 4 अक्टूबर को न्यूजीलैंड महिला क्रिकेट टीम के खिलाफ मुकाबले से करेगी।इस बार सलामी बल्लेबाज स्मृति मंधाना भारतीय टीम के उपकप्तान की जिम्मेदारी में भी नजर आएंगी। मंधाना ने 2014 में पहली बार टी-20 विश्व कप में हिस्सा लिया था। उन्होंने इस वैश्विक टूर्नामेंट में अब तक 21 मैच खेले हैं, जिसमें 22.45 की औसत और 118.46 की स्ट्राइक रेट के साथ 449 रन बनाए हैं।इस बीच वह कोई शतक नहीं लगा सकी हैं। विश्व कप में उनका सर्वोच्च स्कोर 87 रन रहा है।वह इस टूर्नामेंट के इतिहास में मिताली राज (726) और हरमनप्रीत कौर (576) के बाद तीसरी सर्वाधिक रन वाली भारतीय महिला हैं। पिछला टी-20 विश्व कप फरवरी 2023 में दक्षिण अफ्रीका में खेला गया था, जिसमें मंधाना का अच्छा प्रदर्शन रहा था।भारतीय उपकप्तान ने 4 पारियों में 37.75 की औसत और 138.53 की स्ट्राइक रेट के साथ 151 रन बनाए थे। इस बीच उन्होंने 2अर्धशतक लगाए थे।बता दें कि पिछले संस्करण में भारतीय टीम सेमीफाइनल मुकाबले में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 5 रन से हारकर बाहर हो गई थी। मंधाना टी-20 अंतरराष्ट्रीय में भारतीय टीम के लिए सबसे ज्यादा रन बनाने वाली बल्लेबाज हैं। उन्होंने अपना पहला मुकाबला साल 2013 में खेला था।वह अब तक 141 मैच की 135 पारियों में 28.86 की औसत से 3,493 रन बना चुकी हैं। उनकी स्ट्राइक रेट 122.51 की रही है।इस प्रारूप में उनसे ज्यादा रन सिर्फ न्यूजीलैंड की सूजी बेट्स (4,348) ने बनाए हैं। इस सूची में हरमनप्रीत (3,426) तीसरे स्थान पर है। मंधाना ने एशिया में खेलते हुए 89 मैचों में 24.56 की औसत से 1,867 रन बनाए हैं। वह एशिया में 2,000 रन पूरे करने वाली विश्व की तीसरी और भारत की दूसरी बल्लेबाज बन सकती हैं।उनसे पहले श्रीलंका की चमारी अट्टापट्टू और हरमनप्रीत ऐसा कर चुकी हैं।मंधाना टी-20 विश्व कप में अपने 500 रन पूरे कर सकती हैं।

चेन्नई टेस्ट में 58 रन बनाते ही इतिहास रच देंगे कोहली

तोड़ देंगे सचिन का महारिकॉर्ड

नई दिल्ली(एजेंसी)। भारतीय स्टार बल्लेबाज विराट कोहली मैदान पर उतरें और रिकॉर्ड ना बने, ऐसा कम ही देखने को मिलता है. अब टीम इंडिया और बांग्लादेश के बीच 19 सितंबर से 2 मैचों की टेस्ट सीरीज की शुरुआत होने वाली है. सीरीज का पहला मैच चेन्नई के एमए चिदंबरम स्टेडियम में खेला जाएगा. इस मुकाबले में अगर विराट कोहली 58 रन बना लेते हैं, तो वह एक माइलस्टोन हासिल कर लेंगे. पिछले एक दशक से भी अधिक वक्त से

इंटरनेशनल क्रिकेट पर राज कर रहे विराट कोहली के पास एक और बड़ा रिकॉर्ड बनाने का मौका है. असल में विराट ने 26942 इंटरनेशनल रन बनाए हैं. अब यदि चेन्नई के एमए चिदंबरम स्टेडियम में खेले जाने वाले मुकाबले में 58 रन बना लेते हैं, तो वह 27 हजार इंटरनेशनल रन पूरे कर लेंगे. ऐसा करने वाले विराट दुनिया के चौथे बल्लेबाज बन जाएंगे. उनसे पहले भारतीय दिग्गज सचिन तेंदुलकर, कुमार संगाकारा, रिकी पोंटिंग ही हैं, जिन्होंने इंटरनेशनल क्रिकेट में 27000 रन के आंकड़े तक पहुंच सके हैं. हालांकि, कोहली के पास सबसे तेज 27 हजार रन पूरे करने का मौका है, क्योंकि यदि चेन्नई टेस्ट में वह 58 रन बना लेते हैं, तो 592 पारियों में माइलस्टोन हासिल कर लेंगे. फिलहाल ये रिकॉर्ड सचिन तेंदुलकर के नाम दर्ज है, जिन्होंने 623 पारियों में ये कारनामा किया है.

जिंदल ग्रुप 2025 तक विकसित करेगा 4,500 टन प्रति वर्ष की ग्रीन हाइड्रोजन क्षमता

नई दिल्ली(एजेंसी)। जिंदल स्टील एंड पावर लिमिटेड और जिंदल रिन्यूएबल्स की ओर से सोमवार को ग्रीन हाइड्रोजन में निवेश के लिए साझेदारी का ऐलान किया गया। देश की स्टील इंडस्ट्री में दोनों कंपनियों की ओर से डी-कार्बोनाइजेशन और ग्रीन एनर्जी में लीडरशीप के लिए यह एमओयू साइन किया है। जिंदल स्टील की योजना ग्रीन हाइड्रोजन को ओडिशा के अंगुल में स्थित उसके डायरेक्ट रेड्यूस्ड आयरन (डीआरआई) यूनिट्स में एकीकृत करना है। कंपनी की ओर से कहा गया कि पहले चरण में जिंदल रिन्यूएबल्स की ओर से 4,500 टन प्रति वर्ष की ग्रीन हाइड्रोजन उत्पादन क्षमता विकसित की जाएगी। इसे शुरू करने की डेडलाइन दिसंबर 2025

निर्धारित की गई है। इस प्रोजेक्ट में प्रति वर्ष 36,000 टन ऑक्सीजन की आपूर्ति भी शामिल होगी जिसका उपयोग अंगुल स्टील वर्क्स में किया जाएगा। जिंदल रिन्यूएबल्स की ओर से जिंदल स्टील यूनिट्स को 3 गीगावाट की रिन्यूएबल एनर्जी की भी आपूर्ति की जाएगी। इसके जरिए जिंदल स्टील की कोशिश अगले 2 से 3 वर्षों में कोयले पर निर्भरता को 50 प्रतिशत तक घटाना है। जिंदल स्टील के स्ट्रेटजी और कॉरपोरेट मामलों के निदेशक संजय सिंह का कहा, उत्पादन के प्रोसेस में ग्रीन एनर्जी और ग्रीन हाइड्रोजन का एकीकरण करके, हम न केवल कार्बन उत्सर्जन को कम कर रहे हैं, बल्कि भारत की स्टील इंडस्ट्री के लिए नए बेंचमार्क सेट कर रहे हैं।

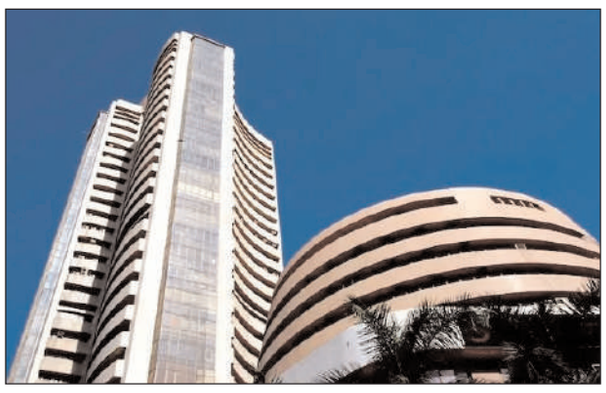

शेयर बाजार में 83,184 के नए लाइफटाइम हाई पर पहुंचा सेंसेक्स, निफ्टी में भी नया शिखर

मुंबई(एजेंसी)। भारतीय शेयर बाजार ने आज फिर तेजी का नया शिखर हासिल कर लिया है और शेयर बाजार में सेंसेक्स का नया रिकॉर्ड लेवल 83,184.34 का है. वहीं निफ्टी की नई ऐतिहासिक ऊंचाई का लेवल 25,445.70 पर बन गया है. बाजार ने शुक्रवार को भी नया रिकॉर्ड लेवल छू लिया था और आज सोमवार को ये लेवल तोड़कर और ऊपर जा चुका है.घरेलू शेयर बाजार के लिए आज का दिन अहम है और ये सप्ताह भी खास है. आज एक तो बजाज हाउसिंग फाइनेंस के आईपीओ की लिस्टिंग वाले दिन शेयर बाजार में खासी हलचल देखी जा रही है. वहीं बुधवार को अमेरिकी फेड की बैठक है जो ग्लोबल बाजारों के लिए बड़ा संकेत होने वाला है. इसके अलावा बैंक निफ्टी आज

52,000 के ऊपर खुला है और ओपनिंग मिनटों में बैंक निफ्टी के 12 में से 9 शेयरों में तेजी देखी जा रही है. मेटल शेयरों में शानदार तेजी देखी जा रही है और धातुओं (मेटल) इंडेक्स में जोरदार तेजी है. हालांकि ये ग्लोबल बाजारों के चलन के आधार पर ज्यादा निर्भर करती है. बीएसई के सेंसेक्स में 94.39 अंक या 0.11 फीसदी की बढ़त के साथ 82,985 पर ओपनिंग हुई है और 50.15 अंकों या 0.20 फीसदी की तेजी के साथ 25,406 पर ओपनिंग हुई है. रिलायंस इंडस्ट्रीज में आज ओपनिंग के समय ही 12 रुपये की तेजी देखी जा रही है. एचडीएफसी के शेयर में सपाट कारोबार देखा जा रहा है. टीसीएस, इंफोसिस ऊपर हैं और एलएंडटी ऊपर है. एचयूएल में आज 2.60 फीसदी की गिरावट देखी जा रही है और कोर 6 शेयरों में से सिर्फ एचयूएल ही नीचे है और बाकी 5 शेयरों में हरे निशान में ट्रेड देखा जा रहा है. एफएमसीजी के शेयरों में आज गिरावट देखी जा रही है लेकिन इसके पीछे एडिबल ऑयल पर लगी ड्यूटी के फैसलो को कारण माना जा सकता है. शेयर बाजार की प्री-ओपनिंग में बीएसई का सेंसेक्स 90.09 अंक या 0.11 फीसदी बढ़कर 82981 पर ट्रेड कर रहा था और एनएसई का निफ्टी 54.30 अंक या 0.21 फीसदी की तेजी के साथ 25410 के लेवल पर कारोबार करता दिख रहा है.

अदाणी पावर और अदाणी ग्रीन के शेयरों ने भरी उड़ान

नईदिल्ली(एजेंसी)। अदाणी पावर के शेयर सोमवार यानी 16 सितंबर को बड़ा उछाल देखने को मिला। कंपनी के शेयर आज इंट्रा-डे कारोबार में 7.53 प्रतिशत बढ़कर 681.30 रुपये प्रति शेयर के इंट्राडे हाई पर पहुंच गए। इसी तरह, अदाणी ग्रीन एनर्जी का शेयर 7.39 प्रतिशत तक उछलकर 1,920 रुपये प्रति शेयर के इंट्राडे हाई पर पहुंच गया। अदाणी पावर और अदाणी ग्रीन एनर्जी के शेयर की कीमतों में यह उछाल 6600 मेगावाट हाइब्रिड सौर और थर्मल पावर की आपूर्ति के लिए महाराष्ट्र राज्य डिस्कॉम से लेटर ऑफ़ इंटेंट हासिल करने के बाद आया है। अदाणी ग्रुप की दो कंपनियां अदाणी ग्रीन एनर्जी और अदाणी पावर ने आज यानी रविवार को ऐलान किया कि वे महाराष्ट्र राज्य डिस्कॉम के साथ 6.6 गीगावाट की संयुक्त बिजली खरीद समझौते पर साइन करेंगी। कंपनियों ने अपनी घोषणा में कहा कि अदाणी ग्रीन एनर्जी महाराष्ट्र स्टेट इलेक्ट्रिसिटी डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी लिमिटेड के साथ लंबे समय के लिए बिजली खरीद समझौते पर हस्ताक्षर करेगी, जो 5 गीगावाट (5000 मेगावाट) सौर ऊर्जा की सप्लई के लिए होगा। इसके अलावा, अदाणी पावर महाराष्ट्र को 1496 मेगावाट (नेट) थर्मल पावर की सप्लाई के लिए एक लॉन्ग-टर्म बिजली आपूर्ति समझौते पर हस्ताक्षर करेगी। सुबह 11¬43 बजे अदाणी पावर के शेयर 6.24 प्रतिशत बढ़कर 673.00 रुपये पर कारोबार कर रहा था, जबकि अदाणी ग्रीन 6.36 प्रतिशत बढ़कर 1,901.85 रुपये प्रति शेयर पर कारोबार कर था। इसकी तुलना में बीएसई सेंसेक्स 0.03 फीसदी की मामूली बढ़त लेकर 82,918.71 के स्तर पर कारोबार कर रहा था।

पीसीओएस को प्राकृतिक रूप से नियंत्रित रखने के टिप्स

रायपुर। पॉलिसिस्टिक ओवरी सिंड्रोम (पीसीओएस) के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए हर साल सितंबर को पीसीओएस जागरूकता माह के रूप में मनाया जाता है। शीला कृष्णास्वामी, न्यूट्रिशन एवं वेलनेस कंसल्टेंट ने कहा भारत में बड़ी संख्या में महिलाएं इस समस्या से जूझ रही हैं। पीसीओएस के लक्षणों में अनियमित माहवारी, पुरुष हॉर्मोन का बढ़ना, ओवरी में सिस्ट, वजन बढ़ना, एक्?ने, शरीर पर ज्यादा बाल आना और प्रजनन समस्याएं शामिल हैं। इन लक्षणों को प्राकृतिक तरीके से नियंत्रित करने के लिए जानी-मानी आहार विशेषज्ञ और वेलनेस कंसल्टेंट, शीला कृष्णास्वामी संतुलित और स्वच्छ आहार लेने की सलाह देती हैं। वे कहती हैं कि बादाम, हरी पत्तेदार सब्जियां, दालें और साबुत अनाज जैसे प्राकृतिक खाद्य पदार्थ खाना जरूरी है, क्योंकि इससे शरीर को सही पोषण मिलता है और समग्र सेहत में सुधार होता है। कम ग्लाइसेमिक इंडेक्स वाले खाद्य पदार्थों का चयन करें: पीसीओएस को नियंत्रित करने के लिए दालें, साबुत अनाज, सीड्स और बादाम जैसे नट्स, जिनका ग्लाइसेमिक इंडेक्स कम होता है, काफी फायदेमंद होते हैं। इनसे ब्लड शुगर के स्तर पर नियंत्रण रहता है और इंसुलिन के फास्टिंग स्तर को कम करने में मदद मिलती है। रोजाना मुट्ठीभर बादाम खाने से न केवल ब्लड शुगर नियंत्रित रहता है, बल्कि वजन भी सही बना रहता है और एलडीएल कोलेस्ट्रॉल (बैड कोलेस्ट्रॉल) भी कम हो जाता है। इससे पीसीओएस के लक्षणों में सुधार और समग्र सेहत बेहतर हो सकती है। संतुलित आहार को प्राथमिकता दें: पीसीओएस को नियंत्रित रखने के लिए संतुलित आहार लेना बेहद जरूरी है, जिसमें फल, हरी पत्तेदार सब्जियां, साबुत अनाज, दालें, फलियां और बादाम जैसे नट्स शामिल हों।

बादाम खासतौर पर हेल्दी फैट्स, प्रोटीन और फाइबर के लिए जाना जाता है, जो पेट भरा हुआ महसूस कराता है और वजन नियंत्रित करने में मदद करता है। इसके अलावा, बादाम में मैग ?नीशियम होता है, जो ब्लड शुगर को नियंत्रित करने में सहायक है। भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर-एनआईएन) की डाइटरी गाइडलाइन में भी बादाम जैसे पौष्टिक नट्स को रोजाना खाने की सलाह दी गई है, क्योंकि ये अच्छी सेहत के लिए फायदेमंद हैं।

नियमित शारीरिक गतिविधि: पीसीओएस को नियंत्रित करने के लिए रोज़ाना एक्सरसाइज करना बेहद जरूरी है। ब्रिस्क वॉकिंग, स्विमिंग, कोई खेल खेलना या योग करने से वजन को नियंत्रित रखने और इंसुलिन की संवेदनशीलता बढ़ाने में मदद मिलती है। ये दोनों चीजें पीसीओएस के लक्षणों को बेहतर तरीके से नियंत्रित करने में सहायक होती हैं।

सिस्टमेटिक्स कॉर्पोरेट सर्विसेज लिमिटेड ने जुटाए 103.12 करोड़ रुपये

मुंबई। सिस्टमेटिक्स कॉर्पोरेट सर्विसेज लिमिटेड (SCSL) ने 1531 रुपये प्रति शेयर के मूल्य पर इक्विटी शेयरों के प्रेफरेंशियल अलॉटमेंट के माध्यम से 103.12 करोड़ रुपये की फंड जुटाने की घोषणा की है। यह कंपनी की स्ट्रेटेजिक और ऑपरेशन में अपने इन्वेस्टर्स के विश्वास और भरोसे को मजबूत करता है। इस रकम का उपयोग सिस्टमेटिक्स के अलग अलग बिज़नेस वर्टिकल्स में स्ट्रेटेजिक इनिशियेटिव के लिए किया जाएगा, जिसमें केटेगरी I और केटेगरी III के दो ऑल्टर्नेट इनवेस्टमेंट फंड्स (AIFs) की शुरुआत, मार्जिन ट्रेडिंग बुक का विस्तार, वेल्थ मैनेजमेंट को मजबूत करने, इन्स्टिटयूशन संस्थागत और एचएनआई/रिटेल ब्रोकिंग डिवीजन का विस्तार और आईबी एवं ईसीएम बिज़नेस की ग्रोथ को तेज करना शामिल है। बेलग्रेव इन्वेस्टमेंट फंड, श्री मधुकर चिमनलाल शेठ, ऑथम इन्वेस्टमेंट एंड इंफ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड, श्री सिद्धार्थ अय्यर, निखिल वोरा एचयूएफ, कैप्री ग्लोबल होल्डिंग्स प्राइवेट लिमिटेड, स्काई हॉक वेंचर्स, को प्रेफरेंशियल शेयर अलॉट किए जाएंगे। सिस्टमेटिक्स कॉर्पोरेट सर्विसेज लिमिटेड (SCSL) के प्रबंध निदेशक श्री निखिल खंडेलवाल ने कहा, इस फंड का जुटाया जाना हमारे विकास में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है। यह हमें अपनी विकास पहलों को तेज करने और एक प्रशंसित भारतीय वित्तीय सेवा कंपनी बनाने के हमारे इरादे को और मजबूती देता है। सिस्टमेटिक्स ईसीएम और आईबी में अपनी क्षमताओं को बदलने के साथ ही पीएमएस और ब्रोकरेज व्यवसायों की वृद्धि को तेज कर रही है। ऑल्टर्नेट इनवेस्टमेंट फंड्स (AIFs) और वेल्थ मैनेजमेंट की नई विकास पहलों का फायदा मिलने में सक्षम है। यह हमारे कॉर्पोरेट क्लाइंट्स के लाइफसाइकल पार्टनर होने के हमारे प्रिंसिपल से मेल खाता है। सिस्टमेटिक्स ने मजबूत वित्तीय प्रदर्शन किया है।

दैनिक
विश्व परिवार
महानगर

www.dainikvishwapariwar.com
vishwapariwarraipur@gmail.com

रायपुर, बुधवार 18 सितंबर 2024

मुख्यमंत्री ने बैरिस्टर ठाकुर छेदीलाल की पुण्यतिथि पर उन्हें किया नमन

रायपुर (विसं)। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने स्वतंत्रता संग्राम सेनानी और कानूनविद बैरिस्टर ठाकुर छेदीलाल की 18 सितम्बर को पुण्यतिथि पर उन्हें नमन किया है। मुख्यमंत्री ने कहा है कि लोगों में जागृति फैलाने के लिए बैरिस्टर ठाकुर छेदीलाल जी ने रामलीला के मंच से राष्ट्रीय रामायण का अभिनव प्रयोग किया। युवाओं में राष्ट्रीयता की भावना जागृत कर स्वतंत्रता आंदोलनों से जोड़ने में उनका महत्वपूर्ण योगदान रहा है। सविनय अवज्ञा आंदोलन में भी उन्होंने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। वे संविधान सभा के सदस्य भी रहे ठाकुर छेदीलाल जी की उपलब्धियों और समाज के लिए किए गए योगदान को हमेशा याद किया जायेगा।

संक्षिप्त समाचार

24वीं राज्य स्तरीय शालेय खेलकूद स्पर्धा में अंडर 19 लॉन टेनिस प्रतियोगिता में मनस्वीय सिंह ने प्रथम स्थान प्राप्त कर गोल्ड मेडल जीता

रायपुर (विश्व परिवार)। 24वीं राज्य स्तरीय शालेय खेलकूद स्पर्धायें भिलाई में दिनांक 10 सितम्बर से 13 सितम्बर तक सम्पन्न करायी गई जिसमें अंडर 19 लॉन टेनिस प्रतियोगिता में मनस्वीय सिंह ने सरगुजा, बिलासपुर और दुर्ग जोन के प्रतियोगियों को हराकर राज्य में प्रथम स्थान प्राप्त कर गोल्ड मेडल एवं सिल्ड प्राप्त कर रायपुर जोन को गौरवान्वित किया। इस पर मनस्वीय सिंह के शुभ चिंतको ने उनके उज्जवल भविष्य की कामना करते हुए बधाईयॉ दी। यहॉ यह विदित हो मनस्वीय सिंह पिता पुलिस मुख्यालय में पदस्थ सहायक पुलिस महानिरीक्षक धर्मेन्द्र सिंह एवं माता जबलपुर म.प्र. पुलिस अधीक्षक (अजाका) रेखा सिंह की पुत्री है। 24 वीं राज्य स्तरीय शालेय खेलकूद स्पर्धा में मनस्वीय सिंह ने इसके अतिरिक्त अन्य दो गोल्ड एवं कुल तीन गोल्ड मेडल प्राप्त किये है।

छत्रपति शिवाजी किड्स स्कूल रावतपुरा कॉलोनी में ग्रैंड पैरेंट्स डे सेलिब्रेट किया गया

रायपुर (विश्व परिवार)। छत्रपति शिवाजी किड्स स्कूल रावतपुरा कॉलोनी में आज ग्रैंड पैरेंट्स डे सेलिब्रेट किया गया। जिसमें छोटे-छोटे बच्चों के नाना, नानी एवं दादी दादी ने भाग लिया। उसमें शिक्षिकाओ द्वारा पहले तिलक एवं आरती से उनका स्वागत किया गया। शिक्षिकाओं द्वारा कई तरह के खेलों का आयोजन किया गया जिसमें नाना नानी दादी दादी ने बड़े उत्साह से भाग लिया। शिक्षिकाओं द्वारा कुर्सी दौड़ डम शराज, अंताक्षरी आदि खेल का आयोजन किया गया। उन्होंने अपने दौर के रफी साहब के गीत गुनगुनाए और दादा ने दादी के लिए नानी ने नाना के लिए डांस भी किया। जो प्रतियोगिता में जीते उन्हें पुरस्कृत भी किया गया। इस दौरान विजेता श्री कुलदीप सिंह, श्रीमती उमा देवी और श्री संतोष साहू जी रहे। इस उपलक्ष में विद्यालय की सभी शिक्षिकाएं, श्रीमती दुलु दास एवं प्राचार्या अपर्णा कर्मकार मौजूद रही।

रेलवे में प्रारंभ हुआ 'स्वच्छता ही सेवा अभियान', रेल कर्मियों को दिलाई गई स्वच्छता की शपथ

2 अक्टूबर को राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की जयंती के अवसर पर मनाया जाएगा 'स्वच्छ भारत दिवस'

रायपुर रेल मंडल में निकाली गई स्वच्छता रैली, स्वच्छता ही सेवा अभियान की थीम 'स्वभाव स्वच्छता-संस्कार स्वच्छता'

रायपुर (विश्व परिवार)। रेलवे बोर्ड के मुख्य कार्यकारी अधिकारी और अध्यक्ष सतीश कुमार ने नई दिल्ली में स्थित रेल भवन के कॉन्फ्रेंस हाल में आयोजित कार्यक्रम में रेल कर्मियों को स्वच्छता के प्रति संकल्पित रहने की शपथ दिलाते हुए 'स्वच्छता ही सेवा अभियान' की शुरुआत की। भारत सरकार द्वारा इस वर्ष स्वच्छता ही सेवा अभियान की थीम स्वभाव स्वच्छता - संस्कार स्वच्छता रखी गई है। 2 अक्टूबर को राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के जयंती के अवसर पर 'स्वच्छ भारत दिवस' मनाया जाएगा।

कार्यक्रम के दौरान सतीश कुमार ने रेलवे के अधिकारियों और कर्मचारियों को स्वच्छता की शपथ दिलाई कि वे अपने घरों, अपने कार्यालयों, अपने आस-पास, अपनी सोसाइटी और अपने देश को स्वच्छ रखेंगे और दूसरों को भी इसके लिए प्रोत्साहित करेंगे। सभी ने शपथ ली कि महात्मा गांधी ने जिस भारत का सपना देखा था उसमें सिर्फ राजनैतिक आजादी ही नहीं थी, बल्कि एक स्वच्छ एवं विकसित देश की कल्पना भी थी। महात्मा गांधी ने गुलामी की जंजीरों को तोड़कर मां भारती को आजाद कराया, अब हमारा कर्तव्य है कि गंदगी को दूर करके भारत माता की सेवा करें। हम शपथ लेते हैं कि स्वयं स्वच्छता के प्रति सजग रहेंगे और उसके लिए समय देंगे। हम न गंदगी करेंगे और न किसी और को करने देंगे।

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे, रायपुर रेल मंडल में स्वच्छता ही सेवा के उपलक्ष में स्वच्छता रैली निकाली गई नुक्कड़ नाटक का आयोजन किया गया। इस अवसर पर अपर मंडल रेल प्रबंधक सहित रायपुर रेल मंडल के अधिकारी स्काउट गाइड के बच्चे रेलवे कर्मियों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया।

भारतीय रेल द्वारा स्वच्छता ही सेवा अभियान के अंतर्गत देशभर में न केवल रेलवे स्टेशनों पर, बल्कि ट्रेनों, रेलवे कॉलोनियों और उत्पादन इकाइयों में भी साफ-सफाई के लिए विशेष अभियान चलाया जाएगा। विदित हो कि रेलवे द्वारा वर्ष 2017 से ही स्वच्छता ही सेवा पखवाड़ा अभियान मनाया जा रहा है। स्वच्छता ही सेवा स्वच्छ भारत मिशन के तहत आवास एवं शहरी मामलों के मंत्रालय और पेयजल एवं स्वच्छता विभाग (जल शक्ति मंत्रालय) की एक संयुक्त पहल है। इस वर्ष भी रेलवे द्वारा स्वच्छता ही सेवा अभियान का आयोजन किया गया है।

पिछले वर्ष 'स्वच्छता ही सेवा'-2023 अभियान के दौरान रेलवे ने लगभग 6,823 रेलवे स्टेशनों पर 70,0000 से अधिक मानव-घंटों के श्रमदान के साथ लगभग 2.5 लाख लोगों को अभियान में शामिल किया था। रेलवे ने स्वच्छता से जुड़ी विभिन्न गतिविधियां आयोजित की थीं। जिसमें बड़े पैमाने पर वृक्षारोपण अभियान, कचरे की सफाई के साथ सेल्फी प्वाइंट बनाना, रेलवे की वेबसाइट पर 'स्वच्छता ही सेवा' लोगो/बैनर लगाना, ट्रेनों/स्टेशनों में कचरे के उचित निपटान के संबंध में यात्रियों को जागरूक करने के लिए नियमित घोषणा करना, जागरूकता बढ़ाने के लिए स्वच्छ रेल स्वच्छ भारत के नारे के साथ प्रभात फेरी निकालना, यात्रियों को जागरूक करने के लिए रेलवे स्टेशनों पर गैर सरकारी संगठनों, धार्मिक निकायों और स्कूली बच्चों की मदद से नुक्कड़ नाटक आयोजित करना आदि शामिल है।

इस वर्ष भी स्वच्छ भारत मिशन के शुभारंभ की 10वीं वर्षगांठ के उपलक्ष्य में %स्वच्छता ही सेवा 2024 अभियान 17 सितम्बर से स्वभाव स्वच्छता-संस्कार स्वच्छता% थीम के साथ मनाया जा रहा है। स्वच्छता ही सेवा 2024 की थीम स्वभाव स्वच्छता, संस्कार स्वच्छता पूरे भारत में स्वच्छता के प्रयासों में सामूहिक कार्रवाई और नागरिक भागीदारी की रेलवे की भावना को जागृत करने का प्रयास करती है। स्वच्छता ही सेवा 2024 अभियान 17 सितंबर से 2 अक्टूबर तक चलेगा, जिसका समापन स्वच्छ भारत दिवस पर होगा।

एनटीपीसी-नवा रायपुर में 'स्वच्छता ही सेवा' की शुरुआत

रायपुर (विश्व परिवार)। एनटीपीसी- नवा रायपुर में 17 सितंबर, 2024 को 'स्वच्छता ही सेवा' शपथ के साथ पखवाड़े का शुरू हुआ, जिसमें कर्मचारियों ने बड़ी संख्या में भाग लिया। श्री पी के मिश्रा, क्षेत्रीय कार्यकारी निदेशक (डब्ल्यूआर-II, यूएसएससी और ऐश एनआई) और श्री एस के घोष, कार्यकारी निदेशक (ओएस) ने क्रमश: हिंदी और अंग्रेजी में शपथ दिलाई।

इस अवसर पर श्री मिश्रा ने स्वच्छता और फिटनेस के महत्व पर जोर दिया तथा सभी को अपने इलाके के लिए बदलाव का एजेंट बनने के लिए कहा। उन्होंने कहा कि समाज में सकारात्मक बदलाव लाते हुए आपका योगदान सस्टेनेबल प्रकृति का हो। बाद में, उन्होंने कार्यालय परिसर में इनडोर खेल सुविधाओं की शुरुआत की।

पखवाड़े के दौरान, पास के स्कूलों के स्कूली बच्चों के लिए कुछ कार्यक्रमों के अलावा कर्मचारियों और उनके परिवार के सदस्यों के लिए कई जागरूकता कार्यक्रमों की योजना बनाई गई है।

बीएसपी में उत्साह से मनाया गया विश्वकर्मा पूजा, केन्द्रीय मंत्री सहित सेल चेयरमेन हुए शामिल

रायपुर (विश्व परिवार)। सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र के विभिन्न विभागों में आज उत्साह और धूमधाम से विश्वकर्मा पूजा संपन्न हुई। आज विश्वकर्मा पूजा के पावन अवसर पर भिलाई इस्पात संयंत्र के यूनिवर्सल रेल मिल में, केन्द्रीय भारी उद्योग एवं इस्पात मंत्री श्री एच डी कुमारस्वामी, सेल चेयरमेन श्री अमरेन्दु प्रकाश, सेल-बीएसपी के निदेशक प्रभारी श्री अनिर्बान दासगुप्ता, दुर्ग लोकसभा सांसद श्री विजय बघेल तथा कार्यपालक निदेशक (वर्क्स) श्री अंजनी कुमार, संयंत्र के वरिष्ठ अधिकारियों सहित विश्वकर्मा पूजा में शामिल हुए। उन्होंने विश्वकर्मा पूजा में सम्मिलित लोगों को शुभकामनाएं देते हुए सुरक्षित और श्रेष्ठ कार्य करने का आग्रह किया।

आज संयंत्र के प्रत्येक विभाग और अनुभागों में भगवान श्री विश्वकर्मा जी की बड़े उमंग व उत्साह के साथ पूजा अर्चना की गई। संयंत्र के विभिन्न स्थानों में आयोजित विश्वकर्मा पूजा में, कार्यपालक निदेशक (वर्क्स) श्री अंजनी कुमार, कार्यपालक निदेशक (प्रोजेक्ट्स) श्री एस मुखोपाध्याय, कार्यपालक निदेशक (सामग्री प्रबंधन) श्री अजय कुमार चक्रबर्ती, कार्यपालक निदेशक (मानव संसाधन) श्री पवन कुमार, कार्यपालक निदेशक (माइंस) श्री बी के गिरी तथा कार्यकारी कार्यपालक निदेशक (वित्त एवं लेखा) श्री डी एन करन ने अपनी गरिमामयी उपस्थिति दर्ज कराई। कार्यपालक निदेशकों ने विभिन्न विभागों में अन्य वरिष्ठ अधिकारियों के साथ पूजा में भाग लिया और अधिकारियों एवं कार्मिकों से मिलकर उन्हें विश्वकर्मा पूजा की शुभकामनाएं प्रदान की।

राजकुमार कॉलेज में अंतर्दलीय पाक-कला प्रतियोगिता सम्पन्न

देश-विदेश व्यंजनों के विस्तृत श्रृंखला की हुई प्रस्तुति

रायपुर (विश्व परिवार)। शहर की प्राचीनतम शैक्षणिक संस्था, राजकुमार कॉलेज, ने अपनी वार्षिक अंतर्दलीय पाक-कला प्रतियोगिता का सफलतापूर्वक आयोजन किया। इस प्रतियोगिता में कॉलेज के विद्यार्थियों के चार दल-आर्य, बिक्रम, राजपूत और राणाने हिस्सा लिया। हर दल ने देशी और विदेशी व्यंजनों की एक विस्तृत श्रृंखला प्रस्तुत की।

इस वर्ष की प्रतियोगिता में कुल आठ टीमों के चालीस विद्यार्थियों ने भाग लिया। निर्णायक मंडल में प्रधान अध्यापिका श्रीमती चितवन सिंह, श्रीमती सीमा एफ. सिद्दीकीसहायक प्रधान अध्यापिका श्रीमती सुनीता वोराऔरश्रीमती रत्ना मजीठिया शामिल थीं। निर्णायकों ने सभी प्रतिभागियों के पाक-कला कौशल की सराहना की और विद्यार्थियों की मेहनत को सराहा। समापन समारोह में उप-प्राचार्य श्री शिवेन्द्र नाथ शाह देव ने विद्यार्थियों की पाक-कला और मेज व्यवस्था की प्रशंसा की। उन्होंने विजेता राजपूत दल के विद्यार्थियों को पुरस्कृत करते हुए बधाई दी और सभी प्रतिभागियों को प्रोत्साहित करते हुए कहा कि सभी प्रतिभागियों की मेहनत स्पष्ट रूप से दिखाई दे रही है, जो किअत्यंत सराहनीय है।

राजपूत दल ने सर्वाधिक अंक अर्जित करते हुए प्रतिष्ठित रानी साहिबा सौदामिनी मंजरी देवी ऑफ खांडपाड़ा ट्रॉफी पर कब्जा किया। राजपूत दल की टीम-1, जिसमें दामिनी देवी, उमंग अग्रवाल, केविन चावड़ा, ऐश्वर्या नागपाल और अदिति सिंह ठाकुर शामिल थे, ने सर्वश्रेष्ठ टेबल का पुरस्कार भी जीता।

प्रतियोगिता में दलवार स्थिति निम्नलिखित रही- प्रथम स्थान- राजपूत दल (कुल अंक- 484), द्वितीय स्थान- राणा दल (कुल अंक - 471), तृतीय स्थान- आर्य दल (कुल अंक - 464), चतुर्थ स्थान- बिक्रम दल (कुल अंक- 456)।

जल संरक्षण, संवर्धन एवं पुनर्भरण सहित अनेक पहलुओं पर चर्चा पूरे विश्व के लिए प्रासंगिक : मंत्री केदार कश्यप

छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा जल एवं पर्यावरण के क्षेत्र में किए जा रहे कार्यों के संबंध में दी जानकारी

रायपुर (विश्व परिवार)। छत्तीसगढ़ सरकार के जल संसाधन मंत्री श्री केदार कश्यप आज नई दिल्ली के भारत मण्डपम में जल शक्ति मंत्रालय द्वारा आयोजित 8वें भारत जल सप्ताह कार्यक्रम में शामिल हुए। मंत्री श्री कश्यप ने इस मौके पर छत्तीसगढ़ में किए गए कार्यों को अन्य देशों से आए प्रतिनिधियों के साथ साझा किया और जल प्रबंधन के क्षेत्र में अंतर्राष्ट्रीय अनुभव प्राप्त किया। उन्होंने कहा कि कार्यशाला के माध्यम से जल संरक्षण, संवर्धन एवं पुनर्भरण बल्कि पर्यावरण, कृषि और विकास से जुड़े अनेक पहलुओं पर चर्चा भारत ही नहीं बल्कि पूरे विश्व के लिए प्रासंगिक हैं।

जल संसाधन मंत्री श्री कश्यप ने 8वें इंडिया वॉटर वीक के उद्घाटन सत्र को सम्बोधित करते हुए कहा कि जल के बिना किसी भी जीवन की कल्पना असंभव है। भारतीय सभ्यता में जीवनकाल में और जीवन के बाद की यात्रा में, जल के महत्व को बताया गया है। इसके अनुसार पानी के समस्त स्त्रोतों को पवित्र माना गया है। हर धार्मिक स्थल, नदी के तट पर स्थित होते है। ताल, तलैया और पोखरों का स्थान समाज के लिए उपयोगी होता है। परंतु वर्तमान समय पर नजर डालें तो, कई बार स्थिति चिंताजनक लगती है। बढ़ती हुई जनसंख्या के कारण हमारे नदियों और जलाशयों की स्थिति खराब हो रही है, गांवों के पोखर सूख रहे हैं, कई स्थानीय नदियां विलुप्त हो गयी हैं। कृषि और उद्योगों में जल का दोहन जरूरत से ज्यादा हो रहा है। धरती पर पर्यावरण संतुलन बिगड़ने लगा है, मौसम का मिजाज बदल रहा है। मानसून में कही अतिवृष्टि हो रही है तो कही सूखे जैसी स्थिति है।

कलिंगा विश्वविद्यालय द्वारा उर्मिला मेमोरियल अस्पताल के सहयोग से नि:शुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन

रायपुर (विश्व परिवार)। पहला धन स्वास्थ्य है- यह उद्धरण इस बात पर जोर देता है कि अच्छा स्वास्थ्य वह आधार है जिस पर हमारे जीवन के अन्य सभी पहलू निर्मित होते हैं। स्वास्थ्य शिविरों का उद्देश्य स्वास्थ्य संबंधी मुद्दों और उनकी रोकथाम के उपायों के बारे में जागरूकता फैलाना है।

कलिंगा विश्वविद्यालय ने उर्मिला मेमोरियल हॉस्पिटल, रायपुर के सहयोग से विद्यार्थियों और विश्वविद्यालय के सभी कर्मचारियों के लाभार्थ एक दिवसीय नि:शुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया। चिकित्सा शिविर का आयोजन विश्वविद्यालय परिसर में छात्र कल्याण विभाग की डीन लेफ्टिनेंट विभा चंद्राकर की देखरेख में और टीम के सदस्यों के सहयोग से किया गया।

नि:शुल्क स्वास्थ्य शिविर का उद्घाटन कलिंगा विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. आर. श्रीधर ने किया, साथ ही टीम के अन्य सदस्यों में कुलानुशासक डॉ. ए. विजयानंद, प्रभारी छात्र कल्याण अधिष्ठाता- लेफ्टिनेंट विभा चंद्राकर, छात्र कल्याण के उप अधिष्ठाता- श्री शेख अब्दुल कादिर, सहायक छात्र कल्याण अधिष्ठाता- सुश्री निकिता जोशी, स्टाफ नर्स- सुश्री सुमन चौहान, स्टाफ नर्स- श्री कुलदीप सिंह, और अन्य शामिल थे। इस कार्यक्रम में राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय दोनों तरह के छात्रों की सक्रिय भागीदारी देखी गई।

उर्मिला मेमोरियल अस्पताल की मुख्य कार्यकारी अधिकारी- डॉ. संज्ञा श्रीवास्तव, कॉरपोरेट हेड- श्री राजेश दुबे और मार्केटिंग एक्जीक्यूटिव- श्री चंद्रकांत गुप्ता के नेतृत्व में उर्मिला अस्पताल की मेडिकल टीम के साथ नर्सिंग स्टाफ के सदस्य श्री थुपेंद्राय, सुश्री सोनामणि, सुश्री गीतेश्वरी, श्री सोमनाथ और श्री दिनेश शामिल थे।

शिविर में 150 से अधिक राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय छात्रों और कर्मचारियों ने भाग लिया और लाभ उठाया। शिविर में रक्तचाप की जांच, शुगर लेवल टेस्ट, इलेक्ट्रोकार्डियोग्राम (ईसीजी), पल्मोनरी फंक्शन टेस्ट (पीएफटी) और पुरुषों के लिए मूत्र प्रवाह परीक्षण (यूएफटी) जैसे परीक्षण शामिल थे।

उर्मिला मेमोरियल अस्पताल के निदेशक डॉ. विनोद कुमार सिंह और हृदय रोग विशेषज्ञ डॉ. जिनेश कुमार जैन ने कार्यक्रम के दौरान संवादात्मक प्रस्तुतियाँ दीं, जिसमें 120 से अधिक सदस्यों ने भाग लिया। डॉ. जैन ने पावरपॉइंट प्रेजेंटेशन के माध्यम से हृदय की देखभाल के बारे में विस्तृत जानकारी दी और सत्र के दौरान संकाय सदस्यों ने अपनी जिज्ञासाओं का समाधान किया।

छात्र कल्याण की प्रभारी अधिष्ठाता- लेफ्टिनेंट विभा चंद्राकर और कुलानुशासक- डॉ. ए. विजयानंद ने सहयोगात्मक प्रयास की सराहना की और समुदाय की भलाई के लिए विश्वविद्यालय की प्रतिबद्धता को रेखांकित किया। डॉ. ए. विजयानंद द्वारा चिकित्सा टीम को एक स्मृति चिन्ह भेंट किया गया।

कलिंगा विश्वविद्यालय ऐसी पहलों के माध्यम से अपने छात्रों और कर्मचारियों के स्वास्थ्य और कल्याण को प्राथमिकता देता रहा है, तथा एक पोषणकारी और सहायक शैक्षणिक संस्थान के रूप में अपनी भूमिका को सुदृढ़ करता रहा है।

शासन की फ्लैगशिप योजनाओं का अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे लाभ : राज्यपाल रमेन डेका

राज्यपाल ने रायगढ़ में विकास एवं अन्य गतिविधियों पर अधिकारियों की ली बैठक

रायपुर (विश्व परिवार)। राज्यपाल श्री रमेन डेका ने रायगढ़ जिले के प्रवास के दौरान कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में जिले के अधिकारियों से विकास एवं अन्य गतिविधियों के संबंध में बैठक ली। उन्होंने कहा कि शासन की फ्लैगशिप योजनाओं का पूरा लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचना चाहिए। राज्यपाल श्री डेका ने जल संरक्षण एवं जल संचयन, पौधारोपण एवं पर्यावरण संवर्धन, परंपरागत एवं जैविक खेती प्रोत्साहन, टी.बी उन्मूलन, सड़क सुरक्षा आदि विषयों पर अधिकारियों से चर्चा कर आवश्यक प्रगति लाने के लिए निर्देशित किया।

राज्यपाल ने जिले में टीबी उन्मूलन के लिए किए गए प्रयासों एवं प्रगति के संबंध में जानकारी ली। उन्होंने टीबी उन्मूलन के लिए बेहतर मॉनिटरिंग करने एवं इसके इलाज को लेकर लोगों को जागरूक करने बात कही। उन्होंने रेडक्रॉस के संबंध में जानकारी लेने के साथ ही रेडक्रॉस के चुनाव कराने के निर्देश दिए।

राज्यपाल श्री डेका ने वृक्षारोपण को लेकर विशेष रूप से निर्देशित करते हुए कहा कि पौधे लगाने के साथ ही उसे जीवित रखने को लेकर समुचित व्यवस्था की जाए। उन्होंने पौधरोपण के लिए जल्दी विकसित होने वाली पौधों की प्रजातियों के चयन की बात कही। राज्यपाल श्री डेका ने परंपरागत कृषि एवं जैविक खेती प्रोत्साहन के संबंध में भी जानकारी ली। उन्होंने जैविक कृषि को बढ़ावा देने किसानों को जागरूक और प्रशिक्षित करने के निर्देश दिए। जिले के सांस्कृतिक और पुरातात्विक महत्व के स्थलों के रखरखाव के संबंध में जानकारी ली तथा ऐसे महत्वपूर्ण स्थलों से जुड़ी जानकारियां डिजिटल रूप से भी संग्रहित करने के निर्देश दिए।

राज्यपाल श्री डेका ने बैठक में कहा कि ड्रग्स एवम नशे के कारण युवा काफी प्रभावित हो रहे हैं इसके रोकथाम के लिए सभी आवश्यक उपायों का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करें। उन्होंने सड़क सुरक्षा के लिए किए जा रहे प्रयासों के बारे में भी जानकारी ली।

राज्यपाल श्री डेका ने जनजातीय क्षेत्र में रहने वाले लोगों को समाज की मुख्य धारा से जोड़ने एवं स्वास्थ्य, शिक्षा सहित अन्य आधारभूत सेवाएं उपलब्ध कराने के लिए विशेष प्रयास करने कहा। उन्होंने जनजातीय क्षेत्रों में सहकारी गतिविधि बढ़ाने के लिए भी कहा ताकि अंचल में रहने वाले लोगों को सशक्त बनाते हुए मुख्य धारा से जोड़ा जा सके। जिले में निवासरत विशेष पिछड़ी जनजाति के लिए पीएम जनमन योजना के माध्यम से विकास मूलक कार्यों को संचालित करने के निर्देश दिए। इसके साथ-साथ उन्होंने सभी अधिकारियों को अपने विभागीय दायित्वों को पूरी कर्तव्य निष्ठा और मानवीय मूल्यों के साथ निर्वहन करने तथा बेहतर नवाचार के साथ कार्य करने के लिए प्रोत्साहित किया।

बैठक में राज्यपाल की संयुक्त सचिव श्रीमती हिना अनिमेष नेताम एवं रायगढ़ जिले के प्रशासन तथा पुलिस के अधिकारी, वन एवं अन्य विभागों के अधिकारी उपस्थित थे।

प्रकाशक, मुद्रक, स्वामी प्रियेश कुमार जैन द्वारा मे. विश्व परिवार इंडस्ट्रीज, प्लॉट नं.-421 सेक्टर-सी, सड़क नं.-7 उरला इंडस्ट्रीयल एरिया उरला, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित एवं ओलंपस जिम के पीछे, सेक्टर-1, शंकर नगर रायपुर (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक : प्रदीप कुमार जैन, फोन नं. : 0771- 4017966, मो.- 9981924252 RNI.NO.CHHHIN/2013/50354